राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 नेपाल केप्रधानमंत्री का आगामी भारत यात्रा के साथ नया.....

दिल्ली कांग्रेस को जल्द मिल सकता है नया अध्यक्ष, रेस में हैं कई दावेदार..... 12

वर्ष : 13 | अंक : 11 | पटना, सोमवार, 22 मई, 2023 | कृष्णा पक्ष, विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

जी-20 बैठक की मेजबानी के लिए श्रीनगर पूरी तरह तैयार, सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था

प्रात: किरण

नई दिल्ली/श्रीनगर एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में सोमवार से तीसरी जी-20 पर्यटन कार्यकारी समूह की बैठक शुरू होने वाली है और 2019 में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के बाद पहले बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यहां डल झील के किनारे स्थित सुरम्य शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन कॉम्प्लेक्स (एसकेआईसीसी) में अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था के बीच तीन दिवसीय यह मेगा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। एसकेआईसीसी को 22 से 24 मई तक जी-20 प्रतिनिधियों के लिए दुल्हन की तरह सजाया गया है। प्रतिनिधियों के स्वागत के लिए इमारतों को आकर्षक रूप प्रदान किया गया है। बैठक को बाधित करने की किसी भी आतंकवादी योजना को विफल करने के लिए श्रीनगर शहर में त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। आयोजन के लिए स्थल को साफ कर दिया गया है और सुरक्षा बल स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। सुरक्षाबलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से लेकर एसकेआईसीसी तक (जहां समारोह आयोजित) किया जा रहा है। सभी सड़कों की मेटल डिटेक्टर से तलाशी ली गई और कार्यक्रम के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए खोजी कुत्तों को भी लगाया गया। अधिकारियों का कहना है कि बैठक केंद्र शासितप्रदेश के पर्यटन क्षेत्र - विशेष रूप से कश्मीर घाटी की क्षमता (जहां आयोजन हो रहा है) को दुनिया के सामने ले जाएगी। मौजूदा संरचना के सौंदर्य मूल्य को बढ़ाने के लिए श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पूरे शहर को नया रूप दिया गया है। सड़कों की मरम्मत की गयी है। श्रीनगर स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत पूरी की गई कई परियोजनाओं का हाल ही में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उद्घाटन किया।

श्रीनगर हवाईअड्डे से एसकेआईसीसी तक सड़कों के किनारे व्यूपॉइंट, होर्डिंग, साइनबोर्ड लगाए गए हैं और पौधारोपण किया गया है। जी-20 बैठक से पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों में उम्मीद जगी है। एक हाउसबोट के मालिक ने कहा, कश्मीरियों का आतिथ्य अद्भुत है और लोग मेहमानों का स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बैठक से न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि केंद्र शासित प्रदेश का विकास भी सामने आएगा। अधिकारियों ने बताया कि 22 और 23 मई को फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देने की रणनीति पर फोकस करते हुए ह्यआर्थिक विकास और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए फिल्म पर्यटन का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन जी-20 सदस्य देशों, आमंत्रित देशों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और उद्योग हितधारकों की भागीदारी का गवाह बनेगा। पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने में फिल्मों की भूमिका का उपयोग करने के लिए एक रोडमैप प्रदान करने के लिए फिल्म पर्यटन पर राष्ट्रीय रणनीति का एक मसौदा तैयार किया जाएगा। जी-20 सदस्य देशों और आमंत्रित देशों के सम्मानित वक्ताओं की एक पैनल चर्चा फिल्मों के माध्यम से गंतव्यों को बढ़ावा देने में देश-विशिष्ट समर्थकों और चुनौतियों पर प्रकाश डालेगी।

मौसम

अधिकतम तापमान 41.0°C

न्यूनतम तापमान 28.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	62,670
चांदी	75,300
संसेक्स	61,730
निफ्टी	18,203

संक्षिप्त खबरें

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर समाधि स्थल वीर भूमि में प्रार्थना सभा का आयोजन

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर राष्ट्रीय राजधानी स्थित समाधि स्थल वीरभूमि में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। प्रार्थना सभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, दिवंगत कांग्रेस नेता राजीव की पत्नी सोनिया गांधी, पुत्र राहुल गांधी, पुत्री प्रियंका गांधी वाड्रा के अलावा केसी वेणुगोपाल आदि नेताओं ने हिस्सा लिया। सभी ने समाधि स्थल पहुंचकर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा- 21वीं सदी के भारत निर्माण में राजीव गांधी का योगदान अतुलनीय है। उन्हें देश कभी भुला नहीं सकता। उल्लेखनीय है कि 21 मई, 1991 को एक आत्मघाती बम धमाके में राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी।

संविधान बचाने के लिए सभी को एकजुट होने की जरूरत : नीतीश

● दिल्ली में भाजपा कभी वापसी नहीं करेगी : तेजस्वी

प्रात : किरण

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि संविधान को बचाने के लिए देश भर में सभी को एकजुट होने की जरूरत है। श्री कुमार ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात करने के बाद रविवार को पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरबिंद केजरीवाल व बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव मौजूद थे। इस अवसर पर सीएम नीतीश ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद केंद्र सरकार द्वारा जो करने की कोशिश हो रही है वह विचित्र है। सरकार को जो अधिकार दिया गया है उसे कैसे छीन सकते हैं। उन्होंने कहा कि सब लोग एकजुट हों, ताकि संविधान का ये लोग अपने ढंग से इधर-उधर कर रहे हैं उसे रोकें। उन्होंने अरविंद केजरीवाल की तारीफ करते हुए कहा कि वह अच्छा काम कर रहे हैं और ऐसे में इस मुद्दे को लेकर हम उन्हें अपना समर्थन दे रहे हैं। श्री कुमार ने कहा कि हम कोशिश कर रहे हैं ज्यादा से ज्यादा विपक्षी पार्टियों को एक साथ लाएं। आपस में प्रेम और भाईचारा कायम हो। लोगों के बीच विवाद पैदा करने की कोशिश की जा रही है उसे बंद करना चाहिए ताकि देश आगे बढ़े। नीतीश ने सभी लोगों से इन फैसलों के खिलाफ इकट्ठा होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार संविधान का इधर-उधर कर रही है, इसलिए हम लोग कह रहे हैं सारे देश में सब लोग एकजुट हों। नीतीश कुमार ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला हो गया, राज्य सरकार को जो काम करने का अधिकार दिया गया है, क्या अब उस अधिकार को रोक दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर ज्यादा से ज्यादा विपक्षी पार्टियां एकजुट हो जाए और मिलकर देश भर में अभियान चलाएं कि कानून का पालन होना चाहिए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आठ दिन बाद केंद्र सरकार ने अध्यादेश लाकर फैसले को पलट दिया जो संविधान के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि अगर सभी विपक्षी दल एकजुट हो जायें तो इस अध्यादेश को कानून बनने से राज्यसभा में रोका जा सकता है। यह 2024 का सेमीफाइनल होगा। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार को अधिकार मिले हैं लेकिन गैर भाजपा शासित राज्य में केंद्र उन्हें परेशान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जो परेशानी अरविंद केजरीवाल झेल रहे हैं हम उसके खिलाफ उनको समर्थन देने आए हैं। अगर दिल्ली में भाजपा की सरकार होती तो उपराज्यपाल में हिम्मत होती इस प्रकार का काम करने की? दिल्ली में भाजपा कभी वापसी नहीं करेगी। अरविंद केजरीवाल को जितना सताएंगे वह उतने ही मजबूत होंगे। दिल्ली में भाजपा कभी भी वापसी नहीं करेगी। इस मौके पर जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ.लल्लन सिंह, राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा, आप सांसद संजय सिंह समेत अन्य नेता भी मौजूद थे।

भाजपा ने दिल्ली की जनता को तमाचा मारा : केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरबिंद केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने अध्यादेश लाकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को खत्म कर दिया। यह देश के लोकतंत्र, सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली की दो करोड़ जनता के साथ भद्दा मजाक है। मुख्यमंत्री का कहना है कि केंद्र सरकार का यह अध्यादेश कोर्ट में पांच मिनट भी नहीं टिकेगा। इसीलिए शुक्रवार को जैसे ही सुप्रीम कोर्ट छुट्टियों के लिए बंद हुआ, वैसे ही केंद्र ने अध्यादेश लाकर उसके फैसले को पलट दिया। केजरीवाल के मुताबिक ये पहले दिन से ही अध्यादेश लाने की तैयारी में थे। इस वजह से पहले तीन दिन सर्विसेज सेक्रेटरी और फिर चीफ सेक्रेटरी गायब हो गए। तीन दिन बाद सिविल सर्विस बोर्ड की बैठक हुई तो दो दिन एलजी प्रस्ताव लेकर बैठ गए। अब ये लड़ाई केंद्र बनाम सुप्रीम कोर्ट बन गई है। साथ ही, भाजपा ने दिल्ली की जनता को तमाचा मारा है कि तुम चाहे जिसे चुन लो, हम उसे काम नहीं करने देंगे। हम इसके खिलाफ दिल्ली में महारैली करेंगे। राज्यसभा में इसे पास होने से रोकने के लिए मैं विपक्ष से समर्थन भी मांगूंगा। केजरीवाल ने कहा कि इस अध्यादेश के आने के बाद पूरे देश से मेरे पास फोन आ रहे हैं। यहां तक कि भाजपा के कट्टर समर्थन भी कह रहे हैं कि यह तो ठीक नहीं किया गया।

25 लाख का इनामी पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप नेपाल से गिरफ्तार

प्रात : किरण

नई दिल्ली/रांची एजेंसी। झारखंड में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के सुप्रीमो दिनेश गोप को एनआईए और झारखंड पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर नेपाल से गिरफ्तार किया है। उसे दिल्ली लाया जा रहा है। वह नेपाल में सरदार की वेशभूषा में रह रहा था। उस पर झारखंड सरकार ने 25 लाख का इनाम घोषित कर रखा है। पुलिस के अनुसार दिल्ली की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) और झारखंड पुलिस को बहुत बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। सुप्रीमो दिनेश गोप के कई करीबी गुर्गों के पकड़े जाने के बाद पुलिस को उसका पता चल गया था। एनआईए की विशेष टीम ने झारखंड पुलिस के सहयोग से शनिवार देर शाम उसे गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार खूंटी के कर्रा थाना क्षेत्र स्थित लापा मोरहाटोली निवासी दिनेश गोप की तलाश झारखंड पुलिस के साथ-साथ एनआईए भी लंबे समय से कर रही थी। उस पर ठेकेदारों,व्यवसायियों को धमकाकर लेवी और रंगदारी वसूलने तथा लेवी के रुपये को अपने सहयोगियों के माध्यम से निवेश कराने सहित कई आरोप हैं। टेरर फंडिंग मामले की जांच कर रही एनआईए ने गत वर्ष 30 जनवरी, 2022 को दिनेश गोप की दोनों पत्नियों हीरा देवी और शकुंतला कुमारी को गिरफ्तार किया था। दोनों के खिलाफ लेवी-रंगदारी के रुपये को शेल कंपनियों में निवेश करने के आरोप की पुष्टि हो चुकी है। इससे पूर्व पुलिस ने रांची के बेड़ो में 10 नवंबर, 2016 को दिनेश गोप के 25 लाख 38 हजार रुपये जब्त किए गए थे जबकि एनआईए ने दिनेश गोप के सहयोगियों के पास से 42.79 लाख व करीब 70 लाख रुपये की अन्य चल-अचल संपत्ति जब्त की थी। एनआईए की जांच में अब तक दो दर्जन से अधिक बैंकों में दिनेश गोप के पारिवारिक सदस्यों और दोनों पत्नियों के माध्यम से 2.5 करोड़ रुपये के निवेश की जानकारी भी मिल चुकी है। बताया जाता है कि पिछले एक साल में झारखंड पुलिस की पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप के दस्ते के साथ आधा दर्जन से अधिक मुठभेड़ हुई लेकिन हर बार दिनेश गोप बचकर भाग निकला। रांची से 35 किमी दूर खूंटी जिले के जरियागढ़ थाना क्षेत्र में लाप्पा मोहराटोली में मोस्ट वांटेड दिनेश गोप का गांव है। वह लंबे समय से पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था।

कर्नाटक में 9 मंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले, सभी करोड़पति : रिपोर्ट

प्रात : किरण

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट के मुताबिक, कर्नाटक में शपथ लेने वाले नौ मंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले हैं और सभी करोड़पति हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसमें के जे जॉर्ज का मामला शामिल नहीं है क्योंकि उनकी पूरी जानकारी चुनाव आयोग के वेबसाइट पर नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है, सभी नौ मंत्रियों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की घोषणा की है, जबकि चार मंत्रियों ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामलों की घोषणा की है। नौ मंत्रियों की वित्तीय पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि कर्नाटक के सभी नौ मंत्री करोड़पति हैं। इसमें कहा गया है, विश्लेषण किए गए नौ मंत्रियों की औसत संपत्ति 229.27 करोड़ रुपए है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार सबसे अमीर हैं। उन्होंने कुल 1,413.80 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है, जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे सबसे कम संपत्ति घोषित करने वाले मंत्री हैं। प्रियांक, जो चित्तपुर (एससी) निर्वाचन क्षेत्र से विधायक हैं, ने 16.83 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सभी नौ मंत्रियों ने अपनी देनदारियों की घोषणा कर दी है। इनमें से सबसे अधिक देनदारी वाले व्यक्ति शिवकुमार हैं जिन पर 265.06 करोड़ रुपये बकाया है। मंत्रियों की शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए रिपोर्ट में कहा गया है, तीन मंत्रियों ने अपनी शैक्षिक योग्यता 8वीं पास से 12वीं पास के बीच घोषित की है, जबकि छह मंत्रियों ने स्नातक और उससे ऊपर की शैक्षिक योग्यता की घोषणा की है। इसमें यह भी कहा गया है कि पांच मंत्रियों ने अपनी उम्र 41 से 60 साल के बीच जबकि चार मंत्रियों ने अपनी उम्र 61 से 80 साल के बीच बताई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कर्नाटक के नए मंत्रिमंडल में कोई महिला मंत्री नहीं है।

प्रधानमंत्री नहीं, राष्ट्रपति को करना चाहिए नए संसद भवन का उद्घाटन : राहुल

प्रात : किरण

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि राष्ट्रपति को संसद की नवनिर्मित इमारत का उद्घाटन करना चाहिए, न कि प्रधानमंत्री को। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मई को संसद के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करने वाले हैं। लोकसभा सचिवालय ने बताया था कि नवनिर्मित भवन का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री मोदी से भेंट कर उनसे इसका उद्घाटन करने का आग्रह किया था। राहुल ने ट्वीट किया, नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति जी को करना चाहिए, प्रधानमंत्री को नहीं। संसद के नए भवन के उद्घाटन के लिए 28 मई की तारीख तय की गई है। उसी दिन हिंदुत्व विचारक वी डी सावरकर की जयंती है और कई विपक्षी दलों ने इसे लेकर सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने इसे राष्ट्र निमाताओं का अपमान करार दिया है। लोकसभा सचिवालय द्वारा संसद भवन पर तैयार की गई पुस्तिका के अनुसार, नये संसद भवन के लोकसभा कक्ष में 888 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था होगी और राज्यसभा में 384 सदस्य बैठ सकेंगे। संयुक्त सत्र के दौरान सदन में 1,272 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था होगी। प्रधानमंत्री ने 10 दिसंबर 2020 को संसद के नए भवन की आधारशिला रखी थी।

बीएसएफ ने पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने शनिवार रात अमृतसर जिले के धनोकलां गांव के पास एक पाक ड्रोन को मार गिराया। बीएसएफ के जनसंपर्क अधिकारी ने रविवार को बताया कि सीमा सुरक्षा बल के जवानों को अमृतसर के गांव धनोकलां के पास एक संदिग्ध पाक ड्रोन की भनभनाहट सुनाई दी। उन्होंने बताया कि जवानों ने ड्रोन को रोकने के लिए तुरंत प्रतिक्रिया दी और पाक ड्रोन को मादक पदार्थ के साथ सफलतापूर्वक मार गिराया। क्षेत्र की प्रारंभिक तलाशी के दौरान, बीएसएफ के जवानों ने 3.3 किलोग्राम हेरोइन की खेप के साथ एक ड्रोन (क्वाडकॉप्टर, डीजेआई मैट्रिस, 300 आरटीके) बरामद किया।

अध्यादेश के आड़ में जनादेश का अपमान कर रही भाजपा : ललन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद राजीव रंजन सिंह ललन ने ट्वीट कर भाजपा पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने दिल्ली में जनता द्वारा चुनी गयी। श्री अरविंद केजरीवाल की सरकार के अधिकार को बहाल कर लोकतंत्र बहाल किया। दिल्ली की सरकार को लोकतांत्रिक अधिकार दिया और पर्दे के पीछे से लेफ्टिनेंट गवर्नर के माध्यम से देश की सरकार के द्वारा किये जा रहे शासन पर रोक लगायी लेकिन प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली लोकतंत्र विरोधी सरकार ने अध्यादेश लाकर यह साबित कर दिया कि देश में अघोषित आपातकाल है और इसमें लोकतंत्र का कोई स्थान नहीं। आगे उन्होंने कहा कि साम, दाम, दंड का भरपूर इस्तेमाल कर किसी भी हालत में शासन करना है भाजपा की मंशा है लेकिन किसी को भी गलतफहमी नहीं रहनी चाहिए। इस देश की जनता लोकतंत्र में विश्वास करती है और 2024 में लोकतंत्र स्थापित होगा, भाजपा मुक्त भारत होना तय है।

शिखर सम्मेलन पीएम ने जी-7 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन नौवें सत्र में अपने आरंभिक संबोधन में किया आह्वान .....

शत्रुता नहीं अपनत्व की भावना से होगा रूस यूक्रेन टकराव का अंत : मोदी

प्रात : किरण

हिरोशिमा, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस यूक्रेन के बीच टकराव को समाप्त करने के लिए विश्व के सर्वाधिक समृद्ध एवं शक्तिशाली सात देशों को भगवान बुद्ध के संदेश पर चलने का आह्वान किया जिसके अनुसार, शत्रुता से शत्रुता शांत नहीं होती। अपनत्व से शत्रुता शांत होती है। श्री मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन नौवें सत्र में अपने आरंभिक वक्तव्य में यह आह्वान किया। नौवें सत्र में वैश्विक शांति, स्थिरता एवं समृद्धि के विषय पर चर्चा में रूस यूक्रेन का विषय छाया रहा। श्री मोदी ने रूस यूक्रेन संघर्ष को टालने में संयुक्त राष्ट्र एवं सुरक्षा परिषद की विफलता का हवाला देते हुए वैश्विक निकायों में सुधार की मांग को पुरजोर तरीके से रखा। इस मौके पर अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ आर बिडेन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मनी के चांसलर ओलोफ शोल्ज, जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज भी मौजूद थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेन्स्की के बयान का हवाला देते हुए श्री मोदी ने कहा, ह्लआज हमने राष्ट्रपति जेलेंस्की को सुना। कल मेरी उनसे मुलाकात भी हुई थी। मैं वर्तमान परिस्थिति को राजनीति या अर्थव्यवस्था का मुद्दा नहीं मानता। मेरा मानना है कि यह मानवता का मुद्दा है, मानवीय मूल्यों का मुद्दा है। हमने शुरू से कहा है कि संवाद और कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है और इस परिस्थिति के समाधान के लिए, भारत से जो कुछ भी बन पड़ेगा, हम यथासंभव प्रयास करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि हम सब का साझा उद्देश्य है। आज के अंतरनिर्भर विश्व में, किसी भी एक क्षेत्र में तनाव सभी देशों को प्रभावित करता है और विकासशील देश, जिनके पास सीमित संसाधन हैं, सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। वर्तमान वैश्विक स्थिति के चलते, भोजन, ईंधन और उर्वरक संकट का

अधिकतम और सबसे गहरा प्रभाव इन्हीं देशों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने वैश्विक निकायों की विफलता का संकेत करते हुए कहा, यह सोचने की बात है, कि भला हमें शांति और स्थिरता की बातें अलग-अलग मंचों में क्यों करनी पड़ रही हैं? संयुक्त राष्ट्र जिसकी शुरूआत ही शांति स्थापित करने की कल्पना से की गयी थी, भला आज संघर्षों को रोकने में सफल क्यों नहीं होता?आखिर क्यों, संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद की परिभाषा तक मान्य नहीं हो पाई है? उन्होंने कहा, अगर आत्मचिंतन किया जाये, तो एक बात साफ है कि पिछली सदी में बनाये गए संस्थान, 21वीं सदी की व्यवस्था के अनुरूप नहीं हैं। वर्तमान की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करते। इसलिए जरूरी है कि संयुक्त राष्ट्र जैसे बड़े संस्थानों में सुधारों को मूर्त रूप दिया जाये। इनको ग्लोबल साउथ की आवाज भी बनना होगा। वरना हम संघर्षों को खत्म करने पर सिर्फ चर्चा ही करते रह जाएंगे। संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद मात्र एक टॉक शॉप बन कर रह जायेंगे।

मोदी ने की ऋषि सुनक, लूला डि सिल्वा से द्विपक्षीय मुलाकात

हिरोशिमा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-7 शिखर बैठक के इतर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डि सिल्वा से अलग अलग द्विपक्षीय मुलाकात की। विदेश मंत्रालय के अनुसार ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सुनक के साथ द्विपक्षीय बैठक में दोनों नेताओं ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर जारी बातचीत में प्रगति का जायजा लेने सहित अपनी व्यापक रणनीतिक साझीदारी की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा, और लोगों से लोगों के संबंध जैसे व्यापक क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने पर सहमति व्यक्त की। श्री मोदी ने जी-20 में भारत की अध्यक्षता पर भी चर्चा हुई। श्री मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली में प्रधानमंत्री सुनक को आने का न्यौता दिया। ब्रिटिश प्रधानमंत्री के बाद श्री मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति श्री लूला डि सिल्वा से भेंट की। दोनों नेताओं के बीच यह पहली मुलाकात थी। दोनों नेताओं ने इस वर्ष भारत ब्राजील राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ पर अपनी रणनीतिक साझीदारी की समीक्षा की तथा इसे और प्रगाढ़ बनाने के तरीकों पर चर्चा की। विशेष रूप से रक्षा उत्पादन, व्यापार, फार्मास्यूटिकल्स, कृषि, डेयरी और पशुपालन और जैव-ईंधन और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्रों में। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के व्यापारिक नेताओं की एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय विकास पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

संक्षिप्त खबरें

परिचर्चा सह अभिनंदन समारोह 28 को

पटना सिटी (प्राकि)। डॉ भीमराव अंबेडकर परिचर्चा नवनिर्वाचित पटना महानगर अध्यक्ष अभिनंदन समारोह सह नवनिर्वाचित वार्ड अध्यक्ष सम्मान समारोह एवं सम्मान पत्र विवरण समारोह की तैयारी के सिलसिले में बैठक हुई। यह 28 मई को नून की चौराहा के कम्युनिटी हॉल में आयोजित किया गया है। महानगर राजद के पूर्व कोषाध्यक्ष कमाल अशरफ के आवास पर हुई बैठक में फैसला लिया गया कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र में राजद के सभी नेता एवं कार्यकर्ता को घर-घर जाकर निमंत्रण दिया जाएगा। इससे पार्टी और संगठन इस विधानसभा में और मजबूत हो। कार्यक्रम को सफल बनाने को आठ सदस्यीय संचालन समिति बनाई गई। बैठक में पटना महानगर के पूर्व प्रवक्ता मो साबिर अली, पूर्व कोषाध्यक्ष कमाल अशरफ, वार्ड 60 के अध्यक्ष फिरोज अंसारी, वार्ड रणधीर यादव, मो पिंकू, शमीम अहमद, अख्तर अली, जंत्री यादव, कौशल कृष्ण, मो फिरोज, महेश मेहता, अजय कुमार यादव आदि शामिल रहे।

हत्या का फरार वारंटी गिरफ्तार

पटना सिटी (प्राकि)। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर समकालीन अभियान चलाया गया। पुनि सह थानाध्यक्ष दीदारगंज थाना के दिशा निर्देश में इस थाना के पूर्व के फरार वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए छापामारी किया गया। इस क्रम में दीदारगंज थाना के फरार वारंटी एसटीआर 664/00 कदमकुआ थाना कांड 758/18 धारा 302, 34 भादवि एवं 27 शस्त्र अधिनियम के वारंटी इसी थाना क्षेत्र के माधोपुर के रहने वाले सुरेश राम पिता सीताराम साकिन माधोपुर को गिरफ्तार किया गया है। छापामारी टीम में एसआई रविरंजन कुमार, सोनू कुमार शर्मा और थाना का सशस्त्र बल शामिल था।

सड़क दुर्घटना में अज्ञात की मौत

पटना सिटी (प्राकि)। अगमकुआं थाना क्षेत्र के खेमनीचक के पास ट्रक से कुचल कर एक व्यक्ति की मौत हो गयी। मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष है। घटना रविवार की सुबह करीब पांच बजे हुई है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क पार करने के दौरान ट्रक से कुचल कर मौत हुई है। कारण कि उस वक्त एक ट्रक को तेजी से भागते हुए लोगों ने देखा था। बाइपास यातायात थाना के इंस्पेक्टर कुमार विरेंद्र ने बताया कि अज्ञात वाहन से कुचल कर अज्ञात व्यक्ति की मौत हुई है। मृतक के शरीर पर काला चेकदार शर्ट, ब्लू फुलपैंट एवं गर्दन में बजरंगबली का लॉकेट है। पुलिस ने बताया कि पहचान के लिए शव को पोस्टमार्टम हाउस में सुरक्षित रखा गया है।

महादलित बस्ती में सौ बेड का रैन बसेरा का प्रस्ताव

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर नगर के. गोला रोड स्थित झखडी महादेव में तिमारदारों के ठहरने की दिक्कतों को देखते हुए नगर परिषद ने सौ बेड का रैन बसेरा का निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया है. परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि गोला रोड के झखडी महादेव महादलित बस्ती में सौ बेड का रैन बसेरा का निर्माण 75 लाख की लागत से कराया जायेगा. उन्होंने बताया कि विभाग ने रैन बसेरा निर्माण करने की स्वीकृति प्रदान कर दिया है. उन्होंने बताया कि शहरी बेघरों के लिए आश्रय योजना के तहत गोला रोड के झखडी महादेव में एक सौ बेड के रैन बसेरा का निर्माण करायेगा . इसके लिए झखडी महादेव में जमीन का भी चयन कर लिया गया है. रैन बसेरा तीन मंजिला होगा. उन्होंने बताया कि दूर -दराज के लोगों को रहने की बेहतर व्यवस्था नही है. जिससे गरीबों को महंगे रेट पर कमरा या होटल लेना पडता है. तमाम लोग खुले में ही सो जाते है. रैन बसेरा का निर्माण होने के बाद लोगों को कुछ राहत मिलेगी.

परीक्षा में सफलता के बाद आगे का लक्ष्य खुद तय करें छात्र

जीजस एंड मेरी एकेडमी में सफल छात्रों को दिया टॉपर सम्मान पत्र

पटना सिटी, प्रात : किरण संवाददाता

जीजस एंड मेरी एकेडमी में इस विद्यालय से दसवीं श्रेणी (आईसीएसई) एवं 12वीं में सफलता प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों के साथ सामान्य मिलन आयोजित किया गया। इसमें विद्यालय से उच्च प्राप्तांक वाले छात्र-छात्राओं को विद्यालय की ओर से सफलता का टॉपर प्रमाणपत्र के साथ सभी सफल छात्र-छात्राओं को सम्मान पत्र ग्रेजुएशन सेरेमनी में प्रदान किया गया। प्रमाण पत्र लेते समय छात्र-छात्राओं का उत्साह एवं उनकी आंखों में तैरने वाले भविष्य के सुनहरे सपनों की झलक दिखायी पड़ रही थी। उनसबों के साथ उनके अभिभावकों के चेहरे पर संतोष एवं प्रसन्नता का मिश्रित भाव छलक रहा था। विद्यालय के उपनिदेशक अभिषेक पैट्रिक ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज के छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों में एक भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है कि वे अपने बच्चे-बच्चियों का नामांकन 11वीं में किस स्ट्रीम में और किस बोर्ड से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कराएं। विद्यालय के शिक्षकों ने अभिभावकों एवं छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देने के साथ-साथ भविष्य में व्यावसायिक पाठ्यक्रम, चाहे वह आईआईटी हो, मेडिकल हो, एमबीए या सीए हो, सभी में छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का नाम रौशन करें। विद्यालय की प्राचार्या पूजा एन शर्मा ने सफलता प्राप्त कर चुके छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और कहा कि आज आपके आसपास अनेक लोग ऐसे होते हैं, जिनमें उचित जानकारी का अभाव होने के कारण बच्चे-बच्चियों को दिग्भ्रमित कर देते हैं, जिससे वे अपने लक्ष्य से भटक जाते है। अतः उन्होंने सलाह दी कि ऐसी स्थिति में सबसे पहले अपने अभिभावक और गुरुजनों से उचित मार्गदर्शन प्राप्त करें। विद्यालय के निदेशक एम्ब्रोस पैट्रिक ने आगंतुक अभिभावकों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस तरह का कार्यक्रम हर साल आयोजित किया जाता है, जिससे छात्रों में उत्साहवर्द्धन तो होता ही है, साथ ही साथ विद्यालय के शेष छात्रों में अपनी पढ़ाई के प्रति लगन पैदा हो और वे कठिन परिश्रम कर अपने लक्ष्य के सर्वोच्च शिखर पर पहुंच सकें। विद्यालय के शिक्षक आकाश कुमार, आमिर हुसैन, मनोज कुमार, अपूर्व मिश्रा, आशीष मिश्रा, अशरफ इमाम, संजय कुमार, अमित पाठक, कार्तिक कुमार आदि ने अभिभावकों एवं छात्रों को शुभकामनाएं देने के साथ ही भविष्य में सभी छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का नाम रौशन करें, इसके के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक मुकेश ओझा ने किया।

फतुहा में दो सांसदों ने दिखाया मेमू ट्रेन को हरी झंडी

फतुहा, प्रात :किरण संवाददाता

रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या -7 से पटना साहिब के सांसद रविशंकर प्रसाद एवं नालंदा सांसद कौशलेंद्र प्रसाद ने रविवार को फतुहा-हिलसा मेमू पैंसेजर स्पेशल गाड़ी संख्या-03238 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व जहां सांसद रविशंकर प्रसाद ने पीएम नरेंद्र मोदी के रेलवे में किए जा रहे कार्यों की सराहना की और फतुहा जंक्शन को रेलवे द्वारा 200 विकसित किए जाने वाले रेलवे स्टेशन में शामिल करने के लिए रेलमंत्री को बधाई दी। वही नालंदा सांसद कौशलेंद्र ने रेलमंत्री रहे नीतीश कुमार और लालू यादव की रेलवे में किए कार्यों की प्रशंसा करते हुए जमकर तारीफ की। वही रेलवे के अधिकारियों सें फतुहा -हिलसा मेमू गाड़ी का विस्तार ईसलामपुर तक कराने की मांग की। मौके पर बख्तियारपुर के पूर्व विधायक रणविजय सहि उर्फ लल्लू मुखिया, फतुहा विधानसभा भाजपा के निर्वतमान प्रत्याशी ई. सत्येन्द्र सिंह, पूर्व पार्षद केशर प्रसाद, भाजपा नेता मुन्ना सिंह, राणा राजेन्द्र पासवान, विजय वत्स, गोपाल शर्मा, आरएसएस के रामचंद्र प्रसाद, विरेन्द्र सिन्हा, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी, अरूण कुमार झा, अनामिका अग्रवाल, रंजना पटवा, शैलेश गुप्ता समेत दर्जनों भाजपा नेता समेत रेलवे के अधिकारीगण मौजूद रहे।

जदयू सबका विकास करने वाली पार्टी:आसिफ

अनेक लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

पटना महानगर गुरु गोविंद सिंह सेक्टर जनता दल यूनाइटेड द्वारा सदस्यता अभियान कार्यक्रम किया गया। मालसलामी के प्रकाश वाटिका बड़ी नगला में आयोजित सांगठनिक कार्यक्रम में पार्टी में अनेक लोगों को जदयू परिवार की सदस्यता पटना महानगर अध्यक्ष आसिफ कमाल के द्वारा कराया गया। गुरगोविंद सिंह सेक्टर की नई कार्यकारणी की घोषणा भी की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संजीव कुशवाहा ने की।प्रवक्ता अनन्त अरोड़ा ने बताया कि मुख्य अथिति रामचरित्र बाबू ने संगठन की मजबूती पर जोर दिया। पटना साहिब संगठन प्रभारी ने भी अपनी बात रखी। अध्यक्ष आसिफ कमाल ने संगठन को धारदार बनाने की बात कही। प्रवक्ता ने 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए अभी से लग जाने की बात कही।

मुख्य अतिथि तकनीकी एवं श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामचरित्र सिंह, पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी शैलेन्द्र मंडल, पटना महानगर प्रवक्ता अनंत अरोड़ा, प्रदेश सचिव अंजनी पटेल, राजकुमार पटेल, अशोक कुमार, ईश्वर अग्रवाल, संजय कुमार, पंकज कुशवाहा, मनोज कुशवाहा, राम प्रवेश सिंह, पप्पू पटेल, अजय यादव, धर्मेन्द्र पटेल, चंदन केशरी, राजेन्द्र मेहता, शिव प्रसाद मेहता, सुधीर सिंह, सुरेश पटेल, मो मुन्ना, मो जैकी, सुरेन्द्र कुमार, सूरज कुमार, उमेश कुमार आदि मौजूद रहे।

स्मार्ट गैरेज का टू-व्हीलर सर्विस सेंटर का हुआ शुभारंभ

फतुहा। शहर के गोविन्दपुर न्यू बाइपास रोड के पास स्मार्ट गैरेज का टू-व्हीलर सर्विस सेंटर का शुभारंभ मुख्य पार्षद प्रतिनिधि टुनटुन यादव ने फीता काट कर किया। इस अवसर पर सर्विसिंग सेंटर के डायरेक्टर ओम प्रकाश यादव ने टुनटुन यादव को बुके और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। उद्घाटन करते हुए टुनटुन यादव ने कहा कि मात्र 99 रुपए में बाइक की सर्विसिंग का यह सर्विस सेंटर अनोखा है। हमारा फतुहा शहर इसी तरह तरक्की करता रहे। हम सभी आपसी सहयोग से फतुहा को नंबर वन बनाएंगे। सर्विसिंग सेंटर के डायरेक्टर ओम प्रकाश यादव ने बताया कि मात्र 99 रुपए में सभी तरह के टू-व्हीलर गाड़ियों की सर्विसिंग कुशल इंजिनियरों द्वारा कराई जाएगी साथ ही टू-व्हीलर गाड़ियों के पार्ट्स भी कम दामों में मुहैया कराया जा रहा है। मौके पर सर्विसिंग सेंटर के डायरेक्टर ओम प्रकाश यादव, जिला महासचिव युवा राजद रवि यादव, अनिल कुमार, अंकित कुमार, छोटू यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

चार साल बाद भी नाला पर से अतिक्रमण नही हटाया गया

दानापुर । नगर के अंतर्गत अंचल प्रशासन के लापरवाही के कारण हाथीखाना मोड से सैनिक कॉलोनी तक नाला पर किये गये अतिक्रमणकारियों से मुक्त नही कराया गया है. जिससे कारण नाली उडाही कार्य नही किया जा रहा है. बताया जाता है कि 2019 में हुई बारिश से पूरे बेली रोड के कॉलोनियों समेत आदि क्षेत्र में जल जमाव होने के कारण जन जीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया था. जिसके बाद राज्य सरकार व जिला प्रशासन के निर्देश पर नाला पर किये गये अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराया गया था. तत्कालीन डीसीएलआर रवि राकेश व सीओ महेंद्र प्रसाद गुप्ता ने परिषद क्षेत्र के नाला पर किये गये स्थायी व अस्थायी रूप से अतिक्रमण को जेसीबी व पोकलेन से ध्वस्त किया गया. परंतु हाथी खाना मोड से सैनिक कॉलोनी तक नाला पर किये गये अस्थायी व स्थायी रूप से अतिक्रमणकारियों को नोटिस भेजा गया था. परंतु सीओ महेंद्र प्रसाद गुप्ता का स्थानांतरण होन के बाद मामला खटाई में पड गया . नोटिस देने के बाद भी आज तक नाला पर किये गये अतिक्रणकारियों से मुक्त नही कराया गया है. जिसके कारण नगर परिषद द्वारा नाला का उडाही कार्य अधूरा पडा हुआ है. बताया जाता है कि हाथी खाना मोड, सगुना गांधी मूर्ति , नया टोला व सैनिक कॉलोनी होते हुए नाला रूपसपुर नहर में मिलता है. नाला पर दंबगों द्वारा अतिक्रमण कर स्थायी व अस्थायी रूप से कब्जा कर पक्का व कच्चा मकान बना लिया गया है. जिससे जल निकासी पूरी तरह से अवरूद्ध हो गया है. मानसून से पहले नाला पर से अतिक्रमण नही हटाया गया तो बारिश से जल जमाव का समस्या उत्पन्न हो जायेगा. परिषद प्रशसन का कहना है कि जब तक अंचल प्रशासन द्वारा नाला पर किये गये अतिक्रमण नही हटाया जाता है. तब तक कैसे नाला का उडाही किया जा सकता है. जबकि परिषद प्रशासन द्वारा नाला उडाही के लिए करीब 14,12,129 रुपए का टेंडर किया गया था और दूसरी बार करीब 17,81,829 रुपए की लागत से वित्तीय वर्ष 2019-20 के तहत हाथी खाना मोड़, नया टोला ,सैनिक कॉलोनी व गोला रोड तक नाला उड़ाही कार्य के लिए टेंडर किया गया था. परंतु नाला पर किये अतिक्रमण हटाने का कार्य अभी तक नही किया गया है. परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि सीओ द्वारा आज तक नाला पर किये अतिक्रमण को नही हटाया गया है. जिसके कारण नाला उडाही कार्य कराने में भारी दिक्कतों का सामना करना पडता है. उन्होंने बताया कि सैनिक कॉलोनी से नाला उडाही कार्य शुरू किया गया है.

प्रदेश यूथ कांग्रेस के द्वारा राज्य स्तरीय रक्तदान शिविर का आयोजन

पटना। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर रविवार को बिहार प्रदेश यूथ कांग्रेस के द्वारा राज्य स्तरीय रक्तदान शिविर का आयोजन बिहार के सभी जिलों में किया गया। बिहार प्रदेश यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीबदास ने इस बलिदान दिवस पर राजीव गांधी को याद करते हुए उनके शहादत को नमन किया और उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित किया। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी जी सूचना प्रौद्योगिकी के जनक, आधुनिक भारत के निमार्ता, देश की पंचायतीराज व्यवस्था को मजबूत और सशक्त बनाने के साथ ही कंप्यूटर एवं संचार क्रांति लाकर युवा, आधुनिक एवं सुदृढ़ भारत के निर्माण में उनका योगदान अतुल्य है।

बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के साथ निरामया ब्लड बैंक और वत्स सेवा समिति बेगुसराय रक्त शिविर दान बिहार प्रदेश कांग्रेस के सदाकत आश्रम में आयोजन किया गया जिसमें 45 लोगों से ऊपर लोगों ने रक्तदान किया। युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सनी ने यह बताया कि युवा सोच वाले स्वः राजीव गांधी को 21 वीं सदी के भारत का निमार्ता भी कहा जाता है. 40 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बनने वाले स्वः राजीव गांधी ने आधुनिक भारत की नींव रखने की दिशा में काम किया और बताया कि आज जिस डिजिटल इंडिया की चर्चा है उसकी संकल्पना राजीव गांधी अपने जमाने में कर चुके थे और इसी वजह से राजीव गांधी जी को डिजिटल इंडिया का आर्किटेक्ट और सूचना तकनीक और दूरसंचार क्रांति का जनक कहा जाता है। रक्तदान शिविर कार्यक्रम में पूर्व विधायक अमित कुमार टुन्ना, पूर्व युवा कांग्रेस के अध्यक्ष गुंजन पटेल,खुशबु कुमारी, आयुष भगत, चित्तरंजन कुमार, अमित सिकन्दर, डॉक्टर आलोक ,मुकुल कुमार, विशाल यादव, राजनन्दन कुमार, सोनू कुमार, निशु चौधरी सहित सैकड़ों युवाओं मौजूद रहे।

मादक पदार्थ के साथ तीन व्यक्ति गिरफ्तार

दानापुर खगोल रेल स्टेशन पर गुप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ के द्वारा चेकिंग के दौरान 3 व्यक्ति को दो गैलन मादक पदार्थ चरस कुल मात्रा 22, 3 किलोग्राम के साथ प्लेटफार्म संख्या 4 से गिरफ्तार किया गया के थानाध्यक्ष रणधीर कुमार ने बताया की आरपीएफ के द्वारा गुप्त सूचना मिली की तीन व्यक्ति संघमित्रा एक्सप्रेस से भारी मात्रा में मादक पदार्थ लेकर जा रहे हैं देर न करते हुए आरपीएफ और जीआरपी बल के द्वारा प्लेटफार्म नंबर चार पर चेकिंग की गई तीन व्यक्ति प्लेटफार्म नंबर चार पर खड़े दिखे सभी को रेल थाना लाकर पूछताछ की गई सभी ने ट्रेन से जाने की बात कही गैलन को चेक करने के दौरान मादक पदार्थ पाया गया गिरफ्तार व्यक्ति सुनील चौधरी उम्र 21 वर्ष पिता लक्ष्मण चौधरी ग्राम काली मंदिर के पास रक्सौल विक्की राम उम्र 38 वर्ष पिता केदार राम ग्राम नेपाली स्टेशन डुमरिया टोला विकास कुमार पटेल उम्र 28 वर्ष पिता छोटेलाल पटेल ग्राम ओरीयार चौक तीनों थाना हरैया जिला मोतिहारी के रहने वाले हैं थाना अध्यक्ष ने बताया की पूछताछ करने के बाद सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दी गई है

आतंकवादी विरोधी दिवस के रूप में मनी राजीव गांधी की पुण्यतिथि

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 32वीं पुण्यतिथि शहादत दिवस व आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मोर्चा रोड स्थित कांग्रेस कार्यलय में मनाया गया। इस अवसर पर स्व राजीव गांधी के सपनों और विचारों का भारत बनाने का संकल्प लिया गया। इसमें डॉ विनोद अवस्थी ने कहा कि देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री के विचारों को आगे बढ़ाना है तथा संचार, पंचायती राज को विशेष रूप से मजबूती प्रदान करने का कार्य राजीव गांधी ने किया। डॉ तुषार आर्य ने कहा कि 1987 मेन प्रथम एटीएम की शुरूआत भी राजीव गांधी ने किया था। कार्यक्रम में पुष्पांजलि करने वालों में अरविंद प्रसाद, मनीष गौतम मिश्रा, सरदार जगजीत सिंह, दशरथ केसरी, सतीश कुमार फकीरा, रोहन कृष्ण, मो जॉनी, सुशील गुप्ता, मो फखरुद्दीन, अंबेश आर्य, रामेश्वर पासवान, बंटी कुमार, बैजू पासवान, उत्कर्ष, सन्नी यादव, राजीव कुमार, प्रेम कुमार, आदित्य अवस्थी आदि उपस्थित थे। दूसरी ओर भैंसानी टोला में

बिहार प्रदेश कांग्रेस पिछड़ा वर्ग द्वारा राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उनके तैल चित्र पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित कर बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। प्रदेश महासचिव सह पटना महानगर प्रभारी अशोक यादव, कांग्रेसी नेता पप्पू त्रिवेदी व सुबोध मिश्रा ने कहा कि 21वीं सदी में भारत को आधुनिक समृद्ध भारत, मजबूत लोकतंत्र एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र के स्वप्नद्रष्टा कंप्यूटर और सूचना क्रांति के जनक, सरल, करुणाशील एवं विनम्र व्यक्तित्व के धनी एवं देश के ओजस्वी नेता थे। मौके पर कांग्रेस जन एवं समाजसेवी लल्लन राय, दशरथ केसरी, अशोक कुमार, उमेश गुप्ता, राजकुमार, रणधीर वचन, शीला देवी, रेणु देवी एवं दर्जनों बच्चे उपस्थित होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

दियारा के बतरौली शंकरपुर घाट पर हो रहे कटाव का विधायक ने लिया जायजा

दानापुर नगर के दियारा मैं हो रहे हैं कटाव के निरीक्षण के दौरान श्री यादव जल संसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता संजय कुमार ,सहायक अभियंता धर्मेंद्र कुमार व कनीय अभियंता चंद्रशेखर को निर्देश दिया कि प्रत्येक साल गंगा के तेज धारा से बतरौली शंकरपुर घाट पर कटाव हो रहा है. जिससे सैकडों एकड कृषि योग्य भूमि गंगा में विलीन हो गया है. कटाव अवरोध निर्माण कराने के लिए कहा , ताकि दियारा के कृषि योग्य भूमि को बचाया जा सकेगे. जदयू नेता संजय कुमार सिंह ने बताया कि कई बार सीएम व जल संसाधन मंत्री समेत विभाग के वरीय अधिकारियों से लिखित शिकायत किया था कि गंगा के तेज धारा से बतरौली शंकरपुर घाट पर कटाव हो रहा है. अगर इसी तरह कटाव होते रहा तो बतरौली गांव गंगा में विलीन हो जायेगा. कटाव अवरोधक निर्माण कराने की मांग किया गया था.इनके साथ जदयू नेता संजय कुमार सिंह, राजद नेता वकील राय समेत आदि मौजूद थे.

सूढ़ी समाज को अतिपिछड़ा वर्ग में शामिल करने को लेकर संघर्ष

पटना सिटी (प्राकि)। पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र के चैलीटाल में सुढ़ी समाज की बैठक विनोद शौडिंक की अध्यक्षता में हुई। इसमें डॉ अविनाश प्रसाद, दिलीप कुमार, राकेश कुमार, प्रभात कुमार, दीपक, नयन, शशि, विशाल, सुनील कुमार, राजा पूर्वे, चंद्रभूषण, अवधेश, संजय कुमार, शैलेश, योगेन्द्र, अमित, प्रमोद, देवी, राकेश आदि उपस्थित थे। इस दौरान पश्चिम बंगाल की तर्ज पर सूढ़ी समाज को अतिपिछड़ा वर्ग में शामिल करने के लिए संघर्ष का संकल्प लिया गया। इसके साथ ही वार्ड स्तर पर एकजुटता का निर्णय लिया गया।

श्री साईं बाबा का वार्षिकोत्सव 24 से

पटना सिटी (प्राकि)। श्री शिव साईं मंदिर में प्रबंध समिति की ओर से लोदीकटरा के नित्यानंद राय की कुआं में तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया है। मंदिर प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष अनुज कुमार सिन्हा, महासचिव ओंकार आनंद, कोषाध्यक्ष मदन कुमार, संतोष विद्रोही, लक्ष्मण ठाकुर व नैयर इकबाल ने बताया कि 24 से 26 मई तक हो रहे आयोजन में पहले दिन साईं भक्त शोभायात्रा निकालेंगे। 25 मई को अभिषेक, विशेष साईं पूजन व भजन संध्या और 26 मई को भंडारा के साथ वार्षिकोत्सव का समापन होगा।

नमामि गंगे के खोदे गड्ढे में ट्रैक्टर पलटा

पटना सिटी (प्राकि)। पश्चिम दरवाजा और सादिकपुर पुलिस चौकी के बीच नमामि गंगे ने सड़क को खोद कर बुरी तरह बर्बाद कर दिया है। यहां सुधा डेयरी बूथ के पास भी गड्ढे को जैसे-तैसे भर दिया गया। इस दौरान मीना बाजार की ओर से आ रहा सीमेंट लदा ट्रैक्टर आ रहा था। उसका पहिया मिट्टी में धंस जाने के कारण सीमेंट ट्रॉली पलटी खा गया। इस कारण से शनिवार रात में यातायात प्रभावित हुआ। बाद में देर रात सीमेंट की बोरी को दूसरे वाहन पर लादने और किरान की मदद से फंसे ट्रैक्टर के पहिए को खींचकर निकाला गया।

देश व लोगों की सेवा में मारवाड़ी समाज की भूमिका अहम : नंदकिशोर

● मारवाड़ी सम्मेलन की सिटी शाखा का स्थापना व मिलन समारोह

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

जहां तुम वहां हम, इसी भाव के साथ मारवाड़ी समाज समाजसेवा में अग्रणी भूमिका निभाता है। आज भारतवर्ष में मारवाड़ी समाज दानवीर के नाम से जाना जाता है। मारवाड़ी समाज राजस्थान से आकर देश के अनेक प्रदेशों में अपनी सेवाओं के लिए समर्पित है। यह समाज निःस्वार्थ भाव से काम करने के लिए हमेशा तत्पर रहता है। उक्त बातें बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह विधायक नंदकिशोर यादव ने बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन पटना सिटी शाखा द्वारा आयोजित पदस्थापना सह मिलन समारोह में कहीं। रविवार को श्री गुरु गोविंद सिंह पथ स्थित भामाशाह ट्रस्ट भवन में सम्मेलन की सिटी शाखा द्वारा आयोजित समारोह में विधायक संजय सरावगी, महापौर सीता साहू और बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान प्रादेशिक अध्यक्ष महेश जालान ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। अध्यक्षता ईश्वर लाल गोयनका और मंच संचालन डॉ सुशील पोद्दार ने किया। इस अवसर पर सत्र 2023-25 के लिए नवनिर्वाचित शाखा अध्यक्ष शिव प्रसाद मोदी एवं सचिव संजीव देवड़ा सहित 21 कार्यकारिणी के सदस्यों को महेश जालान ने शपथ ग्रहण करवाया। सभी अतिथियों को राजस्थानी साफा, चुनरी और दोशाला देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान यहां के विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के अध्यक्ष को सम्मानित किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री मोदी और सचिव श्री देवड़ा ने अपने संबोधन में आने वाले दो साल के कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को सफल बनाने में पुरुषोत्तम लाल पोद्दार, हनुमान प्रसाद डिडवानिया, डॉ त्रिलोकी प्रसाद गोलवारा, प्रभात भरतिया, संतोष मेहता, गोविंद कानोडिया, शशिशेखर रस्तोगी, राजेश चौधरी, राजू सुलतानिया, कन्हैयालाल डोकानिया, सुभाष पोद्दार, राजकुमार गोयनका, संतोष मोदी, नारायण साह, ललित अग्रवाल, रितेश कमलिया, भगवती प्रसाद मोदी, राजेश देवड़ा आदि थे। समारोह के दौरान मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा गठित नियोजन समिति के द्वारा कोरोना काल में नौकरी से हाथ धोए 18 लोगों को काम देने के लिए संयोजक संजय बूबना को प्रतीक चिन्ह एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान रेडक्रॉस सोसाइटी की पटना सिटी शाखा के चेयरमैन गोविंद कनोडिया के द्वारा नेत्रदान के प्रति लोगों को जागरूक करने का अभियान चलाया गया। नेत्रदान के फायदे और जरूरतमंद लोगों के बारे में बताया। इस दौरान अनेक लोगों ने नेत्रदान का संकल्प पत्र भी भरकर सौंपा।

गंगा दशहरा के पूर्व कंगन घाट पर कुश्ती व कबड्डी

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

शाही स्नान के साथ कुश्ती एवं कबड्डी का खेल कंगन घाट पर रविवार को आयोजित किया गया। गंगा सेवा दल समन्वय समिति के द्वारा गंगा दशहरा महोत्सव के शुरूआत पर सभी सदस्यों ने आज शाही स्नान किया। गंगा दशहरा महोत्सव की तैयारी पर कुश्ती एवं कबड्डी प्रतियोगिता हुआ। शाही स्नान का संचालन संस्थापक अध्यक्ष डा राजीव गंगौल और राजेश शुक्ल टिल्लू ने किया। मीडिया प्रभारी सुजीत कुमार कसेरा ने बताया कि शाही स्नान में 15 से भी ज्यादा जड़ी-बूटी का लेप तैयार किया गया था, जिसमें हल्दी, शहद, दूध, अखरोट, पिस्ता, बादाम, चंदन एवं अनेक तरह की जड़ी बूटी मिलाकर पेस्ट तैयार किया गया था। कुश्ती एवं कबड्डी खेल का उद्घाटन पूर्व क्रिकेटर श्रवण गोप एवं पूर्व डीएसपी विजय यादव ने किया। आयोजन में मनोज कुमार अठधरा, भोला गुप्ता, भूषण खत्री, अजय केसरी, पप्पू पटेल, बम शंकर प्रसाद, त्रिभुमन अग्रहरी, प्रमोद केसरी, शिवम पटेल, मनोज भदानी, अमित कुमार, प्रकाश कुमार, उत्तम गुप्ता, विकाश जायसवाल, दीपू कुमार, सुभाष कुमार, मोहित भदानी, दीपक केसरी, बबलू वर्णवाल, विनोद केसरी, धीरेंद्र सिंह, अक्षय जायसवाल, संतोष कुमार, रणजीत केसरी, राजकुमार शर्मा, डब्बू केसरी आदि शामिल रहे।

नीरा बहुत ही लाभदायक व गुणकारी है : श्रवण

- ग्रामीण विकास मंत्री शेखपुरा जिले में नीरा विक्रय केन्द्र का किया उद्घाटन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने शेखपुरा जिला के शेखपुरा सदर प्रखंड अंतर्गत नीरा एवं नीरा के उत्पाद से संबंधित विक्रय केंद्र का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि नीरा बहुत ही लाभदायक, स्वास्थ्यवर्धक एवं पौष्टिक पेय है। पत्रकारों से उन्होंने आग्रह किया है, कि वे इसे ज्यादा से ज्यादा लोगों के बीच प्रचारित करें। मंत्री ने कहा कि नीरा बहुत ही गुणकारी है। इसके लाभ के बारे में सभी लोगों को जानना चाहिए। वहां उपस्थित लोगों से बातचीत के क्रम में मंत्री ने कहा कि नीरा सेहत के लिए काफी लाभकारी है। इससे जुड़े लोगों को जहां यह कार्य आत्मनिर्भर बनाता है, उद्यमी बनने का अवसर प्रदान करता है, वहीं दूसरी ओर इससे जुड़े लोगों के आय संवर्धन के लिए भी यह काफी अच्छा है। इस उद्घाटन अवसर पर उप विकास आयुक्त शेखपुरा, निदेशक डीआरडीए, शेखपुरा के पूर्व विधायक रणधीर कुमार सोनी, पूर्व जद यू जिला अध्यक्ष अर्जुन प्रसाद, निवास कुमार एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बच्चों को हमेशा खुश रखने का करें प्रयास : आर्लेकर

राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं से संवाद के दौरान शिक्षकों को दी नसीहत

पटना। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने सैनिक स्कूल केशव सरस्वती विद्या मंदिर रानीपुरचक पटना में वहाँ के छात्र-छात्राओं से संवाद किया तथा उन्हें अपने पाठ्यक्रम से बाहर की अच्छी पुस्तकें पढ़ने की सलाह दी। इससे होनेवाले फायदे की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पुस्तकें हमारे मित्र और मार्गदर्शक हैं। राज्यपाल ने देश की महान विभूतियों के जीवन पर आधारित पुस्तकें भी छात्र-छात्राओं को भेंट की तथा पत्र लिखकर पुस्तक के बारे में अपनी प्रतिक्रिया से अवगत कराने को कहा। उन्होंने बच्चों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। राज्यपाल ने बातचीत के दौरान विद्यालय के शिक्षकों से कहा कि वे बच्चों को हमेशा खुश रखने का प्रयास करें तथा उनमें पाठ्यक्रम से बाहर की अच्छी पुस्तकें पढ़ने की रुचि बढ़ाएं ताकि बच्चे नकारात्मक विचारों से दूर रह सकें। उन्होंने उनसे पैरेंट्स-टीचर्स मीटिंग में भी अभिभावकों को यह बात समझाने को कहा। राज्यपाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की विशेषताओं से भी शिक्षकों को अवगत कराया। राज्यपाल ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष, सचिव, विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकगण तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

बिहार का हक है विशेष राज्य का दर्जा : बशिष्ठ नारायण

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राज्यसभा के वरिष्ठ सदस्य एवं बिहार जदयू के पूर्व अध्यक्ष बशिष्ठ नारायण सिंह ने जदयू मुख्यालय में रविवार को पार्टी नेताओं एवं पदाधिकारियों से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, विधानपार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी, रवीन्द्र प्रसाद सिंह, जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमरदीप, प्रदेश महासचिव डॉ हुलेश मांझी, संतोष कुशवाहा आदि मौजूद रहे। इस दौरान प्रेस के साथियों से बात करते हुए श्री सिंह ने कहा कि विशेष राज्य का दर्जा बिहार का हक है, जिससे उसे वंचित किया जा रहा है। आजादी का अमृत महोत्सव मना रही केन्द्र सरकार को राष्ट्रनिमाताओं के सपनों के मुताबिक यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आजाद भारत में विकास का ह्यअमृतह्व सभी राज्यों को बराबर मिले। विकसित भारत के लिए विकसित बिहार भी जरूरी है। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलने से ना केवल बिहार के विकास को रफ्तार मिलेगी, बल्कि यह देश के संघीय ढांचे और लोकतंत्र का भी सम्मान होगा। श्री सिंह ने आगे कहा कि बिहार से झारखंड के अलग होने के बाद राजस्व के लगभग 67 प्रतिशत स्त्रोत झारखंड चले गए और बिहार के हिस्से में महज 33 प्रतिशत स्त्रोत आए, जबकि आबादी के मामले में बिहार के हिस्से में तब की कुल आबादी का 65 प्रतिशत आया और झारखंड के हिस्से में मात्र 35 प्रतिशत आबादी गई। कल-कारखाने और प्रचुर खनिज सम्पदा भी झारखंड को मिले। दूसरी ओर बिहार की अर्थव्यवस्था उस कृषि पर निर्भर हो गई, जो बाढ़ और सूखे की मार एक साथ झेलने को अभिशप्त है। ऐसी तमाम चुनौतियों के बावजूद और बिना किसी विशेष अनुदान के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की विकास दर 2005 से अब तक डबल डिजिट में रही है। ऐसे में अगर इसे विशेष राज्य का दर्जा मिल जाय तो विकसित राज्यों के साथ कदमताल करने में हमें अधिक वक्त नहीं लगेगा और पिछले 17 वर्षों में नीतीश कुमार ने 12 करोड़ बिहारवासियों के सपनों को लेकर बिहार की जो तस्वीर गढनी चाही है, उसे सही आकार मिल पाएगा।

संक्षिप्त खबरें

राजीव गांधी प्रेम और वलिदान की प्रतिमूर्ति थे : कांग्रेस

सदाकात आश्रम में मनायी गयी पूर्व पीएम की पुण्यतिथि

पटना। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व राजीव गाँधी की 32 वीं पुण्यतिथि (वलिदान दिवस) एवं प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सदानन्द सिंह की 80 वी जयंती रविवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में मनायी गयी। समारोह की अध्यक्षता पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक ने की। इस अवसर पर श्री पाठक ने कहा कि राजीव गाँधी ने देश की एकता एवं अखण्डता की रक्षा के लिये एवं इसके धर्मनिरपेक्ष चरित्र को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिये अपनी कुबार्नी दी। उन्होंने कहा कि राजीव गाँधी ने देश में सूचना एवं संचार-क्रांति की शुरूआत की। सत्ता के विकेन्द्रीकरण के लिये पंचायती राज का प्रारूप बनाया जो बाद में पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंहा राव के कार्यकाल में पंचायती राज संविधान संशोधन बिल के रूप में आया और आज सारे देश में यह पंचायती राज कायम है जिसमें महिलाओं के लिये एक तिहाई आरक्षण का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि देश में युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अधिक-से-अधिक शामिल करने के लिये उन्होंने मताधिकार की उम्र सीमा 18 वर्ष करायी। श्री पाठक ने कहा कि आज कृतज्ञ राष्ट्र देश के नव निर्माण में राजीव गांधी के योगदान को स्मरण कर उनकी स्मृति को बार-बार नमन करती है। इस अवसर पर सदाकत आश्रम स्थित राजीव गाँधी की प्रतिमा पर नेताओं ने माल्यार्पण किया। श्री कृपानाथ पाठक ने कहा कि सदानन्द बाबू कांग्रेस पार्टी के मूर्धन्य नेता थे। कांग्रेस अध्यक्ष एवं मंत्री के रूप में उल्लेखनीय कार्य किये उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

कार्यक्रम में कांग्रेस विधान पार्षद प्रेमचन्द्र मिश्रा, विधायक प्रतिमा कुमारी. वरिष्ठ नेता ब्रजेश पाण्डेय, प्रदेश मिडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, सदस्यता अभियान के प्रभारी ब्रजेश प्रसाद मुनन, प्रवक्ता असित नाथ तिवारी, आलोक हर्ष, पूर्व विधायक प्रमोद कुमार सिंह, डा अजय कुमार सिंह, कुमार आशीष, राजेश कुमार सिन्हा, अम्बुज किशोर झा, अरविन्द लाल रजक, शरबत जहाँ फातमा,शशि कांत तिवारी, सेवादल के डॉ संजय यादव ,शशि रंजन, राजन यादव, उदय शंकर पटेल, मधुरेन्द्र कुमार सिंह, ललन कुमार यादव, शिव प्रकाश गरीब दास, गुंजन पटेल, अनुराग चन्दन, राजकिशोर सिंह, सुधा मिश्रा, डॉ पुरुषोत्तम मिश्र, मोहन शर्मा, संतोष कुमार श्रीवास्तव, मो शाहनवाज, अखिलेश्वर सिंह, मिथिलेश शर्मा मधुकर, निधि पाण्डे, विमलेश तिवारी, सुनील कुमार सिंह ,नीतू सिंह निषाद, अमित कुमार, रुमा सिंह, सिद्धार्थ क्षत्रिय, अरबिंद चौधरी, खुशबु कुमारी, ललित सिंह, मुकुल कुमार, निशु चौधरी, विनय कुमार सिंह, नदीम अंसारी, अधिवक्ता प्रियंका सिंह उपस्थित थे।

बाबा साहब की मूर्ति पर नहीं, उनके विचारों पर हमला है : दीपंकर

- बोलें- भारत धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है, हिंदू राष्ट्र की बात करना संविधान विरोधी कदम
- माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य पहुंचे सरासत, माले के कई विधायक रहे उपस्थित

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि यह समझना मुश्किल नहीं है कि वे कौन लोग हैं जो डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जो भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का सपना देख रहे हैं। यह बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर हमला नहीं बल्कि उनके विचारों और संविधान पर हमला है। डॉक्टर अंबेडकर समतामूलक और धर्मनिरपेक्ष समाज की बात करते थे, यह उन विचारों पर हमला है। यह बातें उन्होंने रविवार को नौबतपुर के सरासत गांव का दौरा के क्रम में आयोजित जनसभा में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कही। इसके पूर्व नौबतपुर से लाल और नीले झंडे के साथ बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता और आम लोगों ने सरासत गांव का दौरा किया, जहां कुछ दिन पहले डॉक्टर अंबेडकर की मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। मार्च में उनके अलावा पार्टी के जिला सचिव अमर, पूर्व सांसद रामेश्वर प्रसाद, फुलवारी विधायक गोपाल रविदास, पालीगंज विधायक संदीप सौरभ, केंद्रीय कमिटी सदस्य कुमार परवेज सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नेता और कार्यकर्ता शामिल थे। माले महासचिव ने कहा कि भाजपा बिहार में उन्माद उन्माद फैलाकर 2024 का चुनाव जीतना चाहती है, लेकिन याद रखना चाहिए बिहार बुद्ध के जमाने से सामाजिक बदलाव की धरती रही है।

यहां से हिंदू राष्ट्र का उद्घोष नहीं बल्कि 2024 के चुनाव में केंद्र की सत्ता से मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने का संदेश जा रहा है। उन्होंने इसके पहले सिवान के दरौली में बीडीओ द्वारा डॉ. अंबेडकर की मूर्ति स्थापित करने के लिए बने चबूतरे को तोड़ देने की घटना का भी ज़िक्र किया। कहा कि बिहार सरकार को ऐसे तत्वों पर कार्रवाई करनी चाहिए। मौके पर विधायक गोपाल रविदास ने कहा कि बाबा साहेब ने संविधान दिया जिसके मूल में समतामूलक समाज का निर्माण करना है। आज कुछ लोग हिंदू राष्ट्र की असंवैधानिक मांग कर रहे हैं जो कि गैर बराबरी पर आधारित है। हम इसे कभी स्वीकार नहीं कर सकते हैं। बाबा साहेब एक विचार हैं जिसे मिटाना नामुमकिन है। उन्होंने मांग की कि इस मामले में राज्य सरकार पहल करे और दोषियों को गिरफ्तार करते हुए मूर्ति की पुनः स्थापना की जाए। कार्यक्रम में जयप्रकाश पासवान , सत्यनारायण प्रसाद, माधुरी गुप्ता, कमलेश राम, पप्पू शर्मा, ललन सिंह, महेश यादव, सरासत निवासी धीरेन्द्र कुमार, अदला पंचायत के मुखिया पति इंदुभूषण, कृपा नारायण सिंह, महेश यादव, साधु शरण, शंकर पासवान, अमरसेन दास, पंचम मांझी आदि शामिल थे।

कर्नाटक की हार से ध्यान भटकाने के लिए नोटबंदी : राजीव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना केंद्र सरकार द्वारा 2000 के नोट पर लगाए गये रोक को सियासी नौटंकी बताते हुए जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा है कि कर्नाटक चुनाव में मिली शिकस्त ने भाजपा का मानसिक संतुलन बिगाड़ कर रख दिया है। खुद को अजेय समझने वाली यह पार्टी अपनी पराजय को पचा नहीं पा रही है। इन्हें समझ में ही नहीं आ रहा है कि करें तो क्या करें। इसी बौखलाहट में इन्होने 2000 के नोटों को बंद करने का फरमान जारी कर दिया है। इन्हें लगता है कि इससे जनता का ध्यान मुख्य मुद्दों से भटक जाएगा और वह लोग भाजपा की नाकामियों को भूल जायेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जब पिछली बार नोटबंदी की थी तब कई लोगों को लगा था कि इससे काले धन पर चोट पड़ेगी और भ्रष्टाचारी पकडे जायेंगे। भाजपा के कई नेताओं ने ऐसा दावा भी किया था। मोदी सरकार के इस तुगलकी फरमान से आम जनता को काफी तकलीफें झेलनी पड़ी। लोगों को अपना काम धंधा छोड़ कर नोट बदलने के लिए कड़ी धूप में कई दिनों तक लाइन में लगना पड़ा। कुछ लोगों की तो लाइन में लगे हुए ही मौत हो गयी। लेकिन फिर भी लोगों ने सरकार के वादे पर भरोसा बनाये रखा। लेकिन यह भी वादे मोदी सरकार के अन्य वादों की तरह हवा-हवाई बन कर रह गये। बैंकों में 99 प्रतिशत से अधिक रकम लौट कर चली आई. न तो काला धन पकड़ा गया और न ही भ्रष्टाचारी।

जदयू प्रवक्ता ने कहा कि वास्तव में देश की जनता आज मंहगाई, बेरोजगारी, गिरती अर्थव्यस्था, आर्थिक सुरक्षा जैसे वजहों से परेशान है। उसे समझ में आ गया है कि भाजपा सपनो की सौदागर है। यही वजह है कि जनता ने कर्नाटक में इन्हें धूल चटा दिया। भाजपा यह जान नोटबंदी से अब उन्हें कोई लाभ नहीं मिलने वाला। जनता उनकी हकीकत जान चुकी है और इस करनी का फल उन्हें आगामी चुनावों में जरुर मिलेगा।

75 वर्षों के बाद भी दलितों के नहीं बदले हालात : चिराग

पटना। आजादी के 75 वर्षों के बाद भी दलितों के हालात नही बदला। इनके शैक्षणिक, आर्थिक, समाजिक और राजनैतिक विकास का दरवाजा सिर्फ संघर्ष के माध्यम से खोला जा सकता है। जरूरत है निरंतर प्रयास और संघर्ष करने का। यह बात श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल पटना में लोजपा-(रा) के अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के द्वारा आयोजित समग्र दलित सम्मेलन को संबोधित करते हुए लोजपा-(रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद चिराग पासवान ने कही। कहा कि बिहार में दलितों की 3 करोड़ 16 लाख आबादी है,इसमें भारत के अनुसूचित जाति आयोग के रिपोर्ट के अनुसार 98 प्रतिशत गरीबी रेखा से नीचे है। ये लोग गैरमजरूआ जमीन पर गुलामी और बेवसी का जीवन जी रहें है। श्री चिराग ने कहा इनके विकास के लिए निरंतर संघर्ष करेंगे। बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट को जमीन पर उतारेंगे। इसी से शिक्षा, स्वास्थ्य, उधोग, रोजगार के बेहतर अवसर पैदा होगा। पलायन रुकेगा। सम्मेलन की अध्यक्षता परशुराम पासवान ने किया, संचालन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने किया। सम्मेलन में राजनीतिक प्रस्ताव पास कर यह घोषणा किया गया कि 5 जुलाई से अनुसूचित जाति/ जनजाति प्रकोष्ठ गरीबों को 4 डिसमिल जमीन देने के लिए, दलितों पर बढ़ते जुल्म समाप्त करने के लिए,ताड़ी को शराबबंदी कानून से मुक्त करने के लिए,न्यायिक सेवा आयोग का गठन करने के लिए, न्यायिक सेवा में आरक्षण लागू करने के लिए और अन्य 11 मांगों के समथर्न में लोजपा-रा के अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ राज्यव्यापी आन्दोलन करेंगी। सम्मेलन को पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. सत्यानंद शर्मा,सतीश कुमार, युवा लोजपारा के राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार पासवान,पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु पासवान, अजय कुशवाहा,ई रमेश सिंह, पार्टी के प्रधान महासचिव संजय पासवान,गजेन्द्र मांझी,विजय पासवान,एससी/एसटी के प्रदेश महासचिव चुनचुन पासवान, सुदीप्त चौधरी,रामप्यारे प्रसाद नट,लाला शुपनभगत, अखिलेश रजवार, बिरेन्द्र तुरी सहित अनेकों वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किया। उक्त आशय की जानकारी मीडिया प्रभारी राजीव कुमार पासवान ने दिया।

2016 में नोटबंदी करना बीजेपी का गुप्त एजेंडा था:पप्पू

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जाप सुप्रीमो पप्पू यादव ने दो हजार का नोट सकुर्लेशन से बाहर किये जाने पर मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। रविवार को प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि देश पीएम मोदी से जानता चाहता है कि काला धन का क्या हुआ? जाली नोट का क्या हुआ? कालाधान कब वापस कब आयेग? आतंकवाद गतिविधि देश में क्यों बढ़ी। साथ ही उन्होंने कहा कि नोटबंदी के बाद देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी क्यों बढ़ गयी। नोटबंदी के बाद इस देश में मोदी सरकार ने अपने कितने मित्रों को इसका फायदा पहुंचाया। 2016 में नोटबंदी करना बीजेपी का गुप्त एजेंडा था। वहीं, पप्पू यादव ने मोदी सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि, 54 हजार करोड़ रुपये गायब है वह कहां है? मोदी सरकार इसका जवाब क्यों नहीं देती है। उन्होंने कहा कि 2016 में नोटबंदी के पहले 16 लाख करोड़ कैश का सकुर्लेशन था और नोटबंदी के बाद 32 लाख करोड़ करेंसी का देश में सकुर्लेशन हो गया। ऐसे में फिर दो हजार के नोट को फिर से बंद करने की क्या जरुरत पड़ गयी। वहीं, उन्होंने कहा कि जब सरकार ने 2 हजार का नोट लाया था तब इसे मास्टर स्ट्रोक बताया गया था तो फिर 2 हजार नोट बंद क्यों। पप्पू यादव के कहा कि हो हजार के नोट में जो चिप लगा था वह कहां चला गया। पप्पू यादव ने कहा कि सितंबर तक 2 हजार का नोट बदलने का समय दिया है, अक्टूबर में पांच राज्यों में चुनाव है जिस वजह से आचार संहिता लग जायेगी। उन्होंने राहुल गांधी और अर्थशास्त्री रघुराम राजन का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने नोटबंदी के फैसला को बचकाना बताया था।

2 हजार के नोट को बंद करने का फैसला व्यावसायिक समुदाय के लिए काला अध्याय होगा : उमेश

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने केन्द्र सरकार के नोटबंदी के फैसले पर तंज कसा है। साथ ही उन्होंने भाजपा सासंद सुशील मोदी पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सुशील मोदी जिस समुदाय से सम्बंध रखते हैं आज उस समुदाय को उनके ही केंद्र सरकार द्वारा उपेक्षित किया जा रहा है, यह बात किसी से छिपा हुआ नहीं है कि नोटबन्दी और जीएसटी के माध्यम से भाजपा की केंद्र सरकार ने देश के व्यवसायिक वर्ग के आर्थिक कमर को तोड़ने का काम किया था और पुनः केन्द्र सरकार द्वारा 2 हजार के नोट को बंद करने का फैसला भी व्यवासायिक समुदाय के लिए काला अध्याय होगा। लेकिन वित्तीय मामलों के जानकार होने के बावजूद भी भाजपा के भय से सुशील मोदी सरकार के गलत अर्थिक नीतियों का विरोध करने से घबरा रहें हैं। आज न वो अपने समाज के पक्ष में खड़े हैं और पार्टी भी उनको मानने को तैयार नही है। जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि भाजपा में सुशील मोदी अपना सम्मान खो चुकें हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सुशील कुमार मोदी जैसे अनुभवी और वरिष्ठ नेता को राजनीतिक हास्य-परिहास का विषय बना देना दुर्भाग्यपूर्ण है। श्री कुशवाहा ने कहा कि राजनीतिक महत्वकांक्षा के लिए अपनी गरिमा और प्रतिष्ठा दांव पर लगाना एक स्वभिमानी व्यक्ति को कत्तई शोभा नहीं देता है। आगे श्री कुशवाहा ने कहा कि अपने वरिष्ठ नेताओं को अपमानित करना भाजपा का पुराना राजनीतिक चरित्र रहा है।

राज्यों के साथ केंद्र की सत्ता से भी बाहर होगी भाजपा : रणबीर

पटना। जनता दल यूनाइटेड के प्रवक्ता व पूर्व विधान पार्षद डॉ. रणबीर नंदन एक बार फिर भाजपा पर जमकर बरसे हैं। उन्होंने कहा की भाजपा की राजनीति की स्टाइल अब देश की जनता के सामने खुल चुकी है। भाजपा कभी भी अपने दम पर कुछ नहीं कर सकी है। बिहार में तो भाजपा का वजूद भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जदयू की मेहरबानी से है। बिहार की जनता ने भाजपा को कभी तवज्जो नहीं दिया है। डॉ. नंदन ने कहा कि भाजपा के नेता क्या इस बात से इनकार कर सकते हैं कि बिहार में सड़कों का जाल नीतीश सरकार में ही बिछा है? पीने के पानी को नल के जरिए नीतीश कुमार की योजनाओं ने ही बिछाया है। हर गांव नीतीश सरकार की योजना के कारण बिजली से रोशन है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बिहार की बेहतरी के लिए कभी कोई प्रयास नहीं किया। गया इतना बड़ा स्थान है, जहां पूरे विश्व से लोग आते हैं लेकिन गया के विकास में कभी आगे बढ़कर केंद्र सरकार ने मदद नहीं की। माता सीता के जन्मस्थान के विकास पर कभी कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा का राजनीतिक चरित्र सिर्फ सत्ता प्राप्ति तक सीमित है। न उसे राज्य से मतलब है, न जनता से, न समाज से और न ही लोकतंत्र-संविधान से। भाजपा ने सत्ता स्वार्थ में आकर कश्मीर में महबूबा मुफ्ती से हाथ मिला लिया। वहां सत्ता का सुख भोगा और फिर गठबंधन तोड़ दिया। यही हाल बिहार में भी भाजपा करना चाहती थी। सत्ता सुख के लिए भाजपा नेता नीतीश कुमार जी के आगे नतमस्तक होकर अपना सौम्य चेहरा सामने रखते हैं। लेकिन पीठ पीछे खंजर भोंकने वाला चरित्र ज्यादा देर छुप नहीं पाता। नतीजा ये हुआ कि भाजपा आज बिहार में संघर्ष करती दिख रही है। डॉ. नंदन ने कहा कि भाजपा के नेताओं को बिहार में पहचान ही नीतीश कुमार की सरकार के कारण मिली है। उन्होंने कहा कि भाजपा रचनात्मक की लड़ाई नहीं लड़ रही है। नीतीश कुमार के कारण भाजपा केंद्र की राजनीति में पिछड़ रही है। कर्नाटक एक उदाहरण है, आने वाले वक्त में ऐसे और भी दिखेंगे। राज्यों के साथ भाजपा केंद्र की सत्ता से भी बाहर होगी।

चकाचक अभियान के तहत युद्ध स्तर पर हो रही शहर की सफाई

खेल, एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम से आमजनों को किया जा रहा जागरूक

- रात्रि में विशेष सफाई एवं बैनर पोस्टर हटाने का चल रहा अभियान

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पटना नगर निगम द्वारा मिशन चकाचक अभियान जोर शोर से चलाया जा रहा है। एक तरफ जहां अभियान के माध्यम से आम जनों को कचरे के पृथ्करण एवं उसके निस्तारण के लिए जागरूक किया जा रहा है। पटना नगर निगम द्वारा सभी चकाचक केंद्रों पर 3फ सेंटर का भी निर्माण करवाया गया है। जहां आमजन कचरे के निष्पादन एवं निस्तारण की जानकारी ले सकते है। सभी अंचलों में केंद्र का निर्माण करवाया गया है। पाटलिपुत्र अंचल में विशेष रूप से पिंक 3फ सेंटर का निर्माण करवाया गया है। नगर निगम के इस मुहिम में कर्मियों के साथ पार्षदगणों एवं आमजनों का पूर्ण सहयोग मिल रहा है। रात्रि में कर्मियों द्वारा सीएनडी वेस्ट एवं अवैध बैनर पोस्टर हटाने का कार्य भी किया जाता है। गौरतलब है कि चकाचक केन्द्रों पर रात्रि में कर्मियों के रहने एवं खाने की व्यवस्था भी की गई है। जिसके कारण वह अभियान से लगातार जुड़े हुए है। केन्द्रों पर चार कार्यों की पंजी से जन जन को जोड़ने की चल रही मुहिम : सभी चकाचक केन्द्रों पर अभियान के अतिरिक्त घर घर घूमने एवं आमजनों को जागरूक करने के लिए चार प्रकार की पंजी भी रखी गई है जिसे वहां रहने वाले कर्मियों द्वारा भरा जाता है। सूखा - गीला कचरा अलग करना, होम कम्पोस्टिंग एवं सिटीजन फीडबैक आदि के लिए आमजनों को जागरूक किया जा रहा है। खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम से जुड़ रहे आमजन : पटना नगर निगम की चकाचक टीम द्वारा खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से आमजनों का ध्यान आकर्षित भी किया गया है। अंतिम दिन में चाय पार्टी के माध्यम से निगरानी समिति के सदस्यों से समन्वय स्थापित किया जाएगा। एक जोन में खत्म होने के बाद दूसरे जोन में कार्यक्रम विधिवत चलाया जाएगा। गौरतलब है कि एक जोन में 19 वार्ड को कवर किया गया है। 16 जून तक सभी 75 वार्डों में यह अभियान लगातार चलाया जाएगा।

शक्तिधाम में 28 मई से शुरू होगा समर कैंप

पटना। बच्चों को रंगमंच से जोड़ने एवं उनके व्यक्तित्व विकास के लिए बिहार प्रादेशिक अग्रवाल सम्मलेन द्वारा कोरोना के बाद पुनः इस वर्ष रविवार 28 मई से 04 जून तक शक्तिधाम दादीजी मंदिर , शक्तिधाम , बैंक रोड पटना में समर कैम्प का आयोजन किया जाएगा। समर कैम्प की तैयारी बैठक में अध्यक्ष अमर अग्रवाल ने बताया कि इस समर कैम्प में राज्य के नामी वरिष्ठ रंगकर्मी सुमन कुमार रंगमंच एवं नाट्य सम्बन्धी बारीकियां सिखायेंगे. साथ हीं फिल्म निर्देशक सायकदेव मुखर्जी द्वारा बच्चों को फिल्म की बारिकियां सिखाई जाएगी। साथ हीं प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक शिबासिस मुखर्जी बच्चों को संगीत के बारे में बताएंगे। बच्चों को राजस्थानी लोक नृत्य गाने पर डांस का प्रशिक्षण दिया जाएगा . अग्रवाल ने कहा कि आर्थिक रूप से अति कमजोर कुछ बच्चों को निःशुल्क इस समर कैम्प में भाग लेने दिया जाएगा।

कर्नाटक में खुली विपक्षी एकता की पोल : मनोज

पटना। बिहार भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व विधायक मनोज शर्मा ने कहा कि विपक्ष के सभी नेता लाख कोशिश कर लें फिर भी 2024 में नरेन्द्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनने कोई नही रोक सकता है। अभी हाल के सालों में देश मे कोई ऐसी ताकत नही पनपी है, जो केंद्र से भाजपा की सरकार हटा सके। आगे उन्होंने कहा कि विपक्षी एकता कर्नाटक में बेकार नजर आई। जिस विपक्षी एकता का दम्भ भरा जा रहा था । उसके प्रमुख नेता वहां पहुंचे ही नही। ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल, केसीआर जैसे नेता कही नजर नही है। बताया जा रहा है कि कुछ नेताओं को तो कांग्रेस ने न्योता भी नही दिया था। श्री शर्मा ने कहा कि आज कल जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह को अपने बिहार और अपने लोकसभा क्षेत्र की चिंता नही है, उन्हें दिल्ली की ज्यादा चिंता होती है। जबकि दिल्ली में कोई भी काम कानून के विरुद्ध और गैरसंवैधानिक नही हो रहा है। लेकिन वहां की सरकार अपना कान छोड़ कौवे के पीछे भाग रही है। अरविंद केजरीवाल पहले तो विपक्षी एकता वाले शपथग्रहण में नही पहुंचे, अब विपक्षी पार्टियों से सौदा कर रहे है और विपक्षी नेताओं से अपील कर रहे है कि वो सभी उनका साथ दे जो पूरी तरह गैरसंवैधानिक होगा।

जीविका द्वारा नीरा के प्रचार-प्रसार हेतु नीराथॉन का किया गया आयोजन

जुलाई तक 5 लाख लीटर नीरा के बिक्री को जन-जन तक पहुंचाने का लक्ष्य : डीएम

- पटना जिला में प्रतिदिन औसतन 14000 हजार लीटर नीरा की खपत

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जिला प्रशासन के तत्वाधान में जीविका की पटना जिला इकाई द्वारा नीराथॉन का आयोजन चिड़ियाघर गेट न.-2से नए सचिवालय तक नीरा के प्रचार-प्रसार हेतु किया गया। साथ ही साथ ३ नीरा साइकिल एक्सप्रेस का भी का विमोचन एवं न्यू सचिवालय के नजदीक स्थायी नीरा विपणन क्रय केन्द्र का उद्घाटन जिलाधिकारी के द्वारा किया गया। जिलाधिकारी डॉ चंद्रशेखर सिंह ने कहा की पहले जनता ताड़ के पेड़ से ताड़ी का सेवन करती थी जो सेहत के लिए बहुत ही हानिकारक थी। सतत जीविकोपार्जन योजना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी का ड्रीम प्रोजेक्ट है । जबसे बिहार में शराबबंदी हुई है और जब से ताड़ी का कारोबार बंद करने का निर्णय लिया है तब से नीरा का खपत काफी बढ़ गया है। कैफे के माध्यम से नीरा पेय के अतिरिक्त नीरा से बने विभिन्न उत्पाद जैसे-नीरा बर्फी, नीरा लड्डू, नीरा पेड़ा, नीरा आईस्क्रीम, आदि का उत्पाद सह बिक्री की जा रही है। डीएम डॉ सिंह एवं उपस्थित सभी वरिष्ट पदाधिकारियों ने अमृत-तुल्य रस नीरा एवं नीरा से बने हुए व्यंजनों का स्वाद चखा और कहा की नीरा स्वास्थ्यवर्धक एवं पौष्टिक प्राकृतिक पेय है। यह सभी उम्र के लोगों के लिए लाभकारी है। नीराथॉन में सीईओ जीविका राहुल कुमार, उप विकास आयुक्त, पटना तनय सुल्तानिया, डीपीएम, जीविका मुकेश कुमार सासमल साथ में अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण सहित 300 से ज्यादा जीविका कर्मी, जीविका दीदियाँ एवं टैपर्स शामिल हुए। डीएम डॉ सिंह ने कहा की अबतक जीविका ने 220 काउंटर के माध्यम से लगभग 3,00,554 लीटर नीरा की बिक्री की है। जबकि जुलाई 2023 तक 5,00,000 लीटर नीरा के बिक्री के साथ जन-जन तक पहुचाने का लक्ष्य है। नीरा साइकिल एक्सप्रेस में ऑडियो के तहत नीरा के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु हर गली, मोहल्ले में जन-जन तक इसकी पहुँच बढ़ेगी। पहले लोग नीरा का नाम सुनते थे पर अब ये सभी इलाके में मिलना शुरू हो गया है। जीविका के द्वारा पटना जिला के प्रमुख चयनित जगहों पर उत्पा

संक्षिप्त खबरें

कार्यपालक सहायक ने बीडीओ से मांगी माफी

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड में कार्यरत स्वच्छता कार्यपालक सहायक अशोक कुमार ने विभूतिपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी से लिखित पत्र भेजकर माफी मांगा है। जिसमें अपनी गलती स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा भवदीय से ऊंची आवाज में बात किया गया एवं मौखिक आदेश को मानने से इनकार किया गया। मैं उस समय परिवारिक उलझन को लेकर आंतरिक रूप से व्यथित था। जिसके कारण इस तरह का व्यवहार हो गया। मैं अपने कृत्य से आहत एवं सदमे में हूं। भविष्य में इस तरह का व्यवहार कभी नहीं होगा।

जबरदस्ती फसल काटने को लेकर थाने में दिया आवेदन

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के राघोपुर बरियारपुर वार्ड 07 निवासी स्वर्गीय नंद कुमार झा के पुत्र मंतोष झा ने जबरदस्ती फसल काटने को लेकर विभूतिपुर थाने में एक आवेदन दिया है। आवेदन के माध्यम से पीड़ित ने बताया कि शिवजी झा एवं राजू झा 21 मई रविवार की सुबह दरवाजे पर आया और गाली-गलौज करते हुए जबरदस्ती मेरा के वाला भूमि खाता संख्या 11 खेसरा संख्या 129 में फसल काटने की धमकी दिया। उसके बाद उपर्युक्त दोनों नामित हथियार लेकर मेरे जमीन पर खड़ा रहा तथा गुड्डू झा एवं दिनकर झा दोनों मिलकर मेरे उक्त जमीन में लगे फसल को काट लिया। तथा खेत में आने पर जान मारने की धमकी दिया।

विद्यालय में 101 बच्चों के बीच किया गया थाली वितरण

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय कल्याणपुर मिल्की भूमिहार टोल में 101 बच्चों के बीच थाली वितरण किया गया। सर्वप्रथम अध्यक्ष सह वार्ड सदस्या माला देवी की अध्यक्षता में विद्यालय शिक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा की गई। जिसके बाद शिक्षा समिति के सदस्यों के द्वारा प्रधानाध्यापक को कई दिशा निर्देश दिया गया। साथ ही शिक्षा समिति एवं शिक्षकों के सहयोग से विद्यालय के 101 बच्चों के बीच थाली वितरण किया गया। मौके पर सचिव सोनी देवी, सदस्य रीना देवी, पूजा देवी, सविता देवी, रेखा देवी, अरुण कुमार, विद्यालय के प्रधानाध्यापक हरे कृष्ण राय, वरीय शिक्षक राजीव रंजन, सहायक शिक्षक रमेश कुमार, नरेश कुमार, प्रभात रंजन, द्रोपदी कुमारी, पूजा कुमारी आदि उपस्थित थे।

नशेड़ी युवक गिरफ्तार

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन थाना क्षेत्र के झखड़ा गांव से शनिवार की शाम पुलिस ने नशे की हालत में हंगामा करते एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान गांव के ही सुनील झा के पुत्र विवेक झा के रूप में की गई है। इस संबंध में पुलिस सूत्रों ने बताया कि ब्रेथ एनालाइजर से जांच के बाद उक्त युवक द्वारा नशा लेने की पुष्टि होने पर उसे न्यायिक हिरासत में समस्तीपुर भेजा गया है।

मेरा धर्म स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा सिखाता है : श्याम रजक

समस्तीपुर जिले के पूसा प्रखंड अंतर्गत गंगापुर पंचायत अंतर्गत कस्तूरबा ट्रस्ट के मीटिंग हॉल में रविवार को अंबेडकर परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता राजद प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार राय ने किया एवं मंच संचालन का कार्य प्रधान महासचिव सुबोध कुमार राय ने किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राजद के राष्ट्रीय महासचिव सह बिहार सरकार के पूर्व मंत्री श्याम रजक भी उपस्थित हुए। अपने सम्बोधन के क्रम में राजद के राष्ट्रीय महासचिव सह पूर्व मंत्री श्याम रजक ने कहा कि बाबा साहेब स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मन्त्री, भारतीय संविधान के जनक एवं भारत गणराज्य के निमार्ताओं में से एक थे। भारत के सबसे प्रमुख समाज सुधारकों में से एक, अंबेडकर को भारत की जाति व्यवस्था द्वारा उत्पन्न असमानताओं के खिलाफ उनकी लड़ाई के लिए जाना जाता है। बाबा साहेब की पहचान एक न्यायविद, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक के रूप में रही हैं। उन्होंने कहा था कि मैं ऐसे धर्म को मानता हूं, जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा सिखाए। हम सबसे पहले और अंत में भी भारतीय हैं। भाग्य में विश्वास रखने के बजाए अपनी शक्ति और कर्म में विश्वास रखना चाहिए। बुद्धि का विकास मानव के अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। मौके पर राजद जिला अध्यक्ष रोमा भारती, प्रदेश महासचिव फैजुर रहमान फैज, वरीय नेता चंद्रिका प्रसाद सिह, जिला प्रधान महासचिव विपिन सहनी, प्रदेश महासचिव प्रेम प्रकाश शर्मा, प्रदेश सचिव लालबहादुर पंडित, जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर, राजद शिक्षक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शत्रुघन यादव, रूहुल्लाह खान गुड्डू, डॉ० रामपुकार कुशवाहा, कविता देवी, शत्रुघन सिंह, रंजीत राय, बमबम साह, राजकुमार राम, शंकर बाबा, पलटन सिंह, श्याम सिंह, मोहन कुमार, अजीत राय तथा मोहम्मद इरशाद आदि मौजूद थे।

एसपी ने किया केंद्रीय अनुसंधान कक्ष का उद्घाटन, लंबित मामलों के निष्पादन की गति होगी तेज

- जिले के 13 थानों में लंबित हैं आठ हजार के करीब मामले, दिन के हिसाब से थानों का किया गया है चयन
- कांड के अनुसंधानकर्ता व इंस्पेक्टर एवं एसपी-डीएसपी एक ही जगह रहेंगे मौजूद, करेंगे लंबित कांडों की समीक्षा

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले के विभिन्न थानों में लंबित कांडों के गुणवत्ता पूर्ण निष्पादन को लेकर एसपी विनय तिवारी ने रविवार को समस्तीपुर समाहरणालय स्थित सभागार में केंद्रीय अनुसंधान कक्ष का शुभारंभ किया। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि समस्तीपुर जिले के 13 थानों में करीब आठ हजार केस लंबित हैं। इतनी बड़ी संख्या में केसों के लंबित होने के कारण लोगों को ससमय न्याय नहीं मिल पा रहा है और इसी को लेकर एसपी के जनता दरबार में फरियादियों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि विभिन्न थानों में लंबित केसों के जल्द से जल्द निष्पादन व समीक्षा को लेकर एक ऐसी व्यवस्था की जरूरत महसूस की जा रही थी, जहां से उसकी मॉनिटरिंग भी की जा सके। उन्होंने बताया कि केंद्रीय अनुसंधान कक्ष सुबह 7:00 बजे से दिन के 11:00 बजे तक क्रियाशील रहेगा। जहां लंबित कांडों के अनुसंधानकर्ता, इंस्पेक्टर, संबंधित क्षेत्र के डीएसपी और एसपी मौजूद रहेंगे। जहां लंबित कांडों से संबंधित फरियादी सबके समक्ष अपनी बात रख सकेंगे। बताया गया कि जिले के सबसे ज्यादा लंबित कांडों वाले 13 थानों का चयन किया गया है। जिसमें नगर थाना, मुफ्फसिल, रोसड़ा, दलसिंहसराय, उजियारपुर, विभूतिपुर, ताजपुर, कल्याणपुर, मोहिउद्दीननगर, मोहनपुर, वारिसनगर और मुसरीघरारी थानों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायत कताओं की सुविधा व थानों के अन्य कार्य प्रभावित न हो इसको देखते हुए दिन के हिसाब से अलग-अलग थानों का दिन निर्धारित किया गया है। जिसके तहत सोमवार को मुफ्फसिल और मुसरीघरारी, मंगलवार को नगर थाना और ताजपुर, बुधवार को वारिसनगर और कल्याणपुर, गुरुवार को दलसिंहसराय और उजियारपुर, शुक्रवार को पटोरी एवं शनिवार को मोहनपुर और मोहिउद्दीननगर तथा रविवार को रोसड़ा और विभूतिपुर थानों में लंबित कांडों की समीक्षा की जाएगी। ताकि जल्द से जल्द लंबित मामलों का निष्पादन किया जा सके।

वृद्ध महिला की संदिग्ध मौत

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर उत्तर पंचायत के वार्ड 9 सहनी टोल में एक 68 वर्षीय वृद्ध महिला की संदिग्धावस्था में मौत हो गई। मृतिका की पहचान सुखदेव सहनी की पत्नी सुवधि देवी के रूप में किया गया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में पिछले एक सप्ताह से विवाद चल रहा था। शनिवार की संध्या में भी दोनों पक्षों के बीच झड़प हुआ था। इस बीच बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। इस संदिग्ध मौत के बाद गांव में पंचायती भी हुई। लेकिन सुलह नही नहीं होने पर इसकी सूचना रविवार को पुलिस दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस प्रारंभिक प्रक्रिया के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया है। पीड़ित पक्ष का कहना है आरोपी पक्ष द्वारा मारपीट के बाद महिला की मौत हुई है। वैसे ग्रामीणों का मानना है कि हार्ट अटैक के कारण महिला की मौत हुई है। थानाध्यक्ष संदीप कुमार पाल ने बताया कि मृत महिला के शरीर पर कही भी जख्म के निशान नहीं मिला है इसलिये प्रथम दृष्टवा यह स्वभाविक मौत लगता है। परंतु पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। वहीं मृतका की पुत्रवधू अमोद कुमार सहनी की पत्नी ललिता कुमारी ने घटना के संबंध में विभूतिपुर थाना में एक आवेदन दिया है। जिसमें बताया गया कि 20 मई की संध्या वह खाना बना रही थी और उनकी सास आंगन में बैठी थी। तभी विजय साहनी आंगन में आकर गलत नियत से उनका हाथ पकड़ कर खींचने लगा। जिस पर उनकी सास ने इसका विरोध किया। तभी विजय साहनी व उसकी पत्नी रानी देवी ने उनकी सास को धक्का देकर गिरा दिया। जिससे उनकी मौत हो गई। बता दें कि मृतिका के 3 पुत्र एवं पुत्री हैं। 2 पुत्र आमोद सहनी, प्रमोद सहनी गांव में ही रहते हैं वहीं शंभू सहनी विदेश में रहते हैं। मृतिका अपने नाती-पोते से भरे पूरे परिवार को छोड़कर स्वर्ग सिधार गई।

अलग-अलग घटना के मृतकों के परिजनों से विधायक ने की मुलाकात

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर विधानसभा क्षेत्र में अलग-अलग घटना में हुई मौत के बाद मृतक के परिजनों से मिलकर स्थानीय विधायक अजय कुमार ने सांत्वना देते हुए हर संभव मदद दिलवाने का आश्वासन दिया। सर्वप्रथम वे एकडारा पहुंचे जहां वार्ड-11 निवासी रामसकल महतो के 20 वर्षीय पुत्र सतीश कुमार का मौत एसएससी परीक्षा देने जानें के दौरान ट्रेन से गिरकर हो गया था। विधायक ने परिजन को दिलासा देते हुए कहा की हम रेल विभाग से उचित मुवाजे के लिए प्रयास करेंगे। वहीं पहाड़पुर गांव में दिलीप कुमार पिता सिंघेश्वर शर्मा के परिजन से मिले। जिनका सड़क दुर्घटना में मौत हो गया था। साथ ही साखमोहन पंचायत के मृतक ध्रमदेव सिंह एवं मृतक सागर साह के परिजन से मिले जिनका बीमारी से मौत हो गया था। वहीं बूढ़ी गंडक नदी में डूबने से भूसवर और खदियाही के दो युवक का मौत हो गया था। उक्त दोनों परिजनों से मिलकर दुख जताया तथा आपदा प्रबंधन विभाग से मिलने वाली राशि के प्रक्रिया जल्द से जल्द करवाने का आश्वासन दिया। मौके पर मिथलेश सिंह, जगधारी महतो, जनौस नेता कृष्णमूर्ति, विजय कुमार, पैक्स अध्यक्ष प्रवीन कुमार, बबलू कुमार सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

शहर में बढ़ते नशे के कारोबार के विरोध एसपी ने किया एंटी नारकोटिक्स सेल का गठन

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

शराब बंदी के बाद जिले में एक और नशे की युवाओं का रूझान बढ रहा है, वह है स्मैक। जी हां! शहर और आसपास के इलाकों में स्मैक का काला कारोबार अपनी जडें जमा रहा है। पिछले दिनों विभिन्न मामलों में दबोचे गये अपराधियों से पूछताछ में यह खुलासा होने के बाद पुलिस कप्तना विनय तिवारी बेहद गंभीर दिख रहे हैं। इस बाबत मिली जानकारी के मुताबिक नए युवा स्मैक का सेवन करने के बाद अपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला सामने आने के बाद जिला पुलिस ने स्मैक कारोबार पर नियंत्रण के लिए नारकोटिक सेल का गठन कर सदर डीएसपी संजय कुमार पाण्डेय को इसका प्रभारी बनाया गया है। वहीं इस सेल में नगर एवं मुफस्सिल थानाध्यक्ष के अलावा डीआईयू टीम के कर्मियों को शहर में स्मैक के फलते-फूलते कारोबार एवं उसके जडों का पता लगाने की जिम्मेदारी दी गई है, ताकि इन कारोबारियों के विरूद्ध ठोस कार्रवाई की जा सके। श्री तिवारी ने बताया कि जितवारपुर कोठी के मैनेजर से हुई लूट के बाद इस मामले में गिरफ्तार जितवारपुर हकीमाबाद के विक्की कुमार चांदनी चैक के अजय कुमार व वारिसनगर के सूरज कुमार से पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ कि इन लोगों ने स्मैक का सेवन कर रखा था। स्मैक पर खर्च होने वाली राशि के जरूरतों को पूरा करने के लिए आपराधिक घटनाओं को अंजाम देते हैं। वहीं पूसा थाना क्षेत्र के भूसकौल गाछी में हथियार के साथ गिरफ्तार किए गए बदमाश और इस दौरान गोली से घायल मिले युवक के मामले में भी स्मैक कारोबार की बात सामने आई है। एसपी विनय तिवारी ने बताया कि इन लोगों के बीच भी लेनदेन का विवाद स्मैक से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा 12 फरवरी 2022 को शहर के मूलचंद्र रोड स्थित एक मकान से पुलिस ने छापेमारी कर एक मकान से अफीम स्मैक बरामद करने में सफलता पाई थी। 20 जनवरी 2023 को शहर के मथुरापुर स्थित एक स्पेयरपार्ट की दुकान में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर करीब पांच लाख रुपए मूल्य का ब्राउन शुगर बरामद करने में सफता पाई थी। इस दौरान पुलिस ने विक्की कुमार नामक दुकानदार को गिरफ्तार भी किया था। बताया गया है कि जिले में नेपाल के रास्ते ब्राउन शुगर, स्मैक आदि की खेप समस्तीपुर पहुंचती है। जानकार सूत्रो का दावा है कि शहर के शेखटोली मोहल्ला व घोषलेन का इलाके में यह कारोबार काफी फल-फूल रहा है। शहर के पेठियागाछी बांध इसका मुख्य अड्डा बताया जा रहा है। इस कारोबार में नई उम्र के लडकों के साथ-साथ कुछ लड़कियों के भी शामिल होने की बात सामने आयी है। जानकार सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक इस काले कारोबार में शहर के कई सफेदपोश लोगों का पर्दे के पीछे होने की बात कही जा रही है। वहीं इस कारोबार को बढ़ावा देने में पुलिस की भी महती भूमिका देखने और सुनने को मिल रहा है।

मनिका गांव से अधमरा युवक बरामद

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन थाना क्षेत्र के मनिका स्थित ब्रह्मस्थान से रविवार की सुबह पुलिस ने एक अधमरे युवक को बरामद किया है। उसकी पहचान गांव के ही श्रवण महतो के पुत्र शिवम कुमार उर्फ शशिकांत उर्फ जुड़वां (22) के रूप में की गई है। घटना के संबंध में बताया गया है कि पूर्व की रंजिश को लेकर गांव के ही कतिपय लोगों ने उक्त युवक को अधमरा कर यहां छोड़ गया है। बता दें कि अधमरे युवक का घर घटनास्थल से करीब 500 मीटर पश्चिम दिशा में है। उसके सिर एवं बदन पर चोट के कई निशान मौजूद थे। वहीं कुछ ग्रामीण इस घटना को प्रेम प्रसंग से जोड़कर भी देख रहे हैं। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने अधमरे युवक को इलाज के लिए सरायरंजन सीएससी में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के पश्चात बेहतर इलाज के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल में रेफर कर दिया गया। इस संबंध में सरायरंजन थानाध्यक्ष रविकांत कुमार ने बताया कि इस घटना को लेकर बेहोश युवक के परिवार द्वारा कोई आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन देने के बाद अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

मकान किराया देने से पूर्व करें जांच पड़ताल, अपराधिक वारदातों में आएगी कमी : एसपी

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर शहर व इससे सटे ग्रामीण इलाकों में क्राइम कंट्रोल को लेकर समस्तीपुर एसपी विनय तिवारी के द्वारा रविवार को टाउन हॉल में नगर निगम एवं नगर निकायों के वार्ड पार्षदों के साथ बैठक की गई। जिसमें समस्तीपुर एसपी ने उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों से क्राइम कंट्रोल को लेकर विचार-विमर्श किया। इस दौरान उन्होंने मकान किराया देने से पूर्व किराया लेने वाले के संबंध में पूरी जांच-पड़ताल कर किराया देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में देखने को मिला है कि अपराधी अपराध करने से पूर्व शहर में मकान भाड़े पर लेते हैं और चिन्हित स्थानों पर रेकी कर अपराध कर फरार हो जाते हैं। जिस कारण पुलिस को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है और वहीं बगैर जांच-पड़ताल के मकान किराए पर देने वाले लोग बेवजह कानूनी पचड़े में फंस जाते हैं। उन्होंने कहा कि इसी को लेकर इस बैठक का आयोजन किया गया है। इस दौरान उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों के साथ मकान किराया देने से पूर्व जांच-पड़ताल को लेकर एक फॉर्मेट भी दिया। मौके पर उपस्थित लोगों ने पुलिस को पूर्ण रूप से सहयोग करने का आश्वासन दिया। इस दौरान समस्तीपुर नगर निगम व अन्य नगर निकायों के कई वार्ड पार्षद एवं जिले के सभी अनुमंडलों के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री और पंचायती राज मंत्री से मिलेंगे प्रखंड मुखिया संघ का प्रतिनिधिमंडल

शिवाजीनगर, प्रात : किरण संवाददाता

शिवाजीनगर प्रखंड अंतर्गत पंचायत कार्यालय सह मनरेगा भवन राजौर रामभद्रपुर में प्रखंड मुखिया संघ की एक बैठक 16 सूत्री मांग को लेकर आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता मुखिया संघ के जिला सचिव सुनील कुमार शोले ने किया व संचालन प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष रामचंद्र सिंह ने किया। प्रखंड मुखिया संघ की बैठक रविवार को पंचायत कार्यालय सह मनरेगा भवन राजौर रामभद्रपुर में किया गया। बैठक में प्रखंड मुखिया संघ ने निर्णय लेते हुए बताया कि सोमवार को प्रतिनिधिमंडल बिहार सरकार के पंचायती राज्य मंत्री व वित्त मंत्री और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया जाएगा। बैठक में 15वीं वित्त आयोग द्वारा किए जाने वाले कार्य में मजदूरो का भुगतान पूर्व की भांति किए जाने की मांग की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि अष्टम वित्त आयोग का पैसा अभी तक आवंटित नहीं हुआ है जिससे विकास कार्य में बाधा रही है। वहीं जन्म, मृत्यु, राशन कार्ड, जाति, आवास, पंचायत सरकार भवन, नल जल, आदि ग्राम पंचायत से बनाने की व्यवस्था की जाए। उर्दू में जन्म और मृत्यु ग्राम पंचायत से बनाया जाता था वार्ड कियान्वय समिति को पैसा आवंटन किये जानेनल जल योजना कि कियान्वयन में पीएचडी द्वारा लगातार लापरवाही बरती जा रही है उसे अविलंब सुधार किए जाने की मांग की गई। बैठक में मुखिया संघ अध्यक्ष रामचंद्र सिंह, विनोद पासवान, नटवर राय, विभा कुमारी, अनिता देवी, सरिता कुमारी, संजीव कुमार पासवान, विनोद पासवान, दुखा मुखिया, आदि मुखिया मौजूद थे।

भाजपा युवा मोर्चा के तत्वधान में दीवार लेखन कार्यक्रम का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता, सिवान।

मैरवा प्रखंड क्षेत्र के मैरवा धाम स्थित बाबा हरिराम मंदिर के प्रांगण में भाजपा युवा मोर्चा के तत्वधान के अन्तर्गत दीवार लेखन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दीवार लेखन कार्यक्रम के निमित्त शनिवार को जीरादेई विधानसभा के विभिन्न स्थानो पर किया गया। कार्यक्रम मैरवा मंडल अध्यक्ष महेश कुमार गुप्ता के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिला अध्यक्ष त्रिलोकि सिंह पटेल जी, पूर्व जिला अध्यक्ष हैप्पी यादव जी, जिला उपाध्यक्ष नीतीश सुशवाहा जी, कमल क्लब के जिला संयोजक उमेश कुमार सिंह जी, सौमिल उपाध्याय जी, सहित तमाम लोग मौजूद रहे। इस दौरान त्रिलोकी सिंह पटेल के जिला अध्यक्ष बनने के पर व जिरादेई विधान सभा क्षेत्र में प्रथम आगमन पर गणमान्य लोगो के द्वारा स्वागत किया गया।

मारुति सुजुकी नेक्सा का तीन दिवसीय मोबाइल शोरूम हुआ लॉन्चि

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। मारुति सुजुकी नेक्सा का तीन दिवसीय मोबाइल शोरूम स्थानीय नेवाजी टोला पर लगाया गया। कंपनी ने खासकर इस मॉडल को प्रीमियम सिग्मेंट कस्टमर के लिए लाया है।उक्त बातें बिहार के सीनियर सेल्स मैनेजर विकास वर्धन ने शनिवार को मोबाइल शोरूम पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को संबोधित करते हुए कही। कंपनी के सीनियर मैनेजर विकास वर्धन ने कहा कि मारुति कंपनी इंडिया की लीडिंग कंपनी है, कंपनी ने बीएमडब्ल्यू जैसी महंगी कारों की क्वालिटी में रीजनेबल दाम में ग्राहकों के लिए उपलब्ध करा रहा है। लेटेस्ट और लग्जरियस फीचर के साथ आधुनिक मॉडल में अपने ग्राहकों के लिए लाया है। उन्होंने कहा कि मारुति सुजुकी का नया प्रीमियम नेक्सा बलेनो का टॉप मॉडल है और बहुत सारी फीचर से लैस है, 3 दिवसीय मोबाइल शोरूम नेवाजी टोला पर इसलिए लगाया गया है ताकि छपरा, सीवान व गोपालगंज के लोगों का आवागमन का मुख्य मार्ग है। कंपनी का 12 से अधिक बिहार में सेल्स प्वाइंट है, छपरा में ऋषभ ऑटोमोबाइल सेल्स प्वाइंट है, जहां से बुक किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी ने कोई भी पुरानी गाड़ी को एक्सचेंज ऑफर भी लागू किया है और ऋण सुविधा भी उपलब्ध कराया है।

अग्नि पीड़ितों के बीच टीम साईं की रसोई ने बाँटी राहत-सामग्री

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। बीते दिनों सिंहमा गाँव के गंगा किनारे स्थित पथला टोल में हुए भीषण अग्निकांड में तकरीबन 200 से अधिक परिवारों का घर पूरी तरह जल गया। ऐसे आपदा के वक्त कई संघ संगठनों ने अपने अपने स्तर से इन सभी परिवारों के लिए राहत पहुँचाया। वहीं टीम साईं की रसोई ने आम जनसहयोग से 25 किलो का पैकेट तैयार किया। जिसमें आटा, चावल, दाल, सोया बड़ी, चना, आलू, सरसों तेल, प्याज, नमक, चूड़ा, मुरही, हल्दी मसाला, मिर्च मसाला, धनिया पाउडर, सब्जी मसाला, बिस्कुट, कपड़ा प्रत्येक परिवार को एक एक पैकेट उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम संयोजक खाद्य मंत्री पंकज कुमार ने बताया कि इस आपदा में सभी ने अपने-अपने स्तर से बेहतर प्रयास किया। इसी कड़ी में टीम साईं की रसोई ने कोरोना काल में जिस तरह से कच्चा राशन उपलब्ध करवायी थी उसी तरह कच्चा राशन का पैकेट बना अग्निपीड़ितों को उपलब्ध करवायी। रसोई टीम सदस्य बैभव अग्रवाल, कुन्दन गुप्ता, अंकित शर्मा व ज्ञान सिंह ने बताया कि लोगों के जनसहयोग से ही ये कार्य सम्भव हो पाया है। एक पैकेट में इतनी सामग्री है जो कि 10 दिनों तक उन्हें राहत दे सकती है। रसोई टीम सदस्य व स्थानीय सिंहमा निवासी राघव सिंह ने बताया कि टीम साईं की रसोई का एक झोला प्रत्येक परिवार के लिए सुकून भरा है। कुछ दिन इन्हें इससे काफी राहत मिलेगी। आगे भी जरूरी पड़ने पर टीम साईं की रसोई मदद करने के लिए तन मन धन से आगे रहेगी। साथ ही टीम साईं की रसोई ने इस विकट परिस्थिति में अन्य लोगों व सामाजिक संस्थानों से आगे आकर इनकी मदद करने की अपील की। इस नेक कार्य में साथ देने वाले सभी लोगों के प्रति टीम साईं की रसोई ने आभार प्रकट किया। मौके पर खाद्य मंत्री पंकज कुमार, बैभव अग्रवाल, अंकित शर्मा, ज्ञान सिंह, कुन्दन गुप्ता, विक्की भाटिया समेत अन्य मौजूद थे।

शीतलाम्बर झा के अध्यक्षता में कांग्रेस नेताओं ने राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित किया

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला कांग्रेस कमिटी के सभागार में देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न 21 वीं शदी के स्वप्नद्रष्टा स्व राजीव गांधी की 32 वीं पुण्यतिथि बलिदान दिवस के रूप में पार्टी जिलाध्यक्ष प्रो शीतलाम्बर झा के अध्यक्षता में सादगी से मनाई गई। सर्वप्रथम कांग्रेसजनों ने उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रदासुमन निवेदित किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रो झा ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर बिस्तर से प्रकाश डालते हुए कहा वे सादगी के प्रतिमूर्ति व दृढ़ निश्चय के महामानव थे जिन्हें आज ही के दिन 1991 में आधुनिक भारत के शिल्पकार ,सूचना प्रद्योगिकी, सुपर कंप्यूटर क्रांति व पंचायतीराज के जनक स्व राजीव गांधी की तामिलनाडु के पेयम्बटूर में देश के दुश्मन आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी आज सम्पूर्ण देश बलिदान दिवस के रूप में उन्हें शिद्दत से याद कर रहा है वे अपने अल्प राजनीतिक कार्यकाल में देश को चौमुखी विकास के लिए पुरजोर कोशिश की राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की वसूलों को अंगीकार कर देश मे में ग्रामस्वराज्य को मजबूत करने के लिए त्रिस्तरीय पंचायत को अधिकार सुपुर्द किया युवक एवं युवतियों को अठारह वर्षों में ही मताधिकार का अधिकार देकर देश को लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत किया वे गरीबों मजदूरों बंचितों आदिवासियों अकलियतों एवं पिछड़ों अतिपिछड़ों के आगे लाने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की सेना को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्होंने कई महत्वपूर्ण योगदान दिया जिससे देश की सेना आज दुनिया के तीसरी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में उभरी,गरीबों के बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए नवोदय जवाहर विद्यालय की स्थापना की देश मे राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू कर आमजनों को सुलभ शिक्षा उपलब्ध कराया उन्होंने किसानों को आगे बढ़ाने के लिए कई योजनाएं शुरू की राजीव गांधी ही अमेरिका जैसे शक्तिशाली राष्ट्र को भी वाइट हाउस में भारत की शक्ति से परिचित करने से नही चुके उन्होंने ही आतंकी देश पाकिस्तान को चौबीस घण्टे में घुटने के बल खड़ा करने का काम की चीन के धमकी के बाद भी राजीव गांधी ने अरुणाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा देकर भारत का अभिन्न अंग घोषित किया वे आमजनों के लिए सुलभ उपलब्ध होते थे पक्ष विपक्ष के नेताओं को समान रूप से सम्मान करते थे ,वे सच्चे मायने में देशभक्त व कुशल प्रशासक थे जो देश के एकता और अखंडता से कभी समझौता नहीं कि और अपना बलिदान देकर देश के मान को झुकने नही दिया। कार्यक्रम विदेश चौधरी मिथिलेश कुमार झा डॉ मुनेश्वर यादव अशोक कुमार रंजीत पासवान महेश साह, मुकेश कुमार झा पप्पू,सुधीर कुमार झा ।विनय झा मो साबिर धनेश्वर ठाकुर कालिशचंद्र झा राजेश कुमार झा बालेश्वर पासवान इश्तिहाक अहमद बिनोद झा मनोज साफी बिमल सिंह आदि थे।

जयनगर मे राजद का प्रखण्ड स्तरीय अंबेडकर परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर रविवार को कमला रोड बांध वार्ड 06 स्थित राजद प्रखण्ड कार्यलय परिसर में राजद के द्वारा प्रखण्ड स्तरीय अम्बेडकर परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिचर्चा कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद के प्रखण्ड अध्यक्ष उमेश यादव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकताओं के द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. भीम राव अम्बेडकर के फोटो पर पुष्प माल्यर्पण कर किया गया। मंचासीन मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राम वतार पासवान, पूर्व विधायक सीताराम यादव, राजद के वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रदीप प्रभाकर, पूर्व प्रमुख सूर्यनाथ यादव, श्री नारायण महतो, राम कुमार यादव, शम्भू प्रसाद यादव समेत उपस्थित कई कार्यकताओं का स्वागत सम्मान पाग दोपट्टा फूल माला पहनाकर कर किया गया। परिचर्चा कार्यक्रम को सम्बोधित करते वक्ताओं ने डॉ. भीम राव अम्बेडकर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत रत्न बाबा साहेब डॉ.भीम राव अंबेडकर कड़ी मेहनत लग्न परिश्रम कर कई कठिनाईयों का सामना कर शिक्षा ग्रहण कर विद्वान तो बने ही साथ ही कई डिग्रियां भी हासिल की। वे शोषित वंचित के आवाज थे। उन्होंने न्याय दिलाने के लिए सविंधान का निर्माण किया। वे महान समाज सुधारक थे। उनका योगदान अविस्मरणीय हैं उनके योगदान प्रेरणादायक हैं। उनके प्रेरणादायी विचारों को संकल्प लेते हुए हम सभी दृढ़ संकल्पित हैं। शिक्षित और बिना भेदभाव का समाज बने और आपसी भाई चारे कायम रहे हम सभी यही कामना करते हैं। यह कार्यक्रम का आयोजन कार्यकताओं को प्रशिक्षित कर अम्बेडकर के विचारों के हम जन जन तक पहुँचाने का संकल्प लेते है। केंद्र सरकार बेरोजगारी और महंगाई से ध्यान भटकाने का कार्य कर रही है। यह सरकार आम जन विरोधी सरकार है।आम जन महंगाई से त्रस्त है युवा बेरोजगारी के मार झेल रहे है। किसानों आम जनों और युवाओ

संक्षिप्त खबरें

शादी समारोह के दौरान युवक की बाइक चोरी

जिले के बैकुंठपुर थाने के शंकरपुर गांव में शनिवार की रात एक शादी समारोह में शामिल होने आए सारण जिले के पानापुर निवासी सुनील कुमार की बाइक चोरी कर ली गयी। बाइक चालक ने थाने में अज्ञात के विरुद्ध आवेदन दिया है। थानाध्यक्ष धनंजय राय ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

आपसी विवाद में मारपीट, चार लोग घायल

जिले के बैकुंठपुर थाने के रेवतिथ गांव में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में चार लोग घायल हो गए। घायलों में परसा गांव के मुकेश पटेल, मिथिलेश कुमार, मुकेश कुमार व रेवतिथ गांव के लकी कुमार शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

शोभा यात्रा के दौरान साउंड बॉक्स गिरने से युवक जख्मी

जिले के बैकुंठपुर थाने के दिघवा गांव में शोभा यात्रा के दौरान शरीर पर साउंड बॉक्स गिरने से 24 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जख्मी अकाश कुमार को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उसे सदर अस्पताल गोपालगंज रेफर कर दिया है।

सड़क हादसों में चार लोग घायल

जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र में रविवार को हुई अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में चार लोग घायल हो गए। घायलों में सफियाबाद गांव के सुदामा पंडित, मुस्कान खातून, शेर गांव के ओमप्रकाश सिंह व अमन प्रकाश शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मारपीट की घटनाओं में दो लोग घायल

जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट की अलग-अलग घटनाओं में एक महिला सहित दो लोग घायल हो गए। घायलों में दक्षिण बनकट्टी गांव की मुस्कान खातून व कपड़ीपुर गांव के जय किशोर सिंह शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

सर्पदंश की घटनाओं में दो लोग पीड़ित

जिले के बैकुण्ठपुर प्रखंड में रविवार को सर्पदंश की हुई अलग-अलग घटनाओं में एक महिला सहित दो लोग पीड़ित हो गए। पीड़ितों में वृत बिलरपुर गांव के धर्मनाथ गिरी व दुबौली गांव की लीलावती देवी शामिल हैं। पीड़ितों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

रुपया मांगने पर धमकी देने का लगाया आरोप

जिले के बैकुण्ठपुर थाने के फैजुल्लाहपुर गांव के शैलेंद्र राय ने थाने में आवेदन देकर बकाया रुपया मांगने पर धमकी देने का आरोप लगाया है। आवेदन के माध्यम से कहा गया है कि कुछ लोग उसे गलत मुकदमे में फंसाने की भी धमकी दे रहे हैं। युवक ने पुलिस से जानमाल की सुरक्षा की गुहार लगाई है।

नशे की हालत में तीन लोग किए गए गिरफ्तार

जिले के बैकुंठपुर पुलिस ने रात्रि गश्ती के दौरान नशे की हालत में हंगामा कर रहे तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष धनंजय राय ने बताया कि गिरफ्तार लोगों में सीमावर्ती सिवान जिले के जामो थाने के मुसहेरी गांव के राजा साह, पिपरा गांव के किशोर महतो व शंकरपुर के बाबूजान मियां शामिल हैं। तीनों को न्यायिक हिरासत में उपस्थापना के लिए गोपालगंज भेजा गया है।

नवादा परसौनी से शराब के नशे में तीन गिरफ्तार

जिले के उचकागॉव थाना क्षेत्र के नवादा परसौनी बाजार में पुलिस ने सूचना के आधार पर छापेमारी कर शराब के नशे में हल्ला हंगामा करते तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। जिनकी पहचान थाना क्षेत्र के नवादा परसौनी गांव के सतीश कुमार, रमेश कुमार और मनबोध परसौनी गांव के दिलीप कुमार के रूप में की गई है। पुलिस ने गिरफ्तार तीनों आरोपितों को रविवार के दिन न्यायालय में प्रस्तुत किया।

मां गढ़ देवी के दरबार में आदर्श विवाह संपन्न

छपरा। इसुआपुर प्रखंड के गलीमपुर गांव के स्वर्गीय अशोक सिंह तथा चिंता देवी की पुत्री नेहा कुमारी तथा मढ़ौरा थाना क्षेत्र के विक्रमपुर गांव के स्वर्गीय अवधेश सिंह तथा सुमित्रा देवी के पुत्र रंजय कुमार ने मढ़ौरा के गढ़ देवी स्थान परिसर में आदर्श विवाह किया। हालांकि कन्या तथा वर पक्ष के लोगों की सहमति से बिना दान दहेज लिए तथा लड़का- लड़की की रजामंदी से शादी संपन्न हुई। बताया गया कि मध्यमवर्गीय दोनों परिवार समर्थवान हैं। बावजूद बिना दान दहेज के शादी करने का निर्णय दोनों परिवारों ने निर्णय लिया। जिसकी समाज में काफी सराहना व चर्चा हो रही है। पंडित अमरनाथ ओझा ने पूरे विधि विधान से वैवाहिक मंत्रोच्चारण के साथ शादी संपन्न कराई। इस मौके पर नागेंद्र सिंह आनंद बिहारी सिंह हरेन्द्र सिंह, लालबाबू सिंह, शशि भूषण सिंह, अनूप सिंह, नंदकिशोर सिंह, दयाशंकर सिंह, अनिल सिंह, मृत्युंजय सिंह, अभय सिंह, विजय सिंह, मदन ठाकुर, मंतोष ठाकुर व अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

अज्ञात वाहन ने दो लोगों को मारी ठोकर, एक की मौत, दूसरा घायल

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। तेज गति में जा रही एक अज्ञात वाहन ने दो युवक को ठोकर मारकर हुआ फरार, जिसमे एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरे का स्थिति दैनीय बनी हुई है। घटना शनिवार की देर रात्रि की है। मृतक युवक की पहचान अभी तक नही हो पाई है। वही घायल युवक ढोरलाही कैथल गांव के भरथ राम के पुत्र रंजन कुमार उम्र 29 वर्ष बताया जाता है। घटना के सम्बंध में प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि एस एच 73 अमनौर सोनहो मुख्य पथ के स्थित अमनौर हरनारायण भेड़ियर टोला के पास तेज गति में आ रही एक अज्ञात वाहन ने ठोकर मारकर हुआ फरार हो गया। एक युवक बाइक से था दूसरा सड़क किनारे खड़ा था, पीछे से तेज रफ्तार में आई एक स्कार्पियो ने ठोकर मारकर भागते रहा। ठोकर इतनी जबरदस्त था कि दोनों युवक फुटबॉल की तरह ऊपर उछलते हुए गिरे। ठोकर लगने से घायल दोनों युवक सड़क पर खून से लतफ़्त हुए तड़प रहे थे। आस पास के युवाओं ने घटना को देख बीच बचाव को दौरे, घायल युवक को उठाकर सामुदायिक अस्पताल लाया गया, जहा प्राथमिक उपच्चार के बाद दोनों घायलों को डॉक्टर ने पटना रेफर कर दिया। दोनों युवक की स्थिति दैनीय बताई जा रही थी। पटना उपच्चार के दौरान एक युवक की मौत हो गई, जिसका अभी तक शिनाख्त नही हो पाया है। घायल युवक के परिजन भरथ राम ने बताया कि मेरा लड़का आकूचक अपने ससुराल गया था, बाइक से लौट रहा था, लौटने के क्रम में सड़क दुर्घटना में घायल हो गया, वही दूसरा मृतक युवक के नही पहचानने की बात कही। प्रभारी थाना अध्यक्ष कुंदन तिवारी ने कहा कि घटना के बाद पुलिस पहुँच घायलों का अस्पताल में तहकीकात किया, दोनों को बेहतर उपच्चार के लिए डॉक्टर ने पटना रेफर कर दिया, लेकिन मृत्यु की कोई खबर या आवेदन नही आया है।

बारात में शामिल होकर घर लौट रहे युवक की सड़क हादसे में हुई दर्दनाक मौत

तीन युवक की स्थिति गंभीर गोरखपुर रेफर

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के नगर थाना क्षेत्र के चैन पट्टी गांव के पास शनिवार की देर रात तीन मोटरसाइकिल के बीच हुए टक्कर में एक मोटरसाकिल पर सवार एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि एक अन्य मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक जख्मी हो गए जिसमे दो लोगो की स्थिति गंभीर देखते हुए डॉ ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर रेफर कर दिया। मृतक की पहचान मांझागढ़ थाना क्षेत्र के मूंगरहा गांव निवासी सतेंद्र महतो के 20 वर्षीय बेटा सोनू कुमार के रूप में की गई जबकि जख्मियों में मांझागढ़ थाना क्षेत्र के बलुही गांव निवासी रामाधार सहनी के बेटा बृजलाल, मधु सरेया गांव निवासी रामनाथ के बेटा आनंद कुमार, थावे थाना क्षेत्र के थावे गांव निवासी राजेंद्र प्रसाद के बेटा विकास कुमार शामिल है। दरअसल घटना के संदर्भ में बताया जाता है, मृतक सोनू कुमार पड़ोस के एक युवक अंकित कुमार के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर दो अन्य युवक बृजलाल और आनंद कुमार के साथ अन्य अलग अलग मोटरसाइकिल द्वारा बरात में सामिल होकर वापस अपने घर लौट रहा था। इसी बीच जैसे ही वह नगर थाना क्षेत्र के चैन पट्टी गांव के पास पंहुचा ही था की अचानक मोटरसाईकिल सवार विकास कुमार के साथ टकरा गया। एक के बाद एक तीनो मोटरसाईकिल के आपस में टकराने के बाद मोटरसाईकिल सवार सभी लोग जख्मी हो गए जिसमे सोनू कुमार की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इस जिस के बाद मौके पर पहुंचीं पुलिस सभी जख्मियों को तत्काल ईलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद विकास कुमार, बृजलाल साहनी और आनंद कुमार की स्थिति गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर रेफर कर दिया गया।

फुलवरिया में श्री मारुति नंदन महायज्ञ एवं हनुमान मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा आज से शुरू

गोपालगंज प्रात :किरण संवाददाता

जिले के फुलवरिया प्रखंड के ग्राम पंचायत राज बथुआ बाजार अंतर्गत श्याम पकड़ी गांव में आज श्री श्री 1008 श्री मारुति नंदन महायज्ञ एवं हनुमान मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर वैदिक मंत्रोचार के बीच भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी. इसकी जानकारी देते हुए यज्ञ समिति के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष मनीष कुमार, उप अध्यक्ष रूपेश कुमार सिंह तथा बीडीसी सदस्य अली अकबर अंसारी ने बताया कि कलश यात्रा के दौरान हाथी, घोड़े, बैंड बाजा के अलावे 51 सौ कुंवारी कन्याओं द्वारा निकाली जाएगी. कलश यात्रा के साथ ही नौ दिवसीय श्री श्री 1008 श्री मारुति नंदन महायज्ञ एवं हनुमान मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ की शुभारंभ हो जाएगा. जिसकी देखरेख यज्ञाचार्य विद्वान पंडित महाराज श्री मन्नू शास्त्री एवं श्री विष्णु प्रभाकर महाराज की देखरेख में होगी. इस महायज्ञ के समिति के सदस्य शिवपूजन सिंह, देवपूजन सिंह, शिवजी शर्मा तथा शिवजी साह ने बताया कि महायज्ञ के दौरान श्री राम कथा एवं श्रीमद् भागवत कथा के सुप्रसिद्ध वाचक श्री सुखराम दास जी महाराज एवं संगीतमय कथा वाचक श्री राज किशोर व्यास जी के द्वारा श्रद्धालुओं को कथा से मंत्रमुग्ध करेंगे. बीडीसी सदस्य अली अकबर अंसारी ने बताया कि इस महायज्ञ में मीना बाजार, ब्रेक डांस, टावर झूला, बच्चों को झूलने के लिए घोड़े की झूले के अलावे अन्य रात्रि विश्राम के लिए व्यवस्थाएं किया गया है. उन्होंने बताया कि श्री श्री 1008 श्री मारुति नंदन महायज्ञ एवं हनुमान मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गांव में भक्ति की संगम बह रही है. मौके पर समिति के सदस्यों में उमेश प्रसाद, वीरेंद्र प्रसाद, हीरालाल प्रसाद, विनोद प्रसाद, सुरेंद्र प्रसाद, रामचंद्र प्रसाद, साहेब लाल प्रसाद, ओसीहर प्रसाद, सुरेंद्र प्रसाद तथा उमाशंकर प्रसाद सहित अन्य मौजूद रहे।

श्रीपुर पुलिस ने कार से विदेशी शराब के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

पुलिस गुप्त सूचना के आधार पर भोरे-मिरगंज मुख्य पथ पर की कार्रवाई

गोपालगंज प्रात :किरण संवाददाता

जिले के श्रीपुर पुलिस ने शनिवार की देर शाम एक गुप्त सूचना के आधार पर क्षेत्र के भोरे-मीरगंज मुख्य पथ अंतर्गत मिश्र बतरहा बाजार के चार मोहनी के पास वाहन जांच के क्रम में एक लग्जरी कार से 30 कार्टून विदेशी शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही पुलिस ने शराब से भरी लग्जरी कार सहित गिरफ्तार दोनों तस्करों को थाना परिसर लायी। इसकी जानकारी देते हुए श्रीपुर ओपी अध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि शनिवार की दोपहर एक गुप्त सूचना मिली जिसके आधार पर भोरे-मिरगंज मुख्य पथ पर वाहन जांच शुरू किया गया। कुछ ही देर बाद भोरे की ओर से एक तेज गति में एक्सयूवी लग्जरी कार तेज गति में आती दिखाई दी। जिसे रोकने के लिए मौजूद पुलिस के जवानों ने इशारा किया। पुलिस की इस इशारा को देखते ही एक्सयूवी कार में सवार तस्कर और तेज गति से गाड़ी को भगाने लगे।

जिसके बाद घेराबंदी कर लग्जरी कार सहित दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। विदेशी शराब से भरी जप्त लग्जरी कार को खोलकर देखा गया तो 30 कार्टून में 259 पॉइंट 20 लीटर विदेशी शराब पाई गई। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तस्करों में उत्तर प्रदेश के देवरिया जिला अंतर्गत खामपार थाना क्षेत्र के छपिया गांव के निवासी रामनाथ कुशवाहा का पुत्र दुर्गेश कुमार तथा उसी गांव के अमरजीत प्रसाद का पुत्र गोविंद कुमार बताए जाते हैं। पुलिस दोनों तस्करों के अलावे लग्जरी कार के मालिक के विरुद्ध बिहार उत्पाद अधिनियम के तहत थाने में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद रविवार को न्यायिक हिरासत गोपालगंज भेज दिया है।

संविधान से छेड़ छाड़ को लेकर थावे में राजद कार्यकर्ताओं की हुई बैठक

गोपालगंज प्रात :किरण संवाददाता

जिले के थावे प्रखंड के राजद कार्यालय पर रविवार को राजद प्रखंड अध्यक्ष रंजित कुमार यादव की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओ की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमे बाबा भीम राव अंबेडकर की संविधान की छेड़ छाड़ को लेकर की गई चर्चा। राजद के जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह ने कहा की इस समय दे-रु39या खतरा में है। हमलोग संकल्प ले की दे-रु39या के संविधान से छेड़ छाड़ नही होने देंगे। तथा हर समय दे-रु39या बचाने का प्रयास करेंगे। दे-रु39या में महंगाई के मार से लोग तरस हो गए। भारत सरकार दे-रु39या की जनता की भलाई नही सोच रही है। ये तो पूंजीपतियों की सरकार है। बेलसड़ विधायक एवम राजद के जिला प्रभारी संजय गुप्ता ने कहा की आने वाले चुनाव में राजद कार्यकर्ता को एक प्लेट फार्म पर होना होगा। बैठक में अंबेडकर कार्य समिति का गठन किया गया। बैठक के दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष रेयाजुल हक राजू, मोहन प्रसाद, पूर्व प्रमुख उद्धव प्रसाद यादव, सतो-नवजया यादव, सुरे-रु39या यादव, स्मार्ट यादव, अमित यादव, अरविंद राम व बुलेट राम सहित प्रखंड के राजद कार्यकर्ता -रु39यामिल रहे।

मशरक में सभी 11 अल्ट्रासाउंड अवैध, डीएम के निर्देश पर प्रशासन ने जांच के बाद किया सील

गोपालगंज प्रात :किरण संवाददाता

मशरक प्रखंड मुख्यालय नगर पंचायत बाजार एवम डुमरसन राजापट्टी बाजार पर अवैध तरीके से चलाए जा रहे अल्ट्रासाउंड सेंटर पर प्रशासन हुआ सख्त। जिलाधिकारी सारण अमन समीर के निर्देश पर रविवार को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक मशरक में एक दर्जन से अधिक अल्ट्रा साउंड सेंटर का जांच किया गया। जिसमे सभी अल्ट्रा साउंड फर्जी निकला। अपर अनुमंडल पदाधिकारी मढ़ौरा नलिन प्रताप राना के नेतृत्व में की गई छापेमारी में सीओ मशरक रविशंकर पांडेय, बीडीओ मो आसिफ, मशरक सीएचसी के डॉक्टर संजय कुमार के साथ मशरक थाना पुलिस के पदाधिकारी थे। छापेमारी दल को देख कई अल्ट्रा साउंड संचालक दुकान बंद कर भाग गए तो कई अपने दुकान का मशीन पास के किराना दुकान में छुपा महीनो से मशीन खराब होने के कारण सेंटर बंद होने की बात बताते हुए कारवाई से मुक्त होने की जुगाड करते दिखे। हालांकि अपर एसडीओ जांच के दौरान किसी को भी राहत देने के मूड में नहीं दिखे। सीओ रविशंकर पांडेय ने बताया कि जांच के दौरान सभी अल्ट्रासाउंड केंद्र में कई तरह की खामियां पाई गई जिस कारण मशरक में 10 एवम डूमरसन के दो अल्ट्रासाउंड केंद्र सील किया गया। जिसमे अजय अल्ट्रासाउंड, खुशी अल्ट्रा साउंड, सुरक्षा, शिवम, ओम, महावीर सहित अन्य अल्ट्रा साउंड की जांच कर सील करने की बात पदाधिकारी ने बताया। इधर अल्ट्रासाउंड पर छापेमारी को देख कई झोला छाप अस्पताल संचालक ताला बंद कर फरार दिखे।

शराब के नशे में 5 लोग गिरफ्तार

गोपालगंज प्रात :किरण संवाददाता

जिले के भोरे पुलिस ने शराब के नशे में 5 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। सभी लोग यूपी की तरफ से शराब पीकर आ रहे थे। मशीन द्वारा जांच करने पर शराब पीने की पुष्टि हुई। उसके बाद पांचों को कोर्ट में पेश किया गया। सभी लोगों को जगतौली ओपी के पास से गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए लोगों में विजयीपुर थाना क्षेत्र के गंगा छापर गांव के किशुन राय और सोने लाल गुप्ता, भोरे थाना क्षेत्र के भिशवा गांव के राजकुमार पांडेय, रंजय पांडेय और प्रेम यादव शामिल हैं।

स्कूल टॉपर अल्शु गुप्ता स्मृति चिन्ह व चेक से की गई सम्मानित

31 वें स्थापना दिवस पर स्कूल प्रशासन ने समारोह पूर्वक दिया सम्मान

गोपालगंज प्रात :किरण संवाददाता

जिले के फुलवरिया प्रखंड क्षेत्र के संग्रामपुर रायमल निवासी व संग्रामपुर अस्पताल मीरगंज के चिकित्सक डॉ संजय कुमार की पुत्री अल्शु गुप्ता को आईसीएसई बोर्ड दसवीं की परीक्षा में 92 प्रतिशत अंक लाने व स्कूल टॉपर बनने पर स्कूल प्रशासन द्वारा अल्शु को समारोह पूर्वक स्मृति चिन्ह 5000 का चेक तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वीरेंद्र नाथ गांगुली मेमोरियल स्कूल के डायरेक्टर कैथरीन गांगुली ने समारोह में कहा की शिक्षा वो शेरनी का दूध है जो पियेगा वह शेर की तरह दहाड़ेगा। इसके लिए छात्रों को जीवन में हमेशा संघर्षशील रहना चाहिए। शिक्षा हमेशा त्याग व तपस्या से ही प्राप्त होता है। इस मौके पर अल्शु ने कहा कि वह एक सफल डॉक्टर बनना चाहती है। उसके बाद आईएस बन कर देश की सेवा करना चाहती है। स्कूल के प्राचार्य सुमित गांगुली ने कहा कि विद्यार्थी जीवन तपस्या का जीवन है। इस छात्रा ने मैट्रिक परीक्षा में बेहतर परिणाम हासिल कर स्कूल परिवार और जिले का नाम रोशन किया है। हम सभी इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। विदित हो कि अल्शू गुप्ता मीरगंज शहर के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ संजय कुमार की पुत्री है। वह वीरेंद्र नाथ गांगुली मेमोरियल स्कूल की छात्रा हैद्य अल्शू अपने दादा डॉ केदारनाथ गुप्ता व पिता डॉ संजय कुमार को आदर्श मानती है।

मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्तियों के सुबिधा के लिए सदर अस्पताल में लगा विधिक जागरूकता शिविर

प्रात :किरण संवाददाता

छपरा बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पटना के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सारण के तत्वधान में सदर अस्पताल के सभागार में मानसिक रूप से बीमार लोगो के हित और उनको मिलने वाले सुविधाओं तथा कानून के सम्बंध में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त जागरूकता शिविर को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता पूर्णेन्दु रंजन ने मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों के हित में आए कानून के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दिया। सारण जिला के असैनिक शल्य चिकित्सक सह सिविल सर्जन सागर दुलाल सिन्हा ने भी स्वास्थ विभाग द्वारा मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्तियों को मिलने वाले सुविधाओं के बारे में बतलाया। शिविर में सदर अस्पताल के उपाधीक्षक जिला विधि सेवा प्राधिकरण के लिपिक नजरें इमाम सहित सदर अस्पताल के एएनएम एवम कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

धर्मबारी में कलश यात्रा के साथ श्री राम-जानकी प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ शुरू

गोपालगंज प्रात :किरण संवाददाता

जिले के बैकुंठपुर प्रखंड के धर्मबारी मोड़ के समीप मंगरू राय के टोला में नवनिर्मित राम-जानकी मंदिर में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ को लेकर रविवार को कलशयात्रा सह शोभायात्रा निकाली गयी। शोभायात्रा में 5121 कन्या, महिला व पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। यज्ञस्थल से निकली कलश यात्रा सफियाबाद गांव होते हुए, धानुक टोली, बिजुलपुर होते हुए सिरसा सिढा गांव में स्थित प्राचीन लहरिया बाबा के मठ तक पहुंची। जहां वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पोखर से जलबोझी किया गया। कलश यात्रा में खजुहट्टी, दयागिरी के टोला, धर्मबारी, सफियाबाद, बिस्टॉल, सबीली, सिरसा, धानुक टोली, दयागिरी के टोला सहित कई गांवों के श्रद्धालु शामिल हुए। जलबोझी के बाद श्रद्धालु कलश लेकर यज्ञ स्थल तक पहुंचे। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ राम जानकी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया गया। प्राण प्रतिष्ठा के दौरान आचार्य पंडित राधेश्याम पांडेय, राजन पांडेय व नागेंद्र पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चारण कर विधिवत पूजा करायी। रविवार को पहले दिन यज्ञ में पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। यज्ञ आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि जगह-जगह पर श्रद्धालुओं के लिए शरबत व ठंडे पानी का स्टॉल लगाया गया था। कलश यात्रा में जदयू के प्रदेश प्रवक्ता व क्षेत्रीय पूर्व विधायक मंजीत कुमार सिंह, एसपी सिंह, मुख्य यजमान कुंवर सिंह, स्थानीय मुखिया नागेंद्र सिंह, श्यामबहादुर सिंह, महेश सिंह, रामलखन सिंह, रविंद्र सिंह, अनिल सिंह सहित कई लोग शामिल थे।

फुलवरिया पुलिस ने दो शराबियों को किया गिरफ्तार

गोपालगंज प्रात :किरण संवाददाता

जिले के फुलवरिया पुलिस ने क्षेत्र के भागीपट्टी समउर-मीरगंज मुख्य पथ अंतर्गत बथुआ बाजार स्थित इंसाफ मोड़ के पास शराब के नशे में सैर सपाटा मार रहे दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस गिरफ्तार शराबियों की स्वास्थ्य जांच के लिए स्थानीय मरछियां देवी रेफरल अस्पताल फुलवरिया में दाखिला कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद दोनों शराबियों को शराब पीने की पुष्टि की। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष अब्दुल मजीद ने बताया गिरफ्तार शराबियों में उत्तर प्रदेश के लखनऊ जिला अंतर्गत गोराम्बा थाना क्षेत्र के लखनऊ निवासी देव साहू का पुत्र दीपक कुमार साहू तथा कटेया थाना क्षेत्र के अमेंया गांव के निवासी बहादुर गोड़ का पुत्र राजू गोड़ के रूप में पहचान की गई है। पुलिस ने गिरफ्तार शराबियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के बाद रविवार को पुलिस अभिरक्षा के बीच न्यायिक हिरासत गोपालगंज भेज दिया है।

अवतार नगर में कपड़ा दुकानदार को गोली मार किया जख्मी

प्रात :किरण संवाददाता

छपरा। अवतार नगर थाना क्षेत्र के धनौरा बाजार पर कपड़ा के दुकानदार 30 वर्षीय मोहम्मद फरियाद को गोली मारकर जख्मी कर दिया। जख्मी दुकानदार अवतार नगर थाना क्षेत्र के नराँव गाँव निवासी डॉ अजमुद्दीन का 30 वर्षीय पुत्र मोहम्मद फरियाद बताया जाता है। घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार फरियाद हर दिन की तरह आज भी अपनी दुकान को बंद कर अपने ही मार्केट के बगल के एक दुकान में बैठकर क्रिकेट का आईपीएल मैच मोबाइल पर देख रहा था। तभी दुकान के पीछे खेत की तरफ से आकर तीन युवक उस पर गोली चला दिया जिसमें एक गोली फरियाद के छाती में लगी उसके बाद दूसरा गोली हवाई फायर करते हुए अपराधी तीनों युवक एक बाइक पर सवार होकर मूसेपुर चौक की तरफ निकल गए। वही गोली चलते हैं धनौरा बाजार पर स्थित जो भी दुकानदार थे सभी अपना दुकान बंद कर भाग चले। वहीं घटना की सूचना पर अवतार नगर पुलिस मौके पर पहुंचे घायल फरियाद को लेकर जख्मी अवस्था में अस्पताल ले गए जहाँ गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने पटना रेफर कर दिया वहीं गोली चलने की इस घटना को लेकर लोगों में तरह-तरह की चचाएं हैं। वही धनोरा बाजार के व्यवसायियों में इस घटना को लेकर काफी दहशत में है और आक्रोशित भी हैं। घटना 9:15 बजे रात की है। इसके पहले भी कई बार धनौरा बाजार के व्यवसायियों के साथ ऐसी घटना होती रहती है। लॉकडाउन के समय भी 2020 में एक हत्या हुई थी। आए दिन धनोरा बाजार के व्यवसायियों के साथ मारपीट की घटना होती रहती है लेकिन डर से कोई व्यवसाय अपना मुंह खोलने को तैयार नहीं रहते हैं। घटना के बाद पुलिस धनौरा बाजार मे कैम्प कर रही है वही जिला पुलिस बल के जवान फ्लैग मार्च कर रहे। स्थानीय पुलिस के अपील पर सभी दुकानदारों ने अपना अपना दुकान खोल दिए गए है। थानाध्यक्ष मुहम्मद जफ्फरुद्दीन ने बताया कि मामले मे अभी फर्द ब्यान नही आया है। फर्द ब्यान आते ही प्राथमिकी दर्ज कर कार्यवाई की जाएगी।

मटकोर में डांस कर रहे युवक को पीटा

गोपालगंज प्रात :किरण संवाददाता

जिले के नगर थाना क्षेत्र के मठिया गांव में शनिवार कोमटकोर के दौरान एक युवक डांस कर रहा था। इसी बीच आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। वहीं बीच बचाव करने गए परिजनों के साथ भी मारपीट हुई। घटना में चार लोग जख्मी हो गए, जिन्हें इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जख्मियों में नगर थाना क्षेत्र के मठिया काली स्थान गांव निवासी सुखदेव भारती की पत्नी रेशमी देवी, शंभू भारती की पत्नी मंजू देवी और बेटा रवि भारती, सूरत भारती शामिल हैं। पड़ोस के घर में शादी समारोह के रस्म में मटकोर का कार्यक्रम चल रहा था। पड़ोस के ही कुछ युवक सूरत को अपने साथ लेकर पहुंचे। सूरत भारती मटकोर के दौरान नाच गाना कर रहा था। आरोप है कि उसके पड़ोसी को गुस्सा आ गया क्योंकि उनको निमंत्रण नहीं दिया गया था। आक्रोशितों ने युवक के साथ मारपीट की। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे उसके परिजनों ने बीच बचाव करने की कोशिश की जिसके बाद आरोपियों ने परिजनों को भी मारपीट कर जख्मी कर दिया। फिलहाल इस घटना में 4 लोग जख्मी हैं। सभी जख्मियों को गोपालगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में सभी का इलाज चल रहा।

सम्पादकीय

सरकार की सुप्रीम कोर्ट को चुनौती?

केंद्र सरकार ने दिल्ली के लिए एक नया अध्यादेश जारी किया है। दिल्ली सरकार में ट्रांसफर, पोस्टिंग और विजिलेंस के काम के लिए नेशनल कैपिटल सिविल सर्विसेज अथॉरिटी का गठन किया गया है। यह प्राधिकरण अब दिल्ली सरकार में ट्रांसफर, पोस्टिंग से संबंधित फैसले करेगी। जो नया प्राधिकरण बना है। उसमें जनता द्वारा निर्वाचित मुख्यमंत्री का कोई विशेषाधिकार नहीं होगा। मुख्यमंत्री दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव और गृह सचिव के साथ बहुमत के आधार पर निर्णय लेंगे। इसके बाद भी अंतिम फैसला उपराज्यपाल का माना जाएगा। यह अध्यादेश संघीय व्यवस्था में निर्वाचित सरकारों के अधिकारों को तो सीमित करता है। संविधान के अनुरूप यह अध्यादेश नहीं है। जिसके कारण इस अध्यादेश को लेकर तीव्र प्रतिक्रिया सभी और देखने को मिल रही है।

पिछले 8 वर्षों से दिल्ली सरकार के अधिकारों को लेकर जो विवाद पैदा हुआ था। उस विवाद में दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने समय-समय पर सुनवाई कर फैसले दिए। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने सारी स्थितियों पर सुनवाई करने के बाद बहुमत से निर्णय दिया था। संविधान के अनुसार चुनी हुई निर्वाचित सरकार ही सर्वोपरि है। उपराज्यपाल को सरकार की सलाह पर काम करने का निर्णय सुप्रीमकोर्ट ने दिया।सुप्रीम कोर्ट ने बहुत व्यथित तरीके से राज्यपाल की भूमिका पर चर्चा की थी। संविधान पीठ के सभी सदस्यों ने संघीय व्यवस्था में, निर्वाचित सरकारों के अधिकारों के पक्ष में अपना निर्णय दिया। यह अकेले दिल्ली की बात नहीं है। पिछले 8 वर्षों में कई राज्यों में राज्यपालों द्वारा निर्वाचित सरकार की सलाह को अनदेखा करते हुए राज्यपाल ने राज्य सरकारों को अपने इशारों पर नियंत्रित करने की भूमिका पर सुप्रीमकोर्ट ने सख्त आपत्ति जताई है। इस पूरे मामले में, सुप्रीम कोर्ट का दिल्ली सरकार के मामले में दिया गया, फैसला एक आदर्श फैसला था।

महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में भगतसिंह कोशियारी की भूमिका को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट ने जो टिप्पणी की है। वह केंद्र सरकार एवं राज्यपालों तथा उप राज्यपालों की सीमा रेखा को तय करने वाली थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश होने के बाद जिस तरह केंद्र सरकार द्वारा अध्यादेश जारी कर, निर्वाचित मुख्यमंत्री को ना केवल मुख्य सचिव और गृह सचिव के बराबर लाकर खड़ा कर दिया है। वरन उसके ऊपर उपराज्यपाल को बिठा दिया है। भारत की संघीय व्यवस्था के लिए यह सबसे खराब स्थिति है। पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार जिस तरीके के टैक्स एवं शुल्क लगा रही है। उसका हिस्सा राज्यों को नहीं मिलता है। उपकर और विशेष शुल्क के रूप में केंद्र सरकार ने लाखों-करोड़ों रुपए प्रति वर्ष राजस्व एकत्रित किया है। लेकिन इसका हिस्सा राज्यों को नहीं दिया है। जिसके कारण राज्यों की आर्थिक व्यवस्था दयनीय स्थिति में पहुंच गई है।

राज्यपालों की भूमिका को लेकर भी गैर भाजपाई सरकारों और केंद्र सरकार के बीच में लगातार विवाद की स्थिति देखने को मिल रही है। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ के फैसले को जिस तरह से अध्यादेश के माध्यम से निष्फल करने की कोशिश की गई है। वह भी चिंता पैदा करने वाली स्थिति है। ऐसी स्थिति में अब न्यायपालिका के प्रति वह विश्वास भी नहीं होगा, जो अभी सभी वर्गों में न्यायपालिका को लेकर होता था। वर्तमान अध्यादेश से यही संदेश जा रहा है। केंद्र सरकार ने अपने आपको सुप्रीम मानते हुए न्यायपालिका को शायद अपने अधीन मान लिया है। सरकार ने अध्यादेश के माध्यम से कानून बना दिया है। सरकार के बनाये कानून का पालन करना, सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी है। संविधान के मौलिक अधिकार एवं संवैधानिक संस्थाओं के अधिकारों का अब कोई लेना देना नहीं रहा। संवैधानिक जानकारों का कहना है, कि जब केंद्र सरकार को दिल्ली सरकार को संघीय एवं निर्वाचित सरकार के रूप में अधिकार नहीं देना चाहती है। ऐसी स्थिति में दिल्ली विधानसभा को भंग करके केंद्र के अधीन लाना चाहिए, यह जरूर संविधान सम्मत होगा।

कर्नाटक का 2024 के लिए क्या संदेश?

सत्येन्द्र रंजन

क्या कर्नाटक विधानसभा के चुनाव नतीजों में बाकी देश की राजनीति को समझने के कुछ सूत्र मौजूद हैं? और क्या इन नतीजों के आधार पर अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के बारे में कोई अनुमान लगाया जा सकता है? इन दो प्रश्नों के संदर्भ में इन नतीजों को समझने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि जिन मौजूद स्थितियों में ये चुनाव हुए, उन्हें फिर से स्पष्ट कर लिया जाए। ये पूर्व स्थितियां आज पूरे भारत में मौजूद हैं, जिनके आधार पर ये धारणा बनी है कि देश में होने वाले चुनावों में प्रतिद्वंदी दलों के बीच समान धरातल नहीं रह गया है। ऐसी समझ इन कारणों से बनी हैः

राष्ट्रीय से स्थानीय स्तर तक के शासक वर्ग का पूरा समर्थन भारतीय जनता पार्टी के साथ बना हुआ है। चुनावों में हमेशा ही इन वर्गों का समर्थन लगभग निर्णायक महत्त्व का होता है।

इसी परिघटना का परिणाम है कि भाजपा चुनावों में जितना पैसा झोंक पाती है, उस बारे में किसी दूसरे दल के लिए सोच पाना भी कठिन हो गया है। चुनाव नतीजों को तय करने में धन की भूमिका जग-जाहिर है।

भाजपा मीडिया को अपने पक्ष में पूरी तरह नियंत्रित करने में सफल रही है। इसलिए न सिर्फ चुनावों के समय, बल्कि बाकी वक्त पर भी आम जन के बीच सारा संदेश उसके पक्ष में और विपक्षी दलों के खिलाफ जाता रहता है। यानी मोटे तौर पर राजनीतिक समर्थन आधार बनने की प्रक्रिया लगातार जारी रहती है। वैसे भी आम अनुभव यह है कि ठीक चुनाव के वक्त अनिर्णय में रहने वाले कुछ प्रतिशत लोगों का झुकाव ही तय होता है। बहरहाल, आम दिनों और चुनाव के समय दोनों स्थितियों में भाजपा के पक्ष में प्रचार की जैसी बमबारी लोगों के दिमाग पर होती है, वैसा भारत में आजादी के बाद पहले कभी नहीं देखा गया था। आज के दौर में मेनस्ट्रीम मीडिया के साथ ही सोशल मीडिया भी प्रचार और संवाद का एक बड़ा जरिया है। बल्कि कई मायनों में यह अधिक सशक्त माध्यम है। यह स्पष्ट है कि धन की आसान उपलब्धता के कारण भाजपा ने सोशल मीडिया का जैसा नेटवर्क पूरे देश में बना लिया है, विपक्ष उसके मुकाबले में कहीं नहीं टिकता है। समान धरातल खत्म होने का एक बड़ा कारण संवैधानिक संस्थाओं और सरकारी एजेंसियों के बारे में बनी यह धारणा है कि उन्होंने लगभग एकतरफा रुख अपना लिया है। यह बात निर्वाचन आयोग से लेकर न्यायपालिका के एक हिस्से तक पर लागू होती है। कर्नाटक चुनाव में एक विज्ञापन पर कांग्रेस को नोटिस जारी होना, जबकि धार्मिक आधार पर प्रधानमंत्री के वोट मांगने पर निर्वाचन आयोग की चुप्पी ने इस धारणा को और मजबूत किया है।

हालांकि इस बात के कोई साक्ष्य मौजूद नहीं हैं कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में हेरफेर की वर्तमान समय में चुनाव नतीजों को तय करने में कोई भूमिका है, इसके बावजूद समाज के एक बड़े हिस्से में इसको लेकर संदेह का भाव गहराता चला गया है। हाल में आई इस खबर ने संदेह को और बढ़ा दिया कि 2018 से हुए चुनावों में इस्तेमाल हुईं 6.5 लाख वीवीपीएटी मशीनें खराब थीं। इस खबर के चर्चित होने के बाद निर्वाचन आयोग ने भी स्वीकार किया 3.4 लाख मशीनों में सुधार की जरूरत है। अब जबकि कर्नाटक में कांग्रेस जीत गई है, तो विपक्ष या भाजपा विरोधी खेमे इन मौजूदा धारणाओं-स्थितियोंको भुला दें, यह कतई तार्किक नहीं होगा। चूंकि इन बातों की चर्चा सिर्फ विपक्षी पार्टी के हारने की स्थिति में की जाती है, इसलिए समाज के एक बड़े तबके की नजर में इनकी विश्वसनीयता नहीं बनती। बहुत से लोग तब इन बातों को ह्यअंगूर खट्टे हैंह्न वाली कहावत से जोड़ कर देखते हैं।

बहरहाल, कर्नाटक में कांग्रेस की जीत मौजूदा स्थितियों के बावजूद हुई है। इसलिए यह और महत्त्वपूर्ण है। इसके बावजूद इस जीत को वस्तुगत नजरिए से ही देखना उचित होगा। इसको लेकर अति उत्साह में जाना या इसके आधार पर पूरे देश में सियासी नैरेटिव के बदल जाने का अनुमान लगाने का कोई ठोस आधार नहीं है।कितनी मजबूत थी कांग्रेस की जमीन? सही निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए इस पर गौर करना आवश्यक है कि पांच साल पहले हुए कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में विभिन्न दलों क्या स्थिति रही थी। आखिरकार पिछले चुनाव की सीटों और उससे भी अधिक तब प्राप्त वोट प्रतिशत के आधार पर ही पार्टियां अगले चुनाव के मैदान में उतरती हैं।

क्या है रेवड़ी, क्या है जरूरत कौन करेगा तय?

प्रधानमंत्री ने इसे रेवड़ी कल्चर का नाम दिया था। उन्होंने कहा था कि -मुफ़्त की रेवड़ियों का ऐलान कर वोट लेने की कोशिश करने का अभ्यास देश के विकास के लिए हानिकारक है। चुनावी घोषणाओं में देश की जनता को मुफ़्त की चीजों का लालच देकर वोट हासिल करने की साजिश की है। ये रेवड़ी कल्चर आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक साबित होगा। ऐसे लोगों को लगता है कि मुफ़्त की रेवड़ी के बदले उन्होंने जनता जनार्दन को खरीद लिया है। यही बात प्रधानमंत्री ने गत 26 अप्रैल को कर्नाटक में भी एक चुनावी जनसभा के दौरान दोहराते हुये कहा कि-मुफ़्त की रेवड़ी की राजनीति की वजह से कई राज्य बेतहाशा खर्च अपनी दलगत भलाई के लिए कर रहे हैं। राज्य डूबते चले जा रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों का भी ये खा जा रहे हैं। देश ऐसे नहीं चलता, सरकार ऐसे नहीं चलती। परन्तु इसी के साथ प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार द्वारा दी जा रही मुफ़्त सेवाओं की पैरवी इन शब्दों में की-उन्होंने कहा कि -कुछ तात्कालिक चुनौतियों से निपटने के लिए देश के गरीब परिवारों को हर संभव सहायता दी जा रही है और ये सरकार का दायित्व है।

तनवीर जाफरी
लेखक वरिष्ठ स्तंभकार है

उत्तर प्रदेश के जालौन में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करते समय 15 जुलाई 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम उन राजनैतिक पार्टियों पर निशाना साधा था जो चुनाव जीतने मात्र के लिये जनता को लालच देने वाली योजनाओं की घोषणाएं किया करते हैं। प्रधानमंत्री ने इसे रेवड़ी कल्चर का नाम दिया था। उन्होंने कहा था कि -मुफ़्त की रेवड़ियों का ऐलान कर वोट लेने की कोशिश करने का अभ्यास देश के विकास के लिए हानिकारक है। चुनावी घोषणाओं में देश की जनता को मुफ़्त की चीजों का लालच देकर वोट हासिल करने की साजिश की है। ये रेवड़ी कल्चर आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक साबित होगा। ऐसे लोगों को लगता है कि मुफ़्त की रेवड़ी के बदले उन्होंने जनता जनार्दन को खरीद लिया है। यही बात प्रधानमंत्री ने गत 26 अप्रैल को कर्नाटक में भी एक चुनावी जनसभा के दौरान दोहराते हुये कहा कि-मुफ़्त की रेवड़ी की राजनीति की वजह से कई राज्य बेतहाशा खर्च अपनी दलगत भलाई के लिए कर रहे हैं। राज्य डूबते चले जा रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों का भी ये खा जा रहे हैं। देश ऐसे नहीं चलता, सरकार ऐसे नहीं चलती।

परन्तु इसी के साथ प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार द्वारा दी जा रही मुफ़्त सेवाओं की पैरवी इन शब्दों में की-उन्होंने कहा कि -कुछ तात्कालिक चुनौतियों से निपटने के लिए देश के गरीब परिवारों को हर संभव सहायता दी जा रही है और ये सरकार का दायित्व है। कोरोना के समय हमें जरूरत लगी तो हमने मुफ़्त वैक्सीन दिया देश को क्योंकि जान बचानी थी मुफ़्त राशन देने की जरूरत पड़ी तो दिया गया क्योंकि देश में कोई व्यक्ति भूखा नहीं रहना चाहिए। लेकिन देश को आगे बढ़ाना है तो हमें इस रेवड़ी कल्चर से मुक्त होना ही पड़ेगा। आज सरकार के प्रतिनिधि बड़े गर्व से बताते रहते हैं कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कोरोनाकाल में गरीब लोगों को 5 किलो अनाज मुफ़्त दिये जाने की जो योजना शुरू की गयी थी उसका फायदा देश के 80 करोड़ लोग उठा रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि कोरोना काल खत्म हो जाने के बावजूद इस मुफ़्त राशन योजना को फिलहाल दिसंबर 2023 तक बढ़ाये जाने कभी खबर है।

जहां तक कोविड के दौरान मुफ़्त वैक्सीन लगाये जाने का प्रश्न है तो देश में अभी तक जितनी भी महामारी सम्बन्धी वैक्सीन लगाई गयी हैं कभी भी किसी भी सरकार द्वारा जनता से उसके पैसे वसूले नहीं गये। हाँ कोविड वैक्सीन से पहले किसी सरकार के मुखिया ने अपनी फोटो युक्त प्रमाणपत्र जरूर नहीं बांटे जोकि राजनैतिक प्रचार के सिवा और कुछ नहीं था। दुनिया के कई देशों में इसका मजाक भी उड़ाया गया। रहा सवाल मुफ़्त राशन बांटने का तो पिछले लोकसभा चुनाव में तो भारतीय जनता पार्टी ने मुफ़्त राशन हासिल करने वाले मतदाताओं की अलग श्रेणी ही बना डाली जिसका नाम लाभार्थी रखा गया। कोई आश्चर्य नहीं कि यह योजना दिसंबर 23 के बाद 2024 के लोकसभा चुनाव तक भी बढ़ा दी जाये। रहा सवाल देश के लोगों की भूख की फिक्र करने की तो यहाँ यह भी याद रखना जरूरी है कि पेट तो राशन से भरता है न कि प्रधानमंत्री के चित्र छपे उन मजबूत थैलों से जिनकी कीमत उन थैलों में पड़े राशन से भी अधिक थी। भूख मिटाने के नाम पर किया जाने वाला इसतरह का पार्टी प्रचार सरकारी खर्च पर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का तरीका नहीं तो और क्या है?

कर्नाटक में मोदी को इसलिए ह्यरेवड़ीह्न फिर याद करनी पड़ी क्योंकि कांग्रेस ने भाजपा द्वारा अपने चुनाव प्रचार में परोसे गये विभाजनकारी एजेंडे के मुकाबले में राज्य की जनता से पांच ऐसे वादे किये थे जो सीधे तौर पर कांग्रेस को फायदा पहुँचाने वाले तो जरूर थे परन्तु सरकार के राजस्व पर निश्चित रूप से भरी बोझ साबित होने वाले थे। इनमें एक वादा था ह्यगृह लक्ष्मी योजना, इसके अंतर्गत महिलाओं को हर महीने 2000 रुपये की सहायता राशि देने की बात है जबकि युवा निधि योजना के तहत स्नातक की पढ़ाई करने वाले युवाओं को दो साल तक 3,000 रुपये और डिप्लोमा होल्डर्स को दो साल तक 1500 रुपये प्रति माह बेरोजगारी भत्ता दिए जाने का वादा किया गया है। इसी प्रकार अन्न भाग्य योजना में गरीब परिवारों को हर महीने 10 किलो चावल की गारंटी देने की बात कही गयी है तो सखी योजना के तहत महिलाओं को सरकारी बसों में फ्री बस पास उपलब्ध कराने का घोषणा की गयी है। इसी तरह गृह ज्योति योजना में हर घर को 200 यूनिट फ्री बिजली देने का वादा किया गया है। कर्नाटक की नई सिद्धारमैया सरकार ने शपथ ग्रहण के बाद सबसे पहले इन्हीं वादों को पूरा करने की घोषणा भी कर दी है।

इसके पहले हिमाचल प्रदेश में गत वर्ष हुये विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जनता से जो अनेक वादे किये थे उनमें सत्ता संभालते ही बेरोजगार युवाओं को एक लाख सरकारी नौकरियां देने, ग्रामीण सड़कों के लिए भू-अधिग्रहण कानून लागू कर भू-स्वामियों को चार गुना मुआवजा देने, महंगाई से निपटने के लिए लोगों की जेबों में पैसा डालने, पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) लागू करने, महिलाओं को 1500 रुपए प्रति माह देने और 300 यूनिट बिजली मुफ़्त देने जैसे वादे प्रमुख थे। ऐसे ही वादों ने कांग्रेस को हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में सत्ता दिलाई। इसी प्रकार दिल्ली में बिजली पानी शिक्षा व स्वास्थ्य की मुफ़्त घोषणा कर अरविंद केजरीवाल सत्ता में आये।और यही रेवड़ी वितरण फामूर्ला पंजाब में भी लागू किया गया। पूर्व में भी किसानों का कर्ज मुआफ करने,किसानों का बिजली बिल मुआफ करने के नाम पर विभिन्न पार्टियां वोट मांगती रही हैं।कहीं मुफ़्त तीर्थ यात्रा करने के नाम पर वोट तो कहीं मुफ़्त शौचालय बनाने के नाम पर,कहीं मुफ़्त आवास देने के नाम पर, कहीं मुफ़्त राशन के नाम पर तो कभी मुफ़्त वैक्सीन के नाम पर वोट माँगा जाता रहा है। मध्य प्रदेश में भी ऐसी कई रेवड़ी योजनायें चल रही हैं। गोया रेवड़ियां बांटने में कोई भी दल किसी से पीछे नहीं है। ऐसे मे यह तय करने का अधिकार आखिर किसे है और यह कौन तय करेगा कि कौन सी योजना रेवड़ी वितरण की श्रेणी में आती है और कौन सी योजना जनता की वास्तविक जरुरत है? परन्तु यह तो तय है कि चाहे वह रेवड़ी हो या जरुरत की घोषणायें, सभी राजनैतिक दल इनसे चुनावी लाभ ही हासिल करना चाहते हैं।

चुनाव दर चुनाव हार मिलने के कारण मायावती अब कांशीराम ब्रांड सियासत की ओर लौटेंगी

दो बड़े दलित नेता हुए। उसमें एक थे कांग्रेस पार्टी के बाबू जगजीवन राम तो दूसरे थे कांशीराम, जिन्हें उनके चाहने वाले मान्यवर कहकर बुलाते थे। जगजीवन राम राजनीति का बड़ा दलित चेहरा तो जरूर थे, लेकिन कांग्रेस ने उनके हाथ-पैर बांध रखे थे। कांग्रेस का नेतृत्व समय देखकर उनका इस्तेमाल करता था। वहीं दूसरे बड़े नेता कांशीराम ने अपने बल पर दलित राजनीति में अपना मुकाम हासिल किया। उन्होंने दलित सियासत का चेहरा ही बदलकर रख दिया। दलित समाज में चेतना जगाने का काम कांशीराम से बेहतर शायद ही किसी ने किया होगा। कांशीराम ने दलित राजनीति का ऐसा समीकरण तैयार किया जिसके बल पर उन्होंने उत्तर प्रदेश को पहला दलित मुख्यमंत्री मायावती को बनवा दिया। कांशीराम ने यह चमत्कार पार्टी गठन के एक दशक बाद ही कर दिखाया। अपने अंतिम समय में कांशीराम ने मायावती को ही अपना सियासी उत्तराधिकारी भी घोषित कर दिया।

स्वदेश कुमार
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और पूर्व राज्य सूचना आयुक्त हैं)

हिन्दुस्तान की सियासत में दलित चिंतक और संविधान निमार्ता बाबा साहब अम्बेडकर के कद का कोई दूसरा दलित नेता नहीं पैदा हुआ। उनके बाद देश की सक्रिय राजनीति में जो दो बड़े दलित नेता हुए। उसमें एक थे कांग्रेस पार्टी के बाबू जगजीवन राम तो दूसरे थे कांशीराम, जिन्हें उनके चाहने वाले मान्यवर कहकर बुलाते थे। जगजीवन राम राजनीति का बड़ा दलित चेहरा तो जरूर थे, लेकिन कांग्रेस ने उनके हाथ-पैर बांध रखे थे। कांग्रेस का नेतृत्व समय देखकर उनका इस्तेमाल करता था। वहीं दूसरे बड़े नेता कांशीराम ने अपने बल पर दलित राजनीति में अपना मुकाम हासिल किया। उन्होंने दलित सियासत का चेहरा ही बदलकर रख दिया। दलित समाज में चेतना जगाने का काम कांशीराम से बेहतर शायद ही किसी ने किया होगा। कांशीराम ने दलित राजनीति का ऐसा समीकरण तैयार किया जिसके बल पर उन्होंने उत्तर प्रदेश को पहला दलित मुख्यमंत्री मायावती को बनवा दिया। कांशीराम ने यह चमत्कार पार्टी गठन के एक दशक बाद ही कर दिखाया। अपने अंतिम समय में कांशीराम ने मायावती को ही अपना सियासी उत्तराधिकारी भी घोषित कर दिया।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी मान्यवर कांशीराम की सियासत को आगे बढ़ाने का काम बखूबी पूरा किया। लेकिन बीच-बीच में वह कांशीराम के दिखाए रास्ते से भटकती भी रहीं। जिसका मायावती को खामियाजा भी भुगतना पड़ा। इसी भटकाव के चलते 2012 के बाद से मायावती की सत्ता में वापसी नहीं हो पाई। वह चुनाव दर चुनाव हारती गईं। इन्हीं लगातार मिलने वाली हार से सबक लेते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती अब एक बार फिर अपने राजनैतिक गुरु मान्यवर कांशीराम के पद चिन्हों पर आगे बढ़ती नजर आ रही हैं। वह कांशीराम की विचार धारा और उनके चर्चित नारों को भी धार देने लगी हैं। इस बात का अहसास तब हुआ जब उन्होंने बसपा पदाधिकारियों की मीटिंग में मान्यवर कांशीराम के एक पुराने नारे को फिर से जिंदा कर दिया।

गौरतलब है कि कांशीराम की राजनीति के साथ-साथ उनके नारे भी बहुत चर्चा में रहा करते थे। इन नारों को लेकर हंगामा भी खूब हुआ। 1973 में बाबा साहेब अंबेडकर के जन्मदिन पर उन्होंने ऑल इंडिया बैकवर्ड माइनॉरिटी कम्युनिटीज एम्प्लाइज फेडरेशन नाम का संगठन बनाया जो बामसेफ के नाम से चर्चित हुआ। इस संगठन के बैनर तले वह शोषित पीड़ित समाज को एकजुट करते रहे। 1981 के आते-आते उन्हें संगठन में बदलाव की जरूरत महसूस हुई तो उन्होंने इसे नया नाम दिया दलित शोषित समाज संघर्ष समिति शॉर्ट में ये डीएस-4 कहा गया। इस संगठन के तेवर काफी तीखे थे। इस संगठन के साथ एक नारा चलता था- ह्यठाकुर-ब्राह्मण-बनिया छोड़ बाकी सब हैं सब डीएस-4। दलितों को अधिकार के लिए राजनीति में उतरे कांशीराम को नारों ने अलग पहचान दिलाई। उनका एक नारा खूब चर्चित हुआ था- तिलक-तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चार। 90 के दशक में जब ये नारा पहली बार सामने आया तो हंगामा मच गया। कहते हैं कि कांशीराम जब मंच पर आते तो पहले ही ऊंची जातियों को उठकर जाने को कह दिया करते थे। हालांकि, बाद में बहुजन समाज पार्टी ने इससे किनारा कर लिया था। मायावती ने भी इस नारे से दूरी बना ली थी। मगर अब बसपा सुप्रीमो को तमाम चुनावों में मिल रही हार के बाद एक बार फिर बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक मान्यवर कांशीराम की याद आने लगी है। बसपा की स्थापना के समय मान्यवर कांशीराम द्वारा दिया गया नारा वोट हमारा, राज तुम्हारा, नहीं चलेगा एक बार फिर चर्चा में है। चर्चा इसलिए है क्योंकि नगर निकाय चुनाव में हार के बाद खुद बसपा प्रमुख मायावती ने पार्टी पदाधिकारियों को यह नारा याद दिलाया है। इसी नारे के सहारे बसपा सुप्रीमो ने अपने कार्यकताओं और नेताओं से गांव-गांव तक जाने और लोकसभा चुनाव 2024 में हालात बदलने का आह्वान किया है। अब इसको लेकर हर तरफ सवाल यही है कि क्या मायावती एक बार फिर दलित वोटों की तरफ मजबूती के साथ लौट कर अपना खोया हुआ जनाधार पाना चाहती हैं।

गौरतलब है कि बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक और दलित चिंतक 1983-84 के दौर में जब अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत बना रहे थे, तभी वोट हमारा, राज तुम्हारा, नहीं चलेगा नारा उनकी तरफ से उछाला गया था। यह नारा बसपा के गठन के बाद भी काफी तक पार्टी के कार्यक्रमों में गूंजता रहा। खासतौर से दलितों और अति पिछड़ों में राजनीतिक चेतना का संचार करने के लिए यह नारा गढ़ा गया था। हालांकि, बाद में वह दौर भी आया, जब ये नारे बसपा की लिस्ट से गायब हो गए और 2007 में नई तरह की सोशल इंजीनियरिंग की गई। पार्टी में ब्राह्मणों को और अन्य सवर्णों को तवज्जो मिली और बसपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। हालांकि, उसके बाद से यह सोशल इंजीनियरिंग काम नहीं आई और लगातार बसपा का जनाधार घटता जा रहा है। मायावती ने दलित-मुस्लिम कार्ड भी खेला और ब्राह्मण-दलितों को एक साथ लाने का भी भी दांव चला, परंतु नतीजे कभी उनके पक्ष में नहीं आए।

हाल में सम्पन्न उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव के जरिए पार्टी में नया जोश भरने की कोशिश की गई, लेकिन इसमें भी प्रदर्शन निराशाजनक रहा। इस हार के बाद ही बसपा को फिर से चार दशक पुराना नारा याद आया है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि हार के बाद बसपा प्रमुख ने सभी कोऑर्डिनेटरों से फीडबैक लिया। इसमें यह बात सामने आई कि वोट प्रतिशत काफी कम रहा है। महापौर की सभी 17 सीटों पर प्रत्याशी उतारने के बाद महज 12 प्रतिशत वोट मिले हैं। छिटके हुए दलितों को भी वापस लाने में कामयाबी नहीं मिली। जाटवों को छोड़कर बाकी ज्यादातर दलित जातियों में पार्टी पैठ नहीं बना सकी है। ऐसे में बसपा की चिंता यह भी है कि वह अपने बेस वोटबैंक दलितों को कैसे आकर्षित करे। इसके साथ ही अति-पिछड़ी जातियां बसपा से दूरी बनाए हुए हैं। उनको लेकर भी मंथन हुआ। सभी दलितों और अति-पछड़ों में राजनीतिक चेतना जागृत करने के मकसद से ही बसपा ने पुराने नारे के साथ 2024 में जाने का निर्णय लिया है। पार्टी को चिंता इस बात की भी है कि काफी कोशिशों के बावजूद वह युवाओं को आकर्षित नहीं कर पा रही है। इसके लिए वह फिर नए सिरे से बूथ स्तर तक संगठन में 50 फीसदी युवाओं की भागेदारी को बढ़ाने जा रही है।

मायावती को इसलिए भी कांशीराम ब्रांड सियासत की तरफ रुख करना पड़ रहा है क्योंकि आजकल सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी दलित वोटरों पर डोरे डाल रहे हैं। उन्हें लगता है कि बसपा के कमजोर होने पर उसका दलित वोटर समाजवादी पार्टी के पाले में आ सकता है। ऐसा इसलिए भी होता दिख रहा है क्योंकि 2014 में देश की राजनीति में बदले हुए राजनीतिक समीकरण के बाद जहां एक तरफ क्षेत्रीय पार्टियों का जनाधार लगातार गिर रहा है। वहीं अब समाजवादी पार्टी को भी लग रहा है कि यादव और मुस्लिम बिरादरी के साथ-साथ अब एक ऐसे राजनीतिक गठबंधन की जरूरत है जो उनके लिए एक बड़ा वोट बैंक बने। अब अखिलेश यादव को भी लगने लगा है कि यादव और मुस्लिम बिरादरी के साथ-साथ ऐसे वोट बैंक की जरूरत है जो ना सिर्फ इन्हें मजबूत कर सके बल्कि राजनैतिक और जाति समीकरण के आधार पर इनके नेताओं को विधानसभा पहुंचाने में भी कारगर साबित हो। ऐसे में हाल ही में अखिलेश यादव ने एक बड़ा दांव खेलते हुए दलितों के मसीहा माने जाने वाले कांशीराम की मूर्ति का अनावरण करने की बात कही थी।

कुचलना होगी लाशों पर शासन करने की कामनायें

डा. रवीन्द्र अरजरिया

मानवात की दुहाई देने वाले देशों में धर्म, सम्प्रदाय, जाति, वर्ग के साथ-साथ नस्लभेद के आधार पर की जाने वाली शोषण की नई परिभाषायें लिखी जा रहीं हैं। भारत में अल्पसंख्यकों पर कथित अत्याचारों की मनगढन्त कहानियां लिखकर, दबाव बनाने का सिलसिला दुनिया के स्वयंभू ठेकेदारों ने लम्बे समय पहले शुरू कर दिया था किन्तु अब उसे युध्द स्तर पर लागू करने की कवायत होने लगी है। अमेरिका के वैश्विक धार्मिक स्वतंत्रता आयोग की रिपोर्ट ने भारत में अल्पसंख्यकों के खिलाफ घटनाओं में इजाफा को रेखांकित किया है। उसने भारत को ब्लैक लिस्ट में डालने की सिफारिश भी की है। विगत चार सालों से वह भारत विरोधी एजेन्डा चलाते हुए हर बार अपनी रिपोर्ट्स में जहर उगला है। मुस्लिम और ईसाई मजहबों के विरुध्द काम करने के लिए भारत की वर्तमान सरकार को आडे हाथों लिया है जबकि अमेरिका में जिस तरह से रंगभेद के आधार पर अश्वेत समुदाय को निरंतर कुचला जा रहा है, वह किसी से छुपा नहीं है। सिख समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। विदेशियों पर प्रहार हो रहे हैं। उस दिशा में आयोग मौन रहा। रिपोर्ट को आधार बनाकर विश्वमंच पर भारत के खिलाफ हल्ला मचाने वाले देशों को अमेरिका के कंधे पर रखाकर हथियार चलाने का हर बार मौका दिया जाता रहा है। अनेक अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को अभियान बनाकर परोसा गया परन्तु परिणाम ढाक के तीन पात ही रहे। वास्तविकता तो यह है कि भारत में मुस्लिम, ईसाई सहित सभी धर्मावलम्बी जितने सुरक्षित, स्वतंत्र और पोषित हैं, उतने किसी अन्य देश में नहीं हैं। पडोसी पाकिस्तान, बंगलादेश सहित अनेक इस्लामिक देशों में तो वहां के अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर बरबरतापूर्ण की अनगिनल घटायें निरंतर हो रहीं हैं। निरीहों पर हो रहे सामूहिक प्रहारों पर वहां की सरकारें मौन धारण कर लेतीं हैं। हिन्दुओं की चीखों को सुनने वाला उन देशों में कोई नहीं है और न ही विश्व के कथित ठेकेदारों के कानों में जूं ही रैंगता है। वहीं भारत में तो अल्पसंख्यकों को सिर पर बैठाकर नाचने वाले हिन्दू मजहब के लोगों की कमी नहीं है। अनेक राजनैतिक दलों तथा कथित समाजसेवियों-बुध्दिजीवियों की जमातें खुलकर टुकटे गैंग तक के समर्थन में खडी हो जातीं है। इन सभी तथ्यों को नजरंदाज करके अमेरिका की दादागिरी को स्वीकारने वाले मुल्कों ने एक बार फिर वहां की कथित रिपोर्ट का हवाला देकर हंगामा करना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री तो अक्सर अपने कश्मीरी राग में मुस्लिम शोषण की स्क्रिप्ट पर घडियाली आंसू बहाते रहते हैं। उन्हें पाकिस्तान में गैर मुस्लिम समुदाय का न तो जबरन किया जाने वाला धर्मान्तरण दिखाई देता है और न ही अबलाओं की चीखें सुनाई देतीं हैं। दूसरी ओर रोहिंग्या मुसलमानों ने पूर्व निर्धारित षडयंत्र के तहत भारत में फर्जी तरीके से आमद ही दर्ज नहीं की बल्कि बंगाल के रास्ते देश के कोने-कोने में पसर गये। अनेक शहरों की आबादी अचानक बढती चली गई। सरकारी जमीनों पर अवैध बस्तियों की बाढ सी आ गई। अतिक्रमण को हटाने पहुंचने वाले सरकारी अमले पर हमले होने लगे। विपक्ष का वोट प्रेम जाग उठा। मानवता की कसमें खाईं जाने लगीं। अतिक्रमण को वैध ठहराया जाने लगा। अवैध कब्जाधारियों को सरकारी सुविधायें मुहैया करने की मुहिम चल निकली। ईमानदार करदाताओं के खून-पसीने की कमाई को मुफ्तखोर षडयंत्रकारियों पर लुटवाने के लिए सत्ता सुख की चाहत पालने वाले खद्दरधारी लोगों की जमात वकील बनकर खडी होने लगी।

संक्षिप्त खबरें

गायत्री महायज्ञ में स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन

बोचहां।अखिल विश्व गायत्री परिवार के युवा क्रांति दल ने रविवार को प्रखंड क्षेत्र के चौमुख गांव में कुरीति उन्मूलन और सत्प्रवृति संवर्धन गायत्री महायज्ञ का आयोजन अर्पण कुमार के दरवाजे पर किया गया। इस दौरान निशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर में 77 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही उन लोगों को मुफ्त दवा भी दी गई। मनुष्य में देवत्व उदय ,धरती पर स्वर्ग का अवतरण और विश्व के कल्याण हेतु आहुतियां दी गई। आए हुए श्रद्धालु से नशा और अपने अंदर के दुगुर्णो को छोड़ने का आवाहन करवाया गया। यज्ञ के बाद वैदिक क्रांति का शंखनाद कार्यक्रम के अंतर्गत श्री रामचरितमानस को रामकुमार ओझा के यहां और श्रीमद्भागवत गीता को कृष्ण मुरारी सिंह के यहा स्थापना कराया गया। दोपहर से जीवन ज्योति प्रांगण में निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर लगाया गया। 77 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दावा दिया गया। मौके पर डॉ संदीप कुमार, डॉ श्रीकांत भट्ट, श्यामकिशोर ठाकुर , डॉ कृष्ण मोहन ओझा, संजय कुमार, दीपक कुमार , राजीव चौधरी, अरुण चौधरी, सिद्धार्थ ओझा, अंशु कुमारी, पलक कल्याणी, सारथी सुमन ओझा और अन्य मौजूद थे।

विकास योजनाओं के क्रियान्वयन मे अनियमितता की शिकायत

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट प्रखंड अंतर्गत बरूआरी पंचायत में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में भारी अनियमिता का मामला सामने आया है। विभिन्न योजनाओ का कार्य सम्पन्न होने से पूर्व ही राशि की निकासी कर ली गई है। मामला जब सामने आया जब प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कार्य स्थल का निरीक्षण किया। जानकारी के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2019-20 एवं 2020-21 में पंचम वित्त आयोग,14 वीं वित्त आयोग, 15 वीं वित्त आयोग एवं सात निश्चय योजना से कई कार्य कराए गए थे, जिसमें कार्य पूर्ण होने से पूर्व योजना की राशि निकाल ली गई, लेकिन कार्य सम्पन्न नहीं हो सका। उल्लेखनीय है कि पुस्तकालय भवन की मरम्मती व सौंदर्यीकरण, तोरण द्वार निर्माण, पीसीसी सड़क निर्माण, श्मशान घाट में चहारदीवारी एवं शव दाह गृह का निर्माण, सात निश्चय योजना से फेवर ब्लॉक से सोलिंग कार्य कराया जाना था। प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ विमल कुमार ने बताया कि जांच के दौरान अनियमितता पाई गईं हैं। योजना पूर्ण किए बिना ही राशि की निकासी भी हो चुकी है। उन्होनें बताया की सम्बन्धित मुखिया, पंचायत सचिव एवं कनीय अभियंता के द्वारा सभी कार्य कराया गया है। कार्रवाई हेतु रिपोर्ट जिला मुख्यालय को भेज दी गई है।

बिस्फी पुलिस ने एक शराबी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

मधुबनी शराब के नशे में हो हंगामा करने के आरोप में बिस्फी थाना क्षेत्र के रघौली गांव निवासी चंदन ठाकुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत को भेज दीया है ।थानाध्यक्ष राजकुमार राय ने बताया कि उक्त गिरफ्तार व्यक्ति के द्वारा शराब के नशे में हो हंगामे करने की गुप्त सूचना ग्रामीणों ने दी ।संध्या गश्ती में मौजूद पुलिस मौके पर पंहुच कर उसे गिरफ्तार कर थाना लाया गया और मेडिकल जांच कराई गई ।जांच में काफी मात्रा में अल्कोहल पाया गया ।थानाध्यक्ष ने बताया कि उक्त शराबी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज न्यायिक हिरासत को भेज दी गई।

लूट कांड के आरोपी सिमरी चौक से गिरफ्तार

मधुबनी जिला मुख्यालय से सटे रहिका थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र में दिनांक 05.05.23 को जगत से मुख्य मार्ग से जुड़ने वाली कच्ची सड़क कृष्णा पब्लिक कोचिंग सेंटर के पास भारत फाइनेंस मैनेजर व उनके कर्मचारी से टैब मोबाइल व नगद 09 हजार रूपए लूट मामले में रहिका पुलिस ने कांड का उद्भेदन कर लगातार कांड के मुख्य अपराधियों को गिरफ्तार किया जा रहा है। मधुबनी जिले के बिस्फी थाना क्षेत्र के सिमरी चौक से दुबियाही गांव निवासी तेजनारायन यादव के पुत्र लक्ष्मण यादव को गिरफ्तार कर लिया गया। रहिका थाना अध्यक्ष ने बताया कि घटना के समय बुल्लू कलर के जींस शार्ट पहने हुए कपड़े व साथ घटना के समय उपयोग किया गया मोबाइल के आधार पर कांड में संलिप्त दूसरा अपराधी को भी गिरफ्तार कर लिया गया गिरफ्तार के पास घटना के समय लूटा गया रुपए में से 500 बरामद कर लिया गया। इसी कांड में पूर्व में भी एक अपराधी को रैयाम थाना क्षेत्र के रजौरा रही टोल से चौधरी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका था ।सिमरीचौक से दुबियाही गांव निवासी लक्ष्मण यादव को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में लेने हेतु व्यवहार न्यायालय मधुबनी भेजा गया जहा से न्यायिक हिरासत में लेते हुए14 दिनों के लिए कारा मंडल रामपट्टी भेज दिया गया।

एक युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत, ग्रामीण लगा रहें पुलिस पर आरोप

- पुलिस ने कहा जुआ छापेमारी में भागने के दौरान हुई हादसा

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। पुलिस पर एक युवक को जान से मारने का आरोप लगा है। ग्रामीण बता रहे पुलिस के द्वारा पिटाई के क्रम में युवक की हुई मौत। युवक का शव नकरदेई थाना क्षेत्र के श्रीरामपुर गांव के रामजानकी मंदिर के पास से बरामद किया गया। युवक की पहचान नोनियाडीह पंचायत के श्रीरामपुर गाँव के 40 वर्षीय भरत साह के रूप में की गई है। वही घटना की खबर आग की तरह गांव में फैल गई। जहां सैकड़ो की संख्या में लोग पहुच पुलिस के विरुद्ध नारे लगाने लगे। मौके पर पुलिस डीएसपी धीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुच लोगों के आक्रोश को कम किया। वही मृतक के परिजनों का कहना है कि मृतक भरत साह आम के फुलवारी में आम का देख भाल कर रहा था, तभी फुलवारी में नकरदेई पुलिस आ कर पहले मृतक भारत साह को गाली देने लगी, जिसके बाद भरत साह को बंदूक के बट से भी मारा गया। जिससे उसकी मौत हो गई। मौत होने के बाद उसकी शव को श्रीरामपुर गांव के उत्तर रामजानकी मंदिर के पास रख दिया गया। उसके बाद पुलिस वहां से भाग गई। वही नकरदेई पुलिस का कहना है कि हमे सूचना मिली थी कि फुलवारी में जुआ खेला जा रहा है, जिसके बाद छापेमारी की गई। पुलिस को देख वहां इक्कठे लोग भागने लगे। मृतक की मौत भागने के क्रम में हुई है। मृतक के भाई सत्यदेव साह के द्वारा रक्सौल पुलिस को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। वही डीएसपी धीरेंद्र कुमार ने बताया मामला जांच में है। जांच की जा रही है। अब देखने वाली बात है कि इसमें सच्चाई क्या है, ये तो जांच का विषय है, अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी।

ससुराल पहुंचने से पहले सड़क हादसे में हुई युवक की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। ससुराल पहुंचने के लिए महज 5 सौ मीटर की दूरी तय करना ही बांकी बचा था कि उस युवक की सड़क दुघर्टना में दर्दनाक मौत हो गई। घटना के संबंध में सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि छौड़ाही थाने के अंतर्गत पतला गांव के निकट बाइक सवार एक युवक को अज्ञात चार चक्का वाहन धक्का मारकर फरार हो गया। बुरी तरह से घायल युवक को स्थानीय लोगों ने आसपास के चिकित्सक के यहां ले गए, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के संबंध में लोगों ने बताया कि चौफेर गांव अपने ससुराल जा रहे युवक की दर्दनाक मौत उस समय हो गयी, जब वह अपने ससुराल चौफेर गांव पहुंचने से महज 5 सौ मीटर ही पीछे था। ठोकर मारने वाला कोई चार चक्का वाहन था, जो धक्का मारकर भागने में सफल रहा। मृतक की पहचान राटन गांव के वार्ड नंबर 12 स्थित चक्करघट्टी गांव निवासी (राटन स्कूल के पीछे) दिनेश महतो का पुत्र मिथिलेश महतो के रूप में हुई है। स्पॉट डेथ हुए मिथिलेश अपने पीछे एक ढाई साल का लड़का को छोड़ गया है। जैसे ही मृतक के परिजनों को मौत की सूचना मिली, हर कोई स्तब्ध रह गया एवं आश्रितों के चीत्कार से इलाके का माहौल गमगीन हो गया।

बियर एवं शराब के साथ तीन युवकों को रेल परिक्षेत्र से आरपीएफ ने किया गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी एवं जवानों द्वारा शराब तस्करी की रोकथाम हेतु अभियान के तहत रेलवे के प्लेटफॉर्म संख्या 02 के पश्चिम छोर पर तीन व्यक्तियों को पिट्ठू बैग के साथ संदिग्ध अवस्था में आते देखा गया, शक होने उन व्यक्तियों को रोककर पूछा गया तो उन्होंने अपना परिचय उत्तरप्रदेश के बदायूं थाना निवासी लोकपाल सिंह के 30 वर्षीय पुत्र रमन कुमार, वैशाली जिला के देसरी थाना निवासी टुनटून महतो के 22 वर्षीय पुत्र दीपू कुमार एवं पुत्र विनोद चौधरी के 18 वर्षीय एवं हरियाणा के गरनावटी थाना निवासी बलबीर के 32 वर्षीय पुत्र रोमी बताया। उसके बाद कुछ और शक होने पर उनकी तलाशी ली गई तो प्रत्येक के पास से अंग्रेजी शराब एवं बियर की कई बोतले बरामद हुई। जिसमें 08 बोतल रॉयल चैलेंज 08 बोतल, 02 बोतल हंटर बियर, 24 बोतल रॉयल ग्रीन विस्की, 04 बोतल मेडुसा बियर एवं 05 बोतल ब्लेंडर्स प्राईड शामिल हैं। चुकीं बिहार में शराब प्रतिबंधित है, इसलिए उनका जुर्म बताते हुए गिरफ्तार किया गया और ऊनपर अग्रतर कार्रवाई हेतु जीआरपी को सुपुर्द किया गया। उक्त जानकारी पोस्ट कमांडर सह आरपीएफ इंस्पेक्टर ऋतुराज कश्यप ने दी। उक्त छापेमारी में उप निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा, सहायक उपनिरीक्षक दिलीप कुमार, प्रधान आरक्षी राजनाथ पांडे, रामानुज चौरसिया, विनोद कुमार पासवान एवं राजीव कुमार आदि शामिल थे।

दीनबंधु सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और हिंदी साहित्य के शरद जोशी की एकसाथ मनी जयंती

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। रविवार को महान कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की 126वीं जयंती श्रद्धा सम्मान के साथ शहीद सुखदेव सिंह समन्वय समिति सुखदेव सभागार सर्वोदय नगर में मनाई गई। जिसकी अध्यक्षता शिक्षक नेता अमरेंद्र कुमार सिंह ने की। अध्यक्षीय संबोधन में शिक्षक नेता अमरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि महान कवि निराला का जन्म बंगाल के मेदनीपुर जिले के महिषादल नामक स्थान पर आज ही के दिन 1897 ईसवी को हुआ था। जबकि उनकी मृत्यु 15 अक्टूबर 1961 को हो गई थी। निराला हिंदी साहित्य के इतिहास में एक विराट महाकाल नायक बनकर जिए और इतिहास बनकर अपनी लीला समाप्त की। ऐसे महान कवि जिन्होंने देश के लिए कविता के माध्यम से आजादी में भी बढ़कर हिस्सा लिया। प्रख्यात साहित्यकार शरद जोशी का जन्म 1931 में आज ही उज्जैन में हुआ था। लेखन का शौक बचपन से ही था पढ़ाई पूरा करने के बाद मध्य प्रदेश सरकार के सूचना विभाग में नौकरी भी की। काम में मन नहीं लगा तो नौकरी छोड़ पूरी तरह लेखन में जुट गए। रविशंकर पोद्दार गांधी ने कहा की हिंदी साहित्य में कोई विराट और बहुमुखी प्रतिभा सम्मान पुरुष लंबी अंतर्राष्ट्रीय ही उत्पन्न होते हैं। जेपी सेनानी के जिला अध्यक्ष राजेंद्र महतो ने कहा कि निराला जी के काव्य में विविधता के दर्शन होते हैं और भागवत भी उनके रचनाओं में श्रृंगार का मधुर संगीत भी है। माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, सूर्यकांत त्रिपाठी को निराला बनाने में उनकी पत्नी अहम भूमिका निभाई। अनिकेत कुमार पाठक ने कहा कि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला हमारे भारत के थे शान, कविता के माध्यम से देश में अपना नाम कमाए और भारत का नाम रोशन किया। महिला सेल सचिव सुनीता देवी ने कहा कि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला उनकी कविताओं, रचनाओं में अनामिका, परिमल, कुकुरमुत्ता, नए पत्ते, तुलसीदास ऐसे प्रसिद्ध रचनाओं ने उनको महान बनाया। उनको निराला जी बनाने में उनकी पत्नी अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर जेपी सेनानी के जिला अध्यक्ष राजेंद्र महतो अधिवक्ता ने भी सूर्यकांत त्रिपाठी निराला पर अपना विचार व्यक्त कर उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण किया।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रति महीने 2500 रुपये देने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट प्रखंड क्षेत्र स्थित रामदास राजकीय मध्य विद्यालय ,कांटा में आज गरीब जनता पार्टी लोकतांत्रिक के बैनर तले सामाजिक सुरक्षा पेंशन धारियों की बैठक की आयोजित गई। बैठक को संबोधित करते हुए सामाजिक सुरक्षा पेंशन धारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार ने बिहार सरकार पर कई आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में सामाजिक सुरक्षा पेंशन धारियों को प्रति माह दो हजार से लेकर तीन हजार रुपए पेंशन दिया जा रहा है। लेकिन बिहार में मात्र चार सौ रुपए देने का प्रावधान रखा गया है। इससे गरीब बेबस, लाचार लोगों को दो खुराक दवा भी संभव नहीं है। उन्होने कहा , बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बीते विधानसभा चुनाव के दौरान अपने चुनावी भाषण के दौरान जारी संकल्प पत्र व वादा पत्र में सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रति माह एक हजार रुपए प्रतिमाह देने की घोषणा किया था। उन्होंने कहा कि आगामी 21 जून को पांच लाख पेंशन धारी अपनी मांगों के साथ चट्टानी एकता का परिचय देंगे। और बिहार के सभी विधानसभा के विधायकों के आवास का घेराव किया जायेगा। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से आंदोलन शुरू किया किया जाएगा। संकल्प सभा की अध्यक्षता कांटा पिरौंछा दक्षिणी पंचायत के मुखिया रेखा देवी ने की। इस मौके पर मुखिया प्रतिनिधि संतोष कुमार महतो, संजागर कुमार, रीना देवी, बिजली सहनी, विनय कुमार राय, जमीला खातुन, केदार मंडल, मंजू देवी संतोष राम, नवीन राम समेत सैकड़ो की संख्या में सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारी उपस्थित थे।

जयनगर मे राजद का प्रखण्ड स्तरीय अंबेडकर परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर रविवार को कमला रोड बांध वार्ड 06 स्थित राजद प्रखण्ड कार्यलय परिसर में राजद के द्वारा प्रखण्ड स्तरीय अम्बेडकर परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिचर्चा कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद के प्रखण्ड अध्यक्ष उमेश यादव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकताओं के द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. भीम राव अम्बेडकर के फोटो पर पुष्प माल्यर्पण कर किया गया। मंचासीन मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राम वतार पासवान, पूर्व विधायक सीताराम यादव, राजद के वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रदीप प्रभाकर, पूर्व प्रमुख सूर्यनाथ यादव, श्री नारायण महतो, राम कुमार यादव, शम्भू प्रसाद यादव समेत उपस्थित कई कार्यकताओं का स्वागत सम्मान पाग दोपट्टा फूल माला पहनाकर कर किया गया। परिचर्चा कार्यक्रम को सम्बोधित करते वक्ताओं ने डॉ. भीम राव अम्बेडकर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत रत्न बाबा साहेब डॉ.भीम राव अंबेडकर कड़ी मेहनत लग्न परिश्रम कर कई कठिनाईयों का सामना कर शिक्षा ग्रहण कर विद्वान तो बने ही साथ ही कई डिग्रियां भी हासिल की। वे शोषित वंचित के आवाज थे। यह कार्यक्रम का आयोजन कार्यकताओं को प्रशिक्षित कर अम्बेडकर के विचारों के हम जन जन तक पहुँचाने का संकल्प लेते है। केंद्र सरकार बेरोजगारी और महंगाई से ध्यान भटकाने का कार्य कर रही है। यह सरकार आम जन विरोधी सरकार है।आम जन महंगाई से त्रस्त है युवा बेरोजगारी के मार झेल रहे है। किसानों आम जनों और युवाओं सेव झूठे वादे करते आ रही है। बीजेपी धर्म के नाम पर समाज और आम जनों को बांटने का कार्य साजिश के तहत कर रही है। हम सभी एक जुट होकर आगामी लोक सभा चुनाव में बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकने का कार्य करेंगे। बीजेपी सविंधान को तोड़ मरोड़ कर उसका दुरुपयोग कर रही है और अम्बेडकर और संविधान का अपमान एवं संविधान के साथ खिलवाड़ कर रही है। पार्टी की मजबूती और अभियान के तहत सदस्यता अभियान चलाने साथ ही ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ने और प्रशिक्षित करने पर बल दिया। मौके पर युवा कार्यकर्ता गंगा प्रसाद चौधरी, सचिन चौधरी, पूर्व मुखिया इदरीश मंसूरी, उमेश ठाकुर, राम नाथ यादव, बाबू राम प्रभाकर, राम जुलुम यादव, बैधनाथ यादव, नौशाद अहमद, मो.अलिफ, अहमद हुसैन, शोभित साफी, शगिर अहमद, गुलाम दास, सुधीरा देवी, पूनम देवी, अनिला पासवान, मुन्नी चौधरी, मीना देवी,रवि कुमार यादव, अरुण कुमार यादव, गुरु कुमार, जारुन नबी, अनिता देवी, राजेन्द्र सदाय, चन्देश्वर धनकार समेत बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने कार्यक्रम में भाग लेते हुए कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

पूर्व पीएम राजीव गांधी के पुण्य तिथि पर कुष्ठ रोगियों के बीच हुआ फल वितरण

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। रविवार को शहर के सुन्दरपुर स्थित लिटिल फ्लावर लेप्रोसी हॉस्पिटल में रक्सौल युवा कांग्रेस सह प्रखंड कांग्रेस कमिटी के बैनर तले सैकड़ों कुष्ठ रोगियों के बीच फल वितरण किया गया। बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के पूर्व महासचिव सह नगर प्रतिनिधि रक्सौल बिहार विधान परिषद क्षेत्र संख्या 12 के प्रोफेसर अखिलेश दयाल के द्वारा आधुनिक भारत के निमार्ता संचार क्रांति के जनक पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के 32 वीं पुण्यतिथि पर सैकड़ों कुष्ठ रोगियों के बीच फल वितरण किया गया। पूर्व महासचिव सह नगर प्रतिनिधि ने कहा कि सारा बदन का खून जमीं को पिला दिया वतन पे जो कर्ज था उसको चुका दिया। उन्होंने कहा कि जब पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कंप्यूटर युग की शुरूआत की तो भारतीय जनता पार्टी के द्वारा बैलगाड़ी यात्रा निकाली गई थी और कहां गया था कि देश कई सदियों तक पीछे चला गया, लेकिन आज वहीं भाजपा राजीव गांधी जी के द्वारा लाई गई कम्प्यूटर युग को डिजिटल क्रांति बताती है। राजीव गांधी जी का कार्यकाल स्वर्णिम युग था उनके कार्यकाल में 18 वर्ष के युवाओं को मतदान करने का अधिकार, पंचायती राज का सशक्तिकरण, कंप्यूटर युग की शुरूआत,संचार क्रांति की शुरूआत, महिला सशक्तिकरण, किसानों को सशक्त बनाने के लिए साहसिक कदम इत्यादि कार्य आज भी सराहनीय है। प्रखंड अध्यक्ष मनोरंजन तिवारी ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कारण डिजिटल क्रांति की शुरूआत एटीएम का आरंभ युवाओं के प्रति हमेशा तत्पर रहें 21 वीं सदी के जननायक थे राजीव गांधी। रक्सौल विधानसभा अध्यक्ष खुशबू दयाल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने युवाओं, किसानों, मजदूरों के हक और अधिकार के लिए देश भर में 1989 से 1990 तक भारत जानों यात्रा निकाली जिसके फलस्वरूप देश की विभिन्नताओं में एकता की पहचान मजबूत हो सके। रक्सौल प्रखंड युवा कांग्रेस के अध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता ने कहा कि आज पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी का ही देन है कि हम अपने सभी कामों को डिजिटल क्रांति कम्प्यूटर के द्वारा सुगम तरीके से खत्म कर लें रहे हैं। विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रभंजन कुमार ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के देन अतुलनीय और अकाल्पनिक है जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकता है। नगर अध्यक्ष अमन कुमार ने कहा कि देश की सेवा करते हुए हंसते-हंसते अपनों प्राणों को न्यौछावर कर देने का काम आधुनिक भारत के निमार्ता पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने किया। व्यवसायिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष रितेश कुमार ने कहा कि देश को 21 वीं सदी में प्रवेश कराने का कार्य पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने किया जो आज के युवा पीढ़ियों के लिए वरदान साबित हो रहा है। अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष जिशान अंसारी ने कहा कि राजीव गांधी हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा किए गए कार्य आज भी हमारे दिलो-दिमाग में अमिट छाप बनी हुई है ह्लजब तक सुरज चांद रहेगा राजीव तेरा नाम रहेगा। उक्त कार्यक्रम में ईश्वर चंद्र प्रसाद, हिरालाल साह, राकेश कुमार, मुकेश कुमार, मनोज कुमार, मनीष कुमार, कृष्णा यादव, सरोज कुमार, विश्वास कुमार, मनोज कुमार, महम्द आरिफ, महम्द मुस्तफा, विकास गुप्ता, हरिकिशोर कुमार, मैनुद्दीन अंसारी सहित अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी सह अध्यक्ष जिला सड़क सुरक्षा समिति अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई ।जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि आम लोगों को जागरूक कर सड़क दुर्घटना की संभावना को काफी कम किया जा सकता है ।जिलाधिकारी द्वारा यातायात नियमों के प्रति लोगों को नियमित रूप से जागरूक करने हेतु अभियान चलाने का निर्देश जिला परिवहन पदाधिकारी एवम जिला शिक्षा पदाधिकारी को दिया गया। उन्होंने विद्यालय के पठन-पाठन में बच्चों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता, स्लोगन, पेंटिंग कंपटीशन, विचार गोष्ठी का आयोजन के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति बच्चों को जागरूक करने का निर्देश जिला शिक्षा पदाधिकारी को दिया। जिलाधिकारी ने मोटर वाहन अधिनियम अंतर्गत जांच एवं कार्रवाई को सख्ती से लागू करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में मुख्य रूप से सड़क अतिक्रमण मरम्मत और जाम की समस्या पर समीक्षा हुई ।डीएम के द्वारा नगर निकायों को निर्देश दिया गया कि सड़क अतिक्रमण मुक्त हेतु लगातार अभियान चलाया जाय। साथ ही,बिना निबंधित वाहन परिचालन ओवरलोडिंग निर्धारित रूट से इतर वाहन चलाने वाले के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर जुमार्ना व जब्ती की कार्रवाई प्रारंभ कराएं ।सड़क निर्माण और पुल निर्माण के अभियंता को निर्देश दिया गया कि सड़क को मोटरेबल रखने हेतु नियमित रूप से साइट का विजिट करें। उन्होंने जिले में दुर्घटना बाहुल्य वलनरेबल स्पॉट्स एवं ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित स्थलों पर आवश्यक सुधार एवं यातायात पुलिस कर्मियों की पर्याप्त व्यवस्था आदि हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया ताकि जिले में होने वाली दुर्घटनाओं में कमी लायी जा सके। उन्होंने संबधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी खतरनाक एवम ब्लैक स्पॉट का स्थल निरीक्षण अनिवार्य रूप से करे। उन्होंने कहा कि अवैध पार्किंग, ओवरस्पीड करने वाले वाहनों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही करते हुए उनके चालान काटे जाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए,ताकि शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जा सके और और किसी के भी द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन न किया जा सके। अवैध पार्किंग एवं सड़क अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने सड़क दुर्घटना में घायलों की तत्काल मदद करने वालो को लोगो को गुड सेमेरिटन के रूप में उनका चयन करने एवं उनके लिए प्रोत्साहन राशि देयता हेतु कार्रवाई का निर्देश सिविल सर्जन को दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया की दुर्घटनाग्रस्त को ससमय अस्पताल पहुंचाने वाले नागरिकों को प्रोत्साहित करें एवं सम्मानित करने हेतु ऐसे लोगो की सूची जिला परिवहन पदाधिकारी को उपलब्ध कराएं,ताकि स्वतंत्रता दिवस सहित अन्य आयोजित होनेवाले महत्वपूर्ण समारोह में उन्हें सम्मनित किया जा सके। बैठक में स्कूली वाहनों की जांच, स्वास्थ्य विभाग -शिक्षा विभाग -पंचायती राज विभाग पुलिस एवं यातायात विभाग, पथ निर्माण विभाग ,नगर निगम ,एनएचएआई इत्यादि की भूमिका पर विचार विमर्श किया गया एवं संबंधित विभागों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। इसके पूर्व जिला परिवहन पदाधिकारी ने सड़क सुरक्षा को लेकर चलाये जा रहे कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में जिस किसी स्थान पर एक से अधिक बार सड़क दुर्घटना घटित हो गई है, उस स्थान पर अचूक रूप से रैंबल स्पीड ब्रेकर का निर्माण करवा जाए। ताकि, पुनः दुर्घटना की पुनरावृति न हो सके।

उन्होंने कहा कि अब लगभग सभी जगहों पर अच्छी सड़के उपलब्ध हैं। जिसके कारण कुछ नौजवान ओवर स्पीड में वाहन चलाना चाहते हैं। जिससे सड़क दुर्घटना के के खतरे में आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि जिला परिवहन कार्यालय द्वारा नियमित रूप से हेलमेट की जांच अभियान चलाकर की जानी चाहिए ।उन्होंने कहा कि पुलिस थानों द्वारा औचक रूप से मॉक ड्रिल के रूप में क्षेत्र के अधीन पड़ने वाले स्वास्थ्य केंद्रों पर कॉल कर यह जांच करनी चाहिए कि एंबुलेंस मंगाए जाने पर समय से पंहुच पा रही है या नहीं। इससे उनकी तत्परता का आकलन भी किया जा सकेगा।

उक्त बैठक में नगर आयुक्त अनिल चौधरी, जिला परिवहन पदाधिकारी, शशि शेखरण, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मुख्यालय प्रभाकर तिवारी, विद्यालय परिवहन समिति के सचिव, कैलाश भारद्वाज सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

वाम लोकतांत्रिक पुनर्जागरण यात्रा जयनगर पहुँचा

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर वाम लोकतांत्रिक पुनर्जागरण मार्च 20 से 22 मई मधवापुर से विभूतिपूर तक के लिए 20 मई को मधवापुर से कॉमरेड धीरेंद्र झा भाकपा माले पोलिटब्यूरो सदस्य के नेतृत्व में दर्जनों वाहनों पर झंडा बैनर लगा कर जयनगर में देर संध्या में प्रवेश किया। देवधा भगवती चौक पर माले कमांडर शहीद कॉमरेड बादर पासवान एवं शहीद कॉमरेड श्रीनारायण ठाकुर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रखंड सचिव भूषण सिंह के अध्यक्षता में सभा आयोजित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए धीरेंद्र झा भाकपा माले पोलिटब्यूरो ने कहा कि मिथिलांचल की धरती कम्युनिस्ट और समाजवादी विचारधारा का आंदोलन का केन्द्र रहा है लेकिन भाजपा सम्प्रदाय उन्माद की साजिश रचने का काम कर रहे हैं बिहार के कम्युनिस्ट आंदोलन के चर्चित नेता और छह बार बिहार विधानसभा के सदस्य रह चुके दिवंगत कामरेड रामदेव वर्मा का मूर्ति अनावरण 22 मई को उनके गांव विभूतिपुर के पतेलिया में होगा ।इस कार्यक्रम में भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भाग लेंगे की बात कहे । और तमाम कम्युनिस्ट विचारधारा समाजवादी गाँधी वादी और अम्बेडकर वादी विचारधाराओं संगठित कर मिथिलांचल धरती पर बड़ी आंदोलन की घोषणा की जाएगी। इसके बाद शहीद चौक पर बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के स्मारक पर और कम्युनिस्ट आंदोलन के चर्चित नेता शहीद कॉमरेड संतू महतो को सेलिबेली में स्मारक पर माल्यार्पण किया गया। इस मार्च में राज्य कमिटी सदस्य बैद्यनाथ यादव, अभिषेक कुमार, आर के सहनी , इंसाफ के राज्य उपाध्यक्ष नैयाज अहमद, जिला सचिव ध्रुव नारायण कर्ण ,मदन चंद झा ,लक्ष्मण राय ,कामेश्वर राम, वीरेंद्र यादव , मनीष झा ,उत्तीम पासवान ,श्याम पंडित ,रशीद अंसारी ,महेश्वर पासवान, तस्लीम मुस्तफा, भाकपा के पूर्व अंचल मंत्री नरेश ठाकुर, शहर मंत्री श्रवण साह , सहायक मंत्री मो. जहांगीर, अवधेश राय, सेलिबेली भाकपा शाखा मंत्री रामविलास दास, फुलबाबु सिंह , वार्ड पार्षद शिवजी पासवान, सूर्यनारायण ठाकुर , कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सुरेन्द्र महतो जाप के विनोद यादव समेत कई कार्यकताओं आम लोगों ने भाग लिया।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव के पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाया

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला के जयनगर स्थित अखिल भारतीय कॉंग्रेस कमिटी के तत्वावधान में पार्टी कार्यलय ललित कुटीर में कॉंग्रेस कार्यकताओं के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के 32 वीं पुण्य तिथि पर श्रधांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता प्रखण्ड कॉंग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र महतो के द्वारा किया गया। पार्टी कार्यलय परिसर में पार्टी के कार्यकताओं के द्वारा पूर्व प्रध

संक्षिप्त खबरें

विशेष वाहन जांच अभियान

असरगंज। असरगंज थाना के पुलिस के द्वारा मुंगेर एसपी के निर्देश पर असरगंज शाहकुंड मोड़ के पास विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। दो चक्का-चार चक्का वाहनों के पेपर, सिट बेलट हेलमेट आदि की जांच की गई। असरगंज थाना अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार ने बताया कि वाहन जांच अभियान के क्रम में तीन हजार रुपए जुमार्ना वसुला गया।

नगर पंचायत संग्रामपुर अध्यक्ष बने नंदकिशोर

संग्रामपुर मुंगेर। मुंगेर जिला राष्ट्रीय जनता दल के जिलाध्यक्ष त्रिलोकी नारायण शर्मा के नेतृत्व में पुर्नगठित समिति में संग्रामपुर नगर पंचायत अध्यक्ष नन्द किशोर यादव को मनोनीत किये गए। जिलाध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा की हमें आशा है की पार्टी संगठन को सुदृढ़ एवं धार दार बनाने में अपनी सक्रीय भूमिका निभाएंगे तथा दल को संघर्षात्मक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों में अपना योगदान करेंगे।इस मौके पर किसान सेल के जिलाध्यक्ष निरंजन कुमार ,संग्रामपुर प्रखंड अध्यक्ष मुकेश कुमार दास,टेटिया बम्बर प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार दास ,अशोक यादव,शंभू यादव,धर्मेंद्र सिंह,सुनील सिंह,विनय सिंह,आदि राजद नेता शामिल थे।

नामजद आरोपी गिरफ्तार

संग्रामपुर मुंगेर। थाना क्षेत्र अंतर्गत संग्रामपुर से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर मुंगेर न्यायालय भेजा गया।थाना अध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि संग्रामपुर थाना कांड संख्या 94/23 के नामजद अभियुक्त जगन्नाथ यादव को गिरफ्तार किया गया है,उन्होने कहा कि 12 अप्रैल 2023 को 40 लिटर महुआ शराब बरामद किया गया था।जगन्नाथ यादव पर शराब बेचे जाने को लेकर प्राथमिकी दर्ज था।जिसे गिरफ्तार कर मुंगेर न्यायालय भेज दिया गया। गिरफ्तारी के दौरान एएसआई केदार प्रसाद,एस आई ब्यूटी कुमारी के अलावे पुलिस बल शामिल थे।

दो मोटरसाइकिल के टक्कर में एक घायल

असरगंज। असरगंज थाना रजौन बांध के पास दो मोटरसाइकिल की आपस में जोरदार टक्कर में एक मोटरसाइकिल सवार घायल हो गया। जिसका इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र असरगंज में कराया गया। प्रभारी चिकित्सा डा. निरंजन चौधरी ने बताया कि गंभीर चोट को देखते हुए। मायागंज भागलपुर भेज दिया गया।

बरियारपुर भाजपा प्रखंड कमेटी का गठन

मुंगेर। जिला भाजपा अध्यक्ष के निर्देश पर बरियारपुर प्रखंड अध्यक्ष ने प्रखंड भाजपा कमिटी का विस्तार करते हुए प्रखंड कमेटी का गठन किया है प्रखंड अध्यक्ष राजीव कुमार टुडू द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रखंड भाजपा उपाध्यक्ष पद पर पितांबर चौधरी रमन सिंह रतन शर्मा प्रमोद पासवान सुमन कुमार मंडल बीना देवी प्रखंड महामंत्री के पद पर संजय मंडल विकास झा कोषाध्यक्ष के लिए संगीता पासवान सहित प्रखंड भाजपा मंत्री पद पर संजय महतो प्रीति मंडल रुपेश यादव अमरजीत कुमार और रंजीत को नियुक्त किया गया है।

जनता दरबार में 5 मामले का किया गया निपटारा

संग्रामपुर (मुंगेर)। भूमि संबंधित विवाद को स्थानीय स्तर पर निपटाने के उद्देश्य से शनिवार को संग्रामपुर थाना परिसर में आयोजित जनता दरबार में पांच मामले का निपटारा आपसी सुला और समझौते से कर दिया गया। मामले की सुनवाई के लिए अंचलाधिकारी स्नेहा सत्यम एवं थाना प्रभारी रंजन कुमार मौजूद थे। जनता दरबार में विवाद के कई मामलों को लेकर फरियादी पहुंचे हुए थे। भूमि विवाद के अधिकांश मामले भूमि के स्वामित्व को लेकर ही होते हैं। एक मामला जो कहुआ गांव के विपिन बिहारी शर्मा एवं मिंटू शर्मा के बीच रास्ते को विवाद को लेकर था। वही विभूति शर्मा और कंचन शर्मा की भूमि के स्वामित्व से संबंधित मामला था। इस मामले में जनता दरबार में आपसी सहमति बनाते हुए दोनों ही पक्षों द्वारा जमीन की नापी कराने हेतु अंचल अधिकारी से अपील की गई, जिसमें एक तिथि निर्धारित करते हुए दोनों ही पक्षों की जमीन की नापी कराने का निर्णय लिया गया। जिसमें दोनों ही पक्षों के मध्य थाना में आपसी सहमति से विवाद का समाधान कर लिया गया। पूर्व के 6 मामलों तथा 7 नए मामलों पर सुनवाई की गई। दोनों पक्षों की उपस्थिति तथा उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेज के आधार पर सुनवाई के आधार पर भूमि के स्वामित्व से जुड़े 5 मामलों का निपटारा दोनों पक्षों की सहमति से कर दिया गया। शेष छह मामलों में दोनों पक्षों में से एक पक्ष के अनुपस्थित रहने तथा प्रस्तुत किए गए दस्तावेज पर एक राय नहीं होने की वजह से मामले को अगले जनता दरबार के लिए अग्रेषित कर दिया गया।

प्रारंभिक अवस्था में बीमारियों की पहचान होने से इलाज संभव : जिलाधिकारी

सभी विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में करायी गई जांच : सिविल सर्जन

● समाहरणालय परिसर में स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

पूर्णिया, प्रात : किरण, संवाददाता

वर्तमान समय में हम सभी को महीने में एक बार अपने स्वास्थ्य की जांच अनिवार्य रूप से करानी चाहिए। ताकि किसी भी प्रकार की बीमारियों की पहचान शुरूआती दौर में होने से उसका इलाज सफलतापूर्वक कराया जा सके। उक्त बातें जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने समाहरणालय सभागार में अपना बीपी एवं शुगर की जांच के कराने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान कही। हालांकि डीडीसी सहिला, वरीय अपर समाहर्ता केडी प्रोज्जवल और उप समाहर्ता राजीव रंजन प्रकाश ने भी खुद अपना स्वास्थ्य जांच कराया है। इस अवसर पर क्षेत्रीय अपर स्वास्थ्य निदेशक डॉ विजय कुमार, सिविल सर्जन डॉ अभय प्रकाश चौधरी, आरपीएम कैशर इकबाल, डीपीएम सोरेंद्र कुमार दास, डीसीएम संजय दिनकर, डीपीसी डॉ सुधांशु शेखर, डीसीक्यूए डॉ अनिल कुमार शर्मा, डीयूएचसी मोहम्मद दिलनवाज, बीएचएम विभव कुमार, सिफार के धर्मेंद्र रस्तोगी सहित कई अन्य अधिकारी एवं कर्मी भी उपस्थित थे।

सभी विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में करायी गयी जांच : सिविल सर्जन

सिविल सर्जन डॉ अभय प्रकाश चौधरी ने कहा कि जिलाधिकारी के दिशा-निर्देश में समाहरणालय परसर स्थित सभागार में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है। समाहरणालय में कार्यरत सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मियों के गैर संचारी रोग से संबंधित बीपी, शुगर, ब्लड एवं कैंसर जांच डॉ वीपी अग्रवाल के नेतृत्व में की गयी। इसके अलावा संचारी रोग के तहत टीबी जांच डॉ मिहिरकान्त झा के नेतृत्व में की गयी। वहीं जेनरल फिजिशियन में डॉ अशोक कुमार सिंह, डॉ शरद कुमार, डॉ प्रियंका सिंह, डॉ अंसार आलम के द्वारा शिविर में आए मरीजों का उचित परामर्श के बाद इलाज किया गया। आंखों की बीमारी से संबंधित सभी तरह की जांच सुंदर कांत के द्वारा की गयी। सबसे अहम बात यह है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा इसको पहल के तौर पर लिया गया है। क्योंकि सरकारी कार्यालयों में कार्यरत पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अपनी स्वास्थ्य जांच के लिए अलग से समय निकालना मुश्किल होता है। जिसको लेकर जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में समाहरणालय परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है। जहां पर उचित परामर्श, जांच एवं निःशुल्क दवा का वितरण किया गया।

शिविर में तीन ओरल कैंसर से संबंधित मरीजों की हुई पहचान : डॉ विजया लक्ष्मी गुप्ता

स्वास्थ्य जांच शिविर के दौरान डॉ विजया लक्ष्मी गुप्ता के द्वारा ओरल कैंसर की जांच की गयी। जिसमें तीन संभावित मरीजों की पहचान की गई है। हालांकि अभी शुरूआती दौर में होने के कारण मेडिकल कॉलेज के ओपीडी में कैंसर विभाग को रेफर किया गया है। जहां पर वृहत पैमाने पर जांच के बाद इलाज शुरू किया जाएगा। स्वास्थ्य जांच शिविर में आयी महिलाओं की भी जांच की गयी। जिसमें स्तन कैंसर एवं सर्वाइकल कैंसर से संबंधित जानकारी के अलावा जागरूक किया गया है। ताकि वे लोग खुद अपने स्तर से स्तन कैंसर जांच कर सकती हैं। इससे भविष्य में इससे संबंधित कोई शिकायत होने पर खुद पहचान कर विशेषज्ञ चिकित्सकों से अपनी जांच एवं इलाज करा सकती हैं।

सर्वोदय आश्रम प्रबंध समिति की बैठक में संस्था की बदहाली पर जतायी गयी चिंता

● आश्रम को बचाने हेतु हरसंभव प्रयास का लिया गया निर्णय

पूर्णिया, प्रात : किरण, संवाददाता

पूर्णिया पूर्व प्रखंड अंतर्गत सर्वोदय आश्रम रानीपतरा के प्रबंध समिति की एक आवश्यक बैठक संस्था के अध्यक्ष दिलीप कुमार दीपक की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संस्था की बदहाली और इसके आदर्शों की बबार्दी एवं अवहेलना पर गहन विचार विमर्श के पश्चात इस निष्कर्ष पर पहुंचा गया की प्रमंडल के इस धरोहर को बचाने के लिए हर संभव हरसंभव प्रयास किया जाएगा। महासचिव डॉ मनोज ने दुख व्यक्त करते हुए कहा की संस्थापक स्वर्गीय वैद्यनाथ प्रसाद चौधरी के सपनों को पूरा करने का हमारी कमेटी हरसंभव प्रयास करेगी। बैठक में इस बात पर भी दुख व्यक्त किया गया कि कुछ स्थानीय दबंग, राजनीतिज्ञ एक अवैध कमेटी का निर्माण कर इसकी परिसंपत्तियों पर कब्जा करना चाहते हैं जिसे किसी कीमत पर सफल नहीं होने दिया जाएगा। यह भी निर्णय लिया गया कि पूर्णिया व्यवहार न्यायालय में कमेटी की वैधता के लिए महामंत्री पर दायित्व सौंपा गया कि न्यायालय से कमेटी की वैधता को स्वीकृति प्रदान कराएं। बैठक के पश्चात कमेटी के सदस्यों ने आश्रम में स्थित स्वर्गीय वैद्यनाथ प्रसाद चौधरी की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। बैठक में पवन कुमार राय, अशोक कुमार दास गोलफू, अमरेश कुमार सिंह, मनोज श्रीवास्तव, अशोक यादव, चंदन उरांव, मोहम्मद रफीक, पवन ऋषि आदि उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन जिला परिषद सदस्य राजीव सिंह के द्वारा किया गया।

छात्र जदयू ने विभिन्न मांगों को लेकर कॉलेज के प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

प्रात : किरण, संवाददाता

पूर्णिया/धमदाहा । गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज धमदाहा संझाघाट के जदयू छात्र संघ अध्यक्ष नीतीश कुमार ने छात्र संघ और छात्राओं की समस्या को लेकर एक 10 सूत्री मांग पत्र सौंपा। जिसमें मुख्य रूप से कॉलेज में पठन-पाठन का माहौल बनाने तथा सभी फैकेल्टी के शिक्षकों को उपलब्ध कराने के साथ-साथ छात्रों के लिए नियमित क्लास आयोजित करने, जल्द से जल्द शुद्ध पेयजल का व्यवस्था किये जाने, छात्र छात्राओं के लिए साइकिल स्टैंड बनाने, लाइब्रेरी की सुविधा एवं नियमित पठन-पाठन संचालित हो, नामांकन काउंटर बनाया जाए, तृतीय श्रेणी से कर्मचारी को बहाल किया जाए, कॉलेज छात्रावास का निर्माण कराया जाए, छात्राओं की नामांकन में समस्या को देखते हुए ऑनलाइन पोर्टल बनवाये जिसमें कॉलेज से संबंधित सभी जानकारियां जैसे कि ऑनलाइन एडमिशन और रिजल्ट आदि की सुविधा हो, शौचालय की मरम्मत हो और बुनियादी सुविधा जैसे शुद्ध पेयजल, स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करें, छात्र संघ के लिए एक ऑफिस एवं मूलभूत सुविधा जैसे- टेबल कुर्सी प्रदान किया जाए, कॉलेज के चारदिबारी का काम शुरू हो एवं मुख्य द्वार का निर्माण करवाया जाए शामिल है। इस मौके पर छात्र नेता गुड्डू कुमार पासवान एवं छात्र प्रदीप कुमार ने छात्र मौजूद थे।

बाल विवाह की रोकथाम हेतु पंचायत प्रतिनिधियों को किया गया जागरूक

पूर्णिया । कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस फाउंडेशन द्वारा पंचायती राज प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के शुरूआत में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस फाउंडेशन के जिला कॉर्डिनेटर सुमित प्रकाश ने नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के संघर्ष और कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन, बचपन बचाओ आंदोलन के गठन की प्रक्रिया के बारे में संक्षेप में बताया और सत्यार्थी आंदोलन की पृष्ठभूमि के बारे में उपस्थित लोगों को जानकारी दिया और बाल विवाह, बाल दुव्यार्पार, बाल यौन शोषण पर आधारित विषय को लेकर बातचीत की गई। कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस फाउंडेशन के रिसोर्स पर्सन पंकज कुमार ने पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों को बाल विवाह निषेध अधिनियम, ग्राम पलायन पंजी, समेत बाल संरक्षण से जुड़े सभी महत्वपूर्ण विषयों पर बहुत ही सार्थक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बाल संरक्षण सुरक्षा तंत्र से जुड़े वार्ड स्तरीय ग्राम बाल संरक्षण समिति के निर्माण और कार्यान्वयन के बारे में पंचायत प्रतिनिधियों और आंगनवाडी सेविकाओं को विस्तार से बताया। बाल यौन शोषण, बाल मजदूरी बाल दुव्यार्पार से जुड़े नियम और प्रावधानों को सरल रूप में समझाया। पंचायत के मुखिया उर्मिला देवी, प्रतिनिधि कुलदीप यादव, वार्ड सदस्य जवाहर रॉय, आंगनवाड़ी सेविका मंजू देवी, वार्ड सदस्य मो नसीम अख्तर, सेविका राखी कुमारी, सरपंच दसरथ प्रसाद साह सहित कई पंचायत प्रतिनिधियों ने बाल संरक्षण से संबंधित सवाल पूछे और कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रंस फाउंडेशन के प्रतिनिधि पंकज कुमार एवं सुमित प्रकाश ने प्रश्न उत्तर काल के समय में उनके सवालों के जवाब दिए और बाल सुरक्षा तंत्र के बारे में विस्तार से समझाया। ट्रेनिंग के अंत में मधेपुरा जिला के कोऑर्डिनेटर सुमित प्रकाश ने धन्यवाद ज्ञापन किया और सभी पंचायत प्रतिनिधियों को बाल विवाह रोकने को लेकर एक शपथ दिलाई।

बीएनसी कॉलेज के मो शब्बीर शिक्षक प्रतिनिधि पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित

पूर्णिया । मो.शब्बीर आलम, बीएनसी कॉलेज, धमदाहा को शिक्षक प्रतिनिधि के पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। प्रधानाचार्य गिरीश कुमार सिंह ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए बताया कि उक्त पद के लिए एकमात्र मो शब्बीर आलम ने नामांकन का पर्चा दाखिल किया था। शनिवार को पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया द्वारा प्रतिनियुक्त पर्यवेक्षक प्रो. अंजनी कुमार मिश्रा मौके पर मौजूद थे। प्रो. मिश्रा एवं प्रधानाचार्य श्री सिंह ने कॉलेज के शिक्षकों की उपस्थिति में मो. आलम को शिक्षक प्रतिनिधि चुने जाने का प्रमाण-पत्र दिया। इस अवसर पर विजय कुमार सिंह, बिपिन कुमार सिंह, कवीन्द्र कुमार, मृत्युंजय कुमार सिंह, चन्द्रशेखर सिंह, कौशल किशोर सिंह,शैलेन्द्र कुमार सिंह, सुनीता कुमारी झा, सुजाता कुमारी, अरुण कुमार सिंह, मनीष कुमार सिंह, सुनीता कुमारी झा, अशोक कुमार, कुमोद कुमार मिश्र, सरिता कुमारी आदि ने मो आलम को फूल मालाएं पहना कर बधाई और शुभकामनाएं दी।अंत प्रधानाचार्य गिरीश कुमार सिंह ने सबका धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम के समापन की घोषणा किया।

5 जून को केंद्र सरकार के खिलाफ महाधरना होगा ऐतिहासिक :नवीन यादव

प्रात : किरण संवाददाता

कसबा(पूर्णिया)। कसबा प्रखंड के नवीन नगर स्थित युवा राजद के जिला कार्यालय में रविवार को युवा जिलाध्यक्ष नवीन यादव की अध्यक्षता में युवा राजद के कार्यकताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजद द्वारा 5 जून 2023 को संपूर्ण क्रांति दिवस के अवसर पर केंद्र सरकार के नई शिक्षा नीति, महंगाई एवं जातीय जनगणना के रोक के खिलाफ एक दिवसीय महाधरना को सफल बनाने की विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में राजद जिलाध्यक्ष मिथिलेश कुमार दास, प्रधान महासचिव अभय कुमार सिन्हा, बनबनखी के पूर्व राजद प्रत्याशी सोना पासवान भी मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए युवा राजद जिलाध्यक्ष नवीन यादव ने कहा कि केंद्र सरकार की नई शिक्षा नीति से गरीब और ग्रामीण क्षेत्रों की आने वाली पीढ़ी शिक्षा से वंचित रह जाएगी। खासकर गरीब वर्ग जिसमें अधिकांश संख्या में पिछड़े दलितों महादलित एवं अल्पसंख्यकों के बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाएंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार जो शुरू से ही शिक्षा विरोधी रही है उसके इस कदम से ग्रामीण परिवेश के अधिकांश शिक्षण संस्थान बंद हो जाएंगे। वहीं बिहार में हो रहे जातिगत जनगणना का भाजपा शुरू से विरोधी रही है क्योंकि भाजपा को डर है कि अगर सही आंकड़े सामने आ गई तो पिछड़ा, दलित, महादलित समाज अपना हक मांगने की लड़ाई लड़ेगी। वही राजद के जिलाध्यक्ष मिथिलेश दास ने कहा की भाजपा बाबासाहेब की बनाई हुई संविधान को खत्म कर मनुस्मृति लागू करना चाहती है। वही राजद के प्रधान महासचिव अभय कुमार सिन्हा ने कहा कि पहले भाजपा को पहले महंगाई डायन लग रही थी लेकिन अब महंगाई भोजाई लग रही है। उन्होंने कहा कि देश बेरोजगारी महंगाई से से त्रस्त है और भाजपा सरकार इन मुद्दों पर से ध्यान भटकाने के लिए धर्म के नाम पर लोगों को उलझाने का काम कर रही है। उन्होंने युवा राजद के सभी सदस्यों से अपील की है कि 5 जून को एक दिवसीय महाधरना में भाग लेकर आम जनता की आवाज को बुलंद करें। इस मौके पर युवा राजद के सुमन यादव, रवि यादव, अभिषेक यादव, नीलकमल, राकेश यादव, दीपक यादव, मो मुजाहिद, वीर यादव अमरदीप यादव, मो सादिक सहित दर्जनों युवा राजद कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में 5 लोग जख्मी

संग्रामपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत बलिया पंचायत के गोनेई गांव में जमीनी विवाद में हुई मारपीट में दोनों पक्षों से 5 लोग घायल हो गए ,सभी का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संग्रामपुर में कराया गया।घायल में एक पक्ष से धनंजय यादव,नागेश्वर यादव,एवं दुसरे पक्ष से जुगल यादव,हरि किशोर यादव,एवं हरिचरण यादव शामिल है। दिनो पक्षों से हुई बात चित के दौरान बताया कि मारपीट का कारण जमीनी विवाद है।इस संदर्भ में थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिली है लेकिन अबतक दोनो पक्ष की और से आवेदन नही आया है,आवेदन मिलने के बाद आगे की जांच कर कार्यवाही की जायेगी।

निलंबित विगत दस दिनों से विद्यालय बंद करने व सरकारी कार्यों को बाधित रखने के आलोक में विद्यालय प्रबंधन को किया निलंबितः एसडीओ

स्कूल बंदी को लेकर जिला प्रशासन ने लिया संज्ञान

प्रात : किरण संवाददाता

नाथनगर (भागलपुर)। नाथनगर थाना क्षेत्र अंर्तगत बीते दिनों इलाके के दबंगों द्वारा नरसंहार की धमकी देकर संचालित स्कूल को बंद कराने का मामला प्रकाश में आया था। दरअसल दबंगों की धमकी दिये जाने के बाद से स्कूल में ताला लटका हुआ है, और स्कूल के नामांकित बच्चे विगत नौ दिनों से विद्यालय के बंद रहने से पठन पाठन का कार्य बाधित है। वहीं मामले को लेकर स्कूल प्रबंधन के द्वारा स्थानीय थाना पहुंच थाना प्रभारी को मामले से अवगत कराते हुए दोषियों के विरुद्ध केस दर्ज कराया गया था। जबकि उक्त मामले को लेकर स्कूल वालों का कहना है कि स्थानीय पुलिस पदाधिकारी द्वारा दर्ज मामले में कोई कानूनी कार्रवाई नहीं किये जाने से दबंगों के हौसले बुलंद है। वही उक्त मामले को लेकर विद्यालय प्रबंधन ने स्थानीय थाना पुलिस पदाधिकारी के उदासीन रवैये अपनाये जाने की शिकायत सीनियर एसपी आनंद कुमार के समक्ष पहुंच कर की। इतने लम्बी अवधि तक बेवजह स्कूल बंद होने के बाद उक्त मामले को लेकर जिला प्रशासन की संज्ञान में लेते हुए जिला सदर एसडीओ धनंजय कुमार व उनकी टीम स्कूल पहुंच कर स्कूल परिसर व आसपास के इलाके का जायजा लिया। जहां उन्होंने स्कूल प्रबंधन से विद्यालय बंद करने का कारण पूछा और उनकी समस्याओं से रूबरू हुए। इसी क्रम में सदर एसडीओ ने कहा कि जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन के निर्देश पर वे लोग स्कूल पहुंचे और स्कूल वालों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली, साथ ही उन्होंने कहा कि स्कूल वालों का कहना है कि स्थानीय इलाके के विक्रांत कुमार उर्फ पूर्ण साह के द्वारा स्कूल बंद कराने की धमकी दी गई थी, जिसको लेकर स्कूल प्रबंधन ने केस भी दर्ज कराया था। वही सदर एसडीओ ने कहा कि मामला प्रशासन के संज्ञान में आ चुका है, और जांच चल रही हैं, जांच के बाद विधि संवद कार्यवाही की जाएगी, लेकिन राइट टू एजुकेशन के तहत सरकारी काम को रोकना कहीं से भी उचित नहीं है। विगत कई दिनों तक स्कूल बंद रखने और सरकारी काम को रोके जाने पर प्राचार्य पंकज मोसेस को फिलहाल निलंबित कर दिया गया है, साथ ही उन्होंने सोमवार से स्कूल खोलने को लेकर शिक्षा विभाग के कर्मियों को निर्देशित किया है, और कहा है कि अगर आगे स्कूल बंद रहा तो शिक्षकों पर भी कार्रवाई की जाएगी। वही इलाके के रहने वाले विक्रांत साह ने बताया कि स्कूल प्रबंधन द्वारा उन पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं, और स्कूल के प्राचार्य स्वयं भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं। अभियुक्त विक्रांत ने पुलिस प्रशासन से गुहार लगाते हुए कहा है कि मामले में उच्च स्तरीय जांच कर कार्यवाही की जाए, अगर वह दोषी पाए गए तो वह सजा भुगतने को तैयार हैं।

कर्नाटक में सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री बनाये जाने पर जताया हर्ष

पूर्णिया । कर्नाटक में सिद्धारमैया द्वारा मुख्यमंत्री और डीके शिवकुमार द्वारा उपमुख्यमंत्री की शपथ लिये जाने पर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष रंजन सिंह, उपाध्यक्ष मोहम्मद अलीमुद्दीन, आशा नारायण चौधरी, कायानंद कुमार, नीरज सिंह उर्फ छोटू सिंह, जिला महासचिव गौतम वर्मा, जवाहर किशोर उर्फ रिंकू यादव, अफरोज खान आदि ने हर्ष प्रकट किया है। नेताओं ने कहा कि दोनों व्यक्ति के सामंजस्य से कर्नाटक का चहुमुखी विकास होगा और आम लोगों को इससे फायदा होगा। यह सरकार कल्याणकारी योजनाओं के साथ जनता को सीधा लाभ पहुंचाने का काम करेगी। कर्नाटक में सरकार बनने पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव डॉक्टर इरशाद अहमद खान और युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता जयवर्धन सिंह ने भी बधाई दी है और कहा कि सरकार जनता की विश्वास के ऊपर खरा उतरेगी।

महिला विंग ने किया समर कैंप का आयोजन

दर्जनों बच्चों ने समर कैंप में अपनी सहभागिता दिखाई

भागलपुर। मारवाड़ी युवा मंच के बैनर तले भागलपुर शाखा की महिला विंग ने समर कैंप का आयोजन किया। समर कैंप में शहर के दर्जनों बच्चों ने अपनी सहभागिता दिखाई है, समर कैंप के दौरान ड्राइंग, क्राफ्ट, डांस के साथ-साथ बच्चों को कई तरह के गेम भी खेलाए गए, इस कैंप में सभी बच्चों ने खूब मस्ती की, साथ ही समर कैंप में बच्चों को क्राफ्ट के तहत पेन स्टैंड, फ्लावर, ग्रीटिंग्स कार्ड जैसी कई चीजों को बनाने के लिए सिखाया गया। वहीं बिस्किट से सैंडविच, चॉकलेट जैसी कई चीजें बनाने को लेकर जानकारी दी, साथ ही भाग लेने वाले सभी बच्चों ने इस समर कैंप में खूब मस्ती किये है। आयोजन को लेकर मारवाड़ी युवा मंच भागलपुर शाखा के अध्यक्ष सुनीता सराफ ने बताया कि समर कैंप में बच्चों ने खूब मस्ती की साथ ही हम लोगों ने बच्चों के साथ बच्चे बनकर इस गर्मी की छुट्टी में खूब इंजॉय किया। कार्यक्रम के दौरान मारवाड़ी युवा मंच के दर्जनों सदस्य मौजूद थे।

12 करोड़ की लागत से बने महिला विंग को टीएमबीयू को किया सुपुर्द

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। मारवाड़ी कॉलेज परिसर में मारवाड़ी वित्तीय समिति द्वारा निर्मित महिला विंग को टीएमबीयू को हैंडोवर कर किया गया है। उक्त आशय की जानकारी टीएमबीयू के सीनेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम दौरान दी गई। इसी क्रम में मारवाड़ी वित्तीय समिति के दर्जनों पदाधिकारी व कर्मी मौजूद थे, साथ ही टीएमबीयू के कुलपति प्रो./डॉ. जवाहर लाल व प्रति कुलपति के अलावा कई प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे, गौरतलब हो कि टीएमबीयू के सिंडिकेट हॉल में मारवाड़ी पाठशाला समिति व कुलपति सहित विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों की मौजूदगी में मारवाड़ी पाठशाला समिति द्वारा मारवाड़ी कॉलेज परिसर में बनाए गए महिला विंग तकरीबन बारह करोड़ की लागत से बनाया गया है। जिसमें सभी आधुनिक सुविधा से लैस बतायी जा रही है। उक्त भवन को मारवाड़ी युवा समिति के सदस्यों द्वारा टीएमबीयू प्रशासन को सुपुर्द कर दिया है। इस मौके पर कुलपति प्रो./डॉ. जवाहर लाल ने बताया कि मारवाड़ी समाज के द्वारा लगातार समाज के कल्याणकारी योजनाओं में लगातार सहयोग दिये जाने के साथ साथ टीएमबीयू के कार्यों में भी लगातार मारवाड़ी समाज के द्वारा सहयोग किया जाता रहा है। विगत साल दो हजार अट्ठारह में इस भवन की नींव पड़ी थी, और आज उक्त भवन निर्माण कार्य पुर्ण होने के साथ मारवाड़ी समाज की समिति द्वारा विश्वविद्यालय को उक्त भवन सुपुर्द किया गया है।

रिवरफ्रंट का मेयर ने लिया जायजा

जल्द ही शहरवासी डॉल्फिन और लेजर लाइट का ले सकेंगे नजारा:मेयर

प्रातः किरण ब्यूरो।

भागलपुर। एक तरफ जहां भागलपुर का पहला रिवरफ्रंट पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। वही शहरवासी ही नहीं पर्यटक का लुप्त उठाने के लिए सैर करने के क्रम में गंगा तटवर्ती क्षेत्र इलाके में बैठकर डॉल्फिन को निहार सकेंगे। इन सारी सुविधाओं को लेकर स्मार्ट सिटी के करीब 162.6 9 करोड़ रुपए की लागत से 11 किलोमीटर लंबा रिवरफ्रंट का निर्माण कराया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर इसमें कई अनियमितताएं भी देखी जा रही हैं, जिसको लेकर बरारी घाट स्थित बन रहे रिवरफ्रंट का जायजा लेने मेयर डॉक्टर वसुंधरा लाल व उनकी टीम गंगा तट पर पहुंची, इस दौरान नगर निगम के कई वार्ड पार्षद भी निरीक्षण के दौरान मौजूद थे। रिवरफ्रंट को लेकर कई बार कार्यों में अनियमितता बढ़तने के सवाल खड़े किये जा चुके हैं। वही कांग्रेस विधायक दल के नेता अजीत शर्मा के द्वारा भी चल रहे कार्यों को लेकर कई तरह के सवाल उठाए थे। जिसको लेकर मेयर डॉक्टर वसुंधरा लाल के द्वारा निरीक्षण किया गया, साथ ही उक्त स्थल पर चल रहे कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। वही रिवरफ्रंट में किस तरह से कार्य कहां-कहां किए जाने हैं, इसका नक्शा भी उन्होंने इंजीनियर के मौजूदगी में देखा और कई क्रम में उन्होंने संबंधित कर्मियों व पदाधिकारी को दिशा निर्देश कंपनी के प्रतिनिधि सह इंजीनियर व ठेकेदार को दिये हैं। वही उन्होंने कार्य में तेजी लाने का आदेश दिया है।

वही रिवरफ्रंट का कार्य कर रहे कंपनी के इंजीनियर ने कहा इसमें किसी भी तरह की अनियमितता कही नहीं बढ़ती जा रही है, हम लोगों ने गुणवत्तापूर्ण कार्य किया है, और उम्मीद है कि जल्द ही शहरवासियों को रिवरफ्रंट के आकर्षण का नजारा देखने को मिलेगा, और यह पूरे भागलपुर शहर के लिए सबसे अलग पर्यटन स्थल में से एक पर्यटन स्थल साबित होगा।

एबीवीपी द्वारा कुलपति के विरुद्ध दिया धरना

प्रातः किरण ब्यूरो।

भागलपुर। टीएमबीयू में हर दिन एक नये मुद्दों को लेकर छात्र संगठन द्वारा प्रदर्शन का दौर जारी रहता है, कभी छात्र छात्राओं की मांग, तो कभी कर्मियों की मांग, तो कभी शिक्षकों की मांग को लेकर आए दिन कुलपति का घेराव सहित धरना प्रदर्शन का आलम बना रहता है। इसी बाबत विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन परिसर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भागलपुर द्वारा तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर में फैले शैक्षणिक अराजकता, व्याप्त भ्रष्टाचार, परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी एवं विश्वविद्यालय प्रशासन के छात्र विरोधी नीति के खिलाफ विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन के कैंपस में एक दिवसीय धरना व आक्रोश प्रदर्शन किया गया। इस क्

मुझे लगा चॉकलेट बॉय वाला टाइटल चिपक रहा है मेरे साथ

बॉलीवुड एक्टर जिमी शेरगिल की अपकमिंग फिल्म आजम को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म मुंबई में उस एक रात की कहानी है जिसमें इतना कुछ हो जाता है कि अंडरवर्ल्ड से लेकर पुलिस फोर्स और पूरा सिस्टम हिल जाता है। जिमी शेरगिल अपनी इसी फिल्म को लेकर मीडिया से बातचीत की। इसी दौरान उन्होंने ढेर सारी बातें भी कहीं। उन्होंने बताया कि जब फिल्म की स्क्रिप्ट के बारे में सुना कि ये एक रात की कहानी है, तभी उन्होंने पॉज लिया। क्योंकि एक रात की कहानी का मतलब था की रातों की शूटिंग। उन्होंने कहा- मैं जल्दी सोकर सुबह जल्दी उठने वालों में से हूं और रात की शूटिंग से हेल्थ पर असर पड़ता है इसलिए मैंने टीम से ऐसा बोल दिया था।

हम 40 की जगह हम 80 रातें देने को तैयार हैं

जिमी ने बताया कि उनके पास जो स्क्रिप्ट आती हैं, उन्हें वो खुद पढ़ते हैं। चूंकि पढ़ने का शौक भी है तो वो इसे खुद पढ़ते हैं। एक बार जिमी ढूंढ रहे थे तो एक मोटी सी स्क्रिप्ट दिखी जो हिन्दी में लिखी थी। उन्हें लगा कि इस पढ़कर देखते हैं। जिमी ने कहा– एक–दो पेज पढ़े थे मैंने कि मुझे ये बेहद पसंद आ गया। फिर मैंने इंटरवल तक पढ़ा और फिर पूरी स्क्रिप्ट खत्म कर दी। मुझे थ्रिलर सस्पेंस बहुत पसंद है। मैंने तुरंत अपने मैनेजर को फोन लगाया और पूछा कि ये किसकी स्क्रिप्ट है। मैनेजर ने पूछा किसकी है, डीटेल बताइए तो मैंने उसपर जो लिखा था वो पूरी डीटेल बताई। इसपर मैनेजर ने कहा– अरे ये तो वो ही जिसे नाइट शूटिंग की वजह से हमने ना बोल दी थी। मैंने कहा– उनको तुंरत कॉल करो और बोलो कि आपको 40 की जगह हम 80 रातें देने को तैयार हैं, अगर आपने कास्ट नहीं किया है तो हम इसे कर रहे। जिम्मी ने कहा, मैंने मोहब्बतें के बाद दो साल ढाई साल लगातार दिन–रात काम किया। उन दो सालों में मैंने रियलाइज किया कि मेरे सब रोल चॉकलेट बॉय वाले हैं। मुझे लगा ये तो चॉकलेट बॉय वाला टाइटल चिपक रहा है मेरे साथ और ये मुझे कितने साल आगे ले जाएगा, 2 साल या 3 साल...फिर कहानियां खत्म हो जाएंगी चॉकलेट बॉय की। मैंने अचानक से कुछ ऐसी फिल्मों को चूज करना शुरू किया चाहे वो हासिल थी चाहे मुन्ना भाई एमबीबीएस थी चाहे वो अ वेडनेसडे थी, जिसमें आप भले लीड नहीं हैं लेकिन फिल्म का हिस्सा हैं। इसकी वजह से वो इमेज ब्रेक हुई।

इस कहानी के लिए मेरे मन में बहुत रिस्पेक्ट थी

उन्होंने कहा , इस कहानी के लिए मेरे पास बहुत ज्यादा रिस्पेक्ट थी। इस फिल्म में मैं कोई भी रोल कर लेता। इस कहानी के लिए मेरे मन में बहुत रिस्पेक्ट थी। मुझे ये था कि डायरेक्टकर मुझे बोल दे कि नहीं सर सबकुछ लॉक हो चुका है, अब कुछ नहीं है करने के लिए तो मैं उसको कहता कि कोई वॉइसओवर है? वो दे दो मुझे लेकिन मैं इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहता हूं बस। क्योंकि मुझे आपकी कहानी बेहद पसंद है।

मुंबई में 19 मंजिला होटल बनाएंगे सलमान खान

सलमान खान मुंबई की एक प्राइम लोकेशन में 19 मंजिला होटल बनाने जा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सलमान खान को बांद्रा के कार्टर रोड पर ये होटल बनाने की परमिशन दे दी है। रिपोर्ट के मुताबिक सलमान खान जिस जमीन पर होटल का कंस्ट्रक्शन शुरू करवा रहे हैं वो प्लॉट उनकी मां सलमा खान के नाम पर है। सलमान खान का परिवार बॉलीवुड के उन परिवारों में है जिन्होंने रियल एस्टेट में काफी इन्वेस्टमेंट किया हुआ है। सी–कार्टर रोड के इस एरिया में पहले स्टारलेट को–ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी हुआ करती थी। रिपोर्ट के मुताबिक सलमान खान की फैमिली इस रेजिडेंशियल एरिया को दोबारा डेवलप करना चाहती थी। लेकिन, अब क्रस्ट की परमिट मिलने के बाद उन्होंने यहां 19 मंजिला होटल के कंस्ट्रक्शन का फैसला लिया है।

सलमान खान के पिता ने खरीदी थी प्रॉपर्टी

2011 में इंटरव्यू में सलमान खान के पिता सलीम खान ने बताया था कि उन्होंने काफी इन्वेस्टमेंट किया है। उन्होंने बताया था कि वो अपने परिवार और खासकर अपने बेटे सलमान के लिए अक्सर प्रॉपर्टी खरीदते रहते हैं।

69.90 मीटर होगी होटल की हाइट

होटल के कंस्ट्रक्शन के लिए सलमान खान के आर्किटेक्ट सैप्रे एंड एसोसिएट्स ने मुंबई के डेवलपमेंट कंट्रोल एंड प्रमोशन रेगुलेशन को 69.90 मीटर की एक कमर्शियल सेंट्रली एयर–कंडिशन्ड बिल्डिंग का प्लान भेजा था। इस प्लान में तीन अलग–अलग बेसमेंट, फर्स्ट और सेकंड फ्लोर पर कैफे और रेस्टोरेंट, थर्ड फ्लोर पर जिम और स्विमिंग पूल भी हैं। होटल की चौथी मंजिल पर सर्विस फ्लोर, पांचवी और छठी मंजिल पर कन्वेंशन सेंटर और सातवीं से लेकर उन्नीसवीं मंजिल तक कमरे होंगे।

राज कुमार गुप्ता के अगले प्रोजेक्ट का हिस्सा बने रितेश देशमुख?

फिल्म मेकर राज कुमार गुप्ता को रेड, नो वन किल्सड जेसिका जैसी बेहतरीन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। हैं। वहीं, अब खबर सामने आई है कि डायरेक्टर अपनी अगली वेब सीरीज बनाने की तैयारी में है। बॉलीवुड फिल्म मेकर राज कुमार गुप्ता को रेड,नो वन किल्सड जेसिका जैसी बेहतरीन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। वहीं, अब खबर सामने आई है कि डायरेक्टर अपनी अगली वेब सीरीज बनाने की तैयारी में है। उनके इस शो में शो रोनी स्क्रूवाला और अभिनेता रितेश देशमुख नजर आने वाले हैं। यह परियोजना भारत में फार्मेसी उद्योग के इर्द–गिर्द घूमती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस परियोजना की पटकथा ऐसी है कि केवल वेब–शो जैसे लॉन्ग फॉर्म फॉर्मेट में ही बनाया जा सकता है। निर्माताओं को लगता है कि रितेश मुख्य भाग के लिए एकदम सही हैं। गुप्ता की आखिरी फिल्म अर्जुन के साथ इंडियाज मोस्ट वांटेड थी। इस बीच रितेश को अभी भी उनका खूब प्यार मिल रहा है। बता दें कि रितेश आखरी बार मराठी फिल्म वेद में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ उनकी पत्नी जेनेलिया देशमुख भी नजर आई थीं। दर्शकों को फिल्म में दोनों की केमिस्ट्री काफी पसंद आई थी। फिल्म पिछले दिनों ओटीटी पर भी रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार कारोबार किया था। रितेश और जेनेलिया बी टाउन के सबसे पसंदीदा कपल में से एक हैं। फैंस को उनकी जोड़ी काफी पसंद आती है।

बॉलीवुड में चल रहे नेपोटिज्म पर बोलीं दिव्या

अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने बॉलीवुड में चल रहे नेपोटिज्म के बारे में बात करते हुए कहा कि अब उभरते हुए नए कलाकारों के लिए इंडस्ट्री में पैर जमाना चुनौतीपूर्ण हो गया है। अभिनेत्री ने कहा कि यहां बहुत मुश्किल, क्योंकि यह एक ग्लैमर की दुनिया है। हर कोई इसे देखता है, हर कोई अपनी छवि बनाता है। हम सभी ने इसका सामना किया। यहां तक कि मैंने भी इसका सामना किया। मुझे लगता है कि आखिरकार वही होता है, जो सच में रहता है। दिव्या दत्ता ने कहा कि कई बार एक छोटी सी फिल्म भी बिना मार्केटिंग के चल जाती है और एक छोटा अभिनेता भी अपनी जगह बना लेता है। जब मैं इंडस्ट्री में आई तो हर कोई मुझे एक अच्छी एक्ट्रेस कहते थे और अब वे कहते हैं कि मैं एक स्टार एक्ट्रेस हूं। ये चीजें अपने आप हो गईं, लेकिन मुझे वास्तव में जो लगता है, वह यह है कि लोगों का प्यार बहुत अच्छी कमाई है। स्टारडम आता है और चला जाता है, लेकिन मेरे लिए क्या मायने रखता है, जब दर्शक कहते हैं कि आप हमारी हो, हमारी जैसी दिखती हो और मुझे वास्तव में यह पसंद है। इंडस्ट्री में चल रहे भाई–भतीजावाद पर बात करते हुए दिव्या दत्ता ने कहा कि जब दर्शक मुझ पर भरोसा करते हैं कि मैं अच्छी फिल्में ही करूंगी तो यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मुझे लगता है कि हर कोई भाई–भतीजावाद का सामना करता है और यहां तक कि चीजें भी उनके लिए आसान नहीं होती हैं। अभिनेत्री ने अपनी आने वाली परियोजनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में उनके पास तीन वेब शोज और चार फीचर हैं, जिनके लिए वह एक बच्चे की तरह बहुत उत्साहित हैं और खुश हैं।

अनुराग कश्यप की बेटी आलिया ने की सगाई

फिल्ममेकर अनुराग कश्यप की 22 वर्षीय बेटी आलिया कश्यप ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड शेन ग्रेगोइर से सगाई कर ली है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इंडोनेशिया से तस्वीरें शेयर करते हुए इस बारे में अनाउंसमेंट की। दोनों लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। बता दें कि आलिया, अनुराग और उनकी एक्स वाइफ व फिल्म एडिटर आरती बजाज की बेटी हैं। इस बारे में जानकारी देते हुए आलिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में वे अपने बॉयफ्रेंड को किस करते हुए अपनी इंगेजमेंट रिंग फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। फोटो शेयर करते हुए आलिया ने लिखा, 'आखिरकार ये हो गया। मेरे बेस्ट फ्रेंड, मेरे पार्टनर, मेरे सोलमेट और अब मेरे मंगेतर भी। आप मेरी जिंदगी के एकमात्र प्यार हो। शुक्रिया मुझे असली और बिना शर्त वाला प्यार देने और उसका मतलब सिखाने के लिए। आपको हां कहना मेरे जीवन के सबसे आसान काम में से एक था और अब मैं अपना बाकी का जीवन आपके साथ बिताने का इंतजार नहीं कर सकती। शुक्रिया माय लव।'

पिता समेत कई सेलेब्स ने दी बधाई

इस तस्वीर पर पिता अनुराग ने कमेंट करते हुए बेटी को बधाई दी। इसके अलावा अनुराग ने एक इंस्टा स्टोरी भी शेयर की। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, ये बहुत बड़ी हो चुकी है। इतनी कि अब इसकी सगाई भी हो चुकी है। वहीं एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने चौंकते हुए रिएक्ट किया और लिखा, 'व्हाट?'। इसके अलावा एक्ट्रेस शनाया कपूर, सनी लियोन और राधिका सेठ समेत कई सेलेब्स और स्टार किड्स ने आलिया को बधाई दी। आलिया ने ये तस्वीरें इंडोनेशिया के बाली से शेयर की हैं जहां वे इन दिनों वेकेशन मना रही हैं। उन्होंने दो तस्वीरे शेयर की हैं जिसमें वे प्रिंटेड गाउन में अपनी इंगेजमेंट रिंग फ्लॉन्ट करती और बॉयफ्रेंड को किस करती नजर आ रही हैं।

टीवी इंडस्ट्री में भेदभाव पर अंगूरी भाभी शुभांगी अत्रे का खुलासा

भाबी जी घर पर हैं सीरियल में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर पॉप्युलैरिटी हासिल करने वाली एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे ने बताया कि उनकी बेटी करीब सवा साल की थी और उसे घर पर छोड़कर वो काम पर जाती थीं। तीन–तीन दिन मिल नहीं पाती थीं। वो उन्हें टीवी पर छूकर मम्मी–मम्मी कहती थी। उन्होंने ये भी बताया कि सिंगल मदर होने के बाद अब उनकी क्या चुनौतियां हैं। उन्होंने बताया कई बार ऐसा होता है की मेल एक्टर्स की बात मान ली जाती है, पर वहीं अगर फीमेल एक्टर ने कहा तो नहीं होती वह बात पूरी। मैं जब इंडस्ट्री में आई थी तब कहते थे कि शादीशुदा को हीरोइन दिया। मेल एक्टर पॉपुलर है तो उसकी बात सुनेंगे आपकी नही। जब कभी हम मुसीबत में हों, तो इक्वालिटी की बात करते हैं। अगर कभी मैंने कहा हो, मेरा बच्चा बीमार है, जल्दी छोड़ दे। उस समय बच्चे को पिता से ज्यादा मां की जरूरत होती है तब वो समझना चाहिए। वो नहीं समझते और मुझे नहीं लगता कि ये कभी खत्म होगा।

जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की एनटीआर30 का नाम होगा देवरा

जूनियर एनटीआर, सैफ अली खान और जान्हवी कपूर की फिल्म एनटीआर 30 को लेकर मेकर्स ने बड़ी जानकारी शेयर की है। इस फिल्म का ऑफिशियल नाम देवरा होगा जिसका फर्स्ट लुक पोस्टर भी मेकर्स ने जारी कर दिया है। आइए बताते हैं देवरा की रिलीज डेट क्या है। आरआरआर फेम जूनियर एनटीआर इन दिनों कोराताला शिवा के साथ एक एक्शन एंटरटेनर फिल्म पर काम कर रहे हैं। ये एक्टर की 30वीं फिल्म है, जिसे फैंस एनटीआर30 का नाम दे रहे थे। इस फिल्म की खास बात ये थी कि इसमें बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर और सैफ अली खान भी नजर आने वाले हैं। अब आखिरकार मेकर्स ने इस फिल्म के ऑफिशियल टाइटल को अनाउनेंस कर दिया है। साथ ही इस फिल्म की रिलीज डेट भी जारी कर दी है। तो आइए तारक का फर्स्ट लुक पोस्टर भी आपको दिखाते हैं। जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की फिल्म का नाम देवरा है। इस फिल्म के पहले पोस्टर में मेकर्स ने छ्वद्ध हृअक्रके लुक को दिखाया है। पोस्टर में एक्टर बड़ा सा खंजर पकड़े नजर आ रहे हैं। एनटीआर का स्वैग यकीनन फैंस की बेकरारी को और बढ़ा रहा है। मेकर्स ने इससे पहले बताया था कि ये फिल्म भारत के तटीय भूमि के बारे में होगी। देवरा फिल्म में एनटीआर के साथ जान्हवी कपूर मुख्य रोल को निभाती नजर आएंगी। जबकि सैफ अली खान भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं। एनटीआर आर्ट्स और युवा सुधा आर्ट्स के बैनर तले हरि कृष्ण के और मिकिलिनेनी सुधाकर इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म का म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है।

पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं,

नई दिल्ली। 21 मई को भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। फिलहाल दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए लीटर है तो डीजल 89.62 रुपए लीटर के हिसाब से बिक रहा है। वहीं मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। राजस्थान और मध्यप्रदेश सहित देश के 16 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए लीटर के ऊपर बना हुआ है। बीते 1 साल से पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं।

हर दिन ऑफिस आने वालों की संख्या घटी

नई दिल्ली। दुनियाभर में महामारी खत्म होने की अधिकृत घोषणा के बाद बहुत लोग सोच रहे थे कि ऑफिसों में अब पूरी तरह लोगों की वापसी हो जाएगी। लेकिन नई रिपोर्ट बताती है कि हाईब्रिड वर्क बढ़ने के कारण हर दिन ऑफिस आने वाले वर्कर्स की संख्या कम हुई है।

भारत में बनेगी टेस्ला? कंपनी ने मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए सरकार से शुरू की बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला भारत में अपना मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने की योजना बना रही है। केंद्र सरकार में राज्य मंत्री के हवाले से एक समाचार एजेंसी की ओर से जानकारी दी गई है। ये खबर ऐसे समय पर आई है, जब भारत में इलेक्ट्रिक कारों की मांग में इजाफा देखने को मिल रहा है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में बताया गया कि हाल ही टेस्ला के वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से केंद्र सरकार से बातचीत की है, इसमें कंपनी के भारतीय बाजार में एंट्री करने को लेकर बातचीत की गई थी।

एलन मस्क ने नेतृत्व वाली कंपनी की ओर से भारतीय अधिकारियों से कई मद्दों को लेकर बातचीत की गई है, जिसमें कार बैटरी मैन्यूफैक्चरिंग और कार मैन्यूफैक्चरिंग जैसे मुद्दे शामिल हैं। बातचीत के बाद केंद्र सरकार में राज्य मंत्री राजीव चेंद्रशेखर की ओर से बताया गया कि वे भारत को प्रोडक्शन और इनोवेशन के बेस के रूप में काफी गंभीरता से देख रहे हैं। हमने उन्हें इशारा कर दिया है कि भारत सरकार उनके साथ मिलकर काम करने को तैयार है और उनकी कोशिश भारत में कंपनी के निवेश को सफल बनाने को लेकर है।

क्यों टेस्ला के रुख में आया बदलाव?

रॉयटर्स ने बताया कि टेस्ला के भारत में इलेक्ट्रिक वाहन बनाने के लिए फैक्ट्री स्थापित करने से लेकर ईवी बैटरी बनाने के लिए बातचीत कर रहा है। बता दें, बीते साल तक टेस्ला भारत में कार आयात कर उन्हें बेचने पर कार्य कर रहा था, जिसको लेकर भारत सरकार द्वारा साफ कर दिया गया था कि अगर टेस्ला भारत मैन्यूफैक्चरिंग शुरू करता है तब ही उसे सरकार से मदद मिलेगी।

विशेषज्ञों की राय: 2000 रुपये के नोट वापसी का न जीडीपी पर असर होगा, न आम जनता पर

नई दिल्ली, एजेंसी। 2000 के नोट वापसी का न तो जीडीपी पर असर पड़ेगा और न ही आम लोगों पर। पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने शनिवार को कहा कि पिछले पांच-छह वर्षों में डिजिटल भुगतान बढ़ने की वजह 2000 का नोट वापस लेने से कुल प्रचलित मुद्रा पर कोई खास असर नहीं आएगा। इसलिए इसका मौद्रिक नीति पर भी कोई प्रभाव नहीं होगा। उन्होंने कहा, न तो यह भारत की आर्थिक और वित्तीय प्रणाली पर कोई असर डालेगा और न ही सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि या जनकल्याण पर कोई प्रभाव पड़ने वाला है।

नोटबंदी के बाद जब फिर से मुद्रा की छपाई हो रही थी, उस समय गर्ग आर्थिक मामलों के सचिव थे और सिक्का और मुद्रा प्रभाग के प्रभारी थे। उनका कहना है कि सरकार ने संभवतः तात्कालिक जरूरतों को देखते हुए ही 2000 रुपये के नोट छापने का फैसला किया था। बाद में चरणबद्ध तरीके से इसे घटाने का फैसला कर लिया गया था। जुलाई-अगस्त 2017 में 2000 के प्रचलन में रहने नोटों का कुल मूल्य 7 लाख करोड़ था।

छोटी मुद्रा से हो जाएगी भरपाई...

अर्थव्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि जितने नोट वापस आएंगे, उनके एवज में छोटे नोट बाजार में आ जाएंगे या फिर इतनी रकम बैंक खातों में जमा हो जाएगी। यह कदम उठाने की सबसे बड़ी वजह अवैध

लेन-देन पर शिकंजा कसना है। -अरविंद पनगढ़िया, पूर्व उपाध्यक्ष, नीति आयोग

आम लोग नहीं करते इन नोटों का ज्यादा इस्तेमाल

लंदन। पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यम ने कहा कि 2000 के नोट आम लोगों के सामान्य लेन-देन में बहुत ज्यादा इस्तेमाल नहीं होते थे। इन नोटों का कुल मूल्य प्रचलित मुद्रा का 10 फीसदी ही था। इसलिए इसका आम लोगों पर असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अगर कुल मुद्रा के संदर्भ में बात करें तो अगले तीन सालों में कुल लेन-देन में डिजिटल लेन-देन की हिस्सेदारी बढ़कर 65 फीसदी तक पहुंच जाएगी।

एलएंडटी फाइनेंस होल्डिंग्स समूह में मुख्य अर्थशास्त्री रूपा रेगे नित्सुरे के मुताबिक, ताजा कदम से आर्थिक विकास पर व्यवधान उत्पन्न नहीं होगा, क्योंकि छोटे नोट पर्याप्त मात्रा में हैं। 6-7 सालों में डिजिटल लेन-देन बढ़ने की वजह से किसी तरह की मुश्किल होने की गुंजाइश नहीं है।

क्वांट इको रिसर्च की अर्थशास्त्री युविका सिंघल का मानना है, कृषि और निर्माण जैसे छोटे व्यवसायों और उन क्षेत्रों में असुविधा हो सकती है, जिनमें ज्यादातर नकदी का इस्तेमाल किया जाता है। बैंक के बजाए अपने पास ही ज्यादा मुद्रा रखने वाले लोग जरूर सोने या ऐसी अन्य चीजें खरीदकर रखने को तरजीह दे सकते हैं।

अर्थव्यवस्था पर नहीं पड़ेगा प्रभाव, आरबीआई के फैसले पर नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार ने शुक्रवार शाम को दो हजार रुपये के नोट के चलन को बंद करने का फैसला लेकर एक बार फिर सभी को चौंकी दिया है। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगड़िया ने केंद्र सरकार के इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। पनगड़िया ने कहा कि दो हजार के नोट वापस मांगने के आरबीआई के फैसले से अर्थव्यवस्था पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। ऐसे वापस हुए नोटों के स्थान पर उसी कीमत में कम मूल्यवर्ग के नोट जारी कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कदम के पीछे का उद्देश्य अवैध धन की आवाजाही को मुश्किल बनाना है। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा- इस फैसले का भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं देखेगा। दो हजार के नोट को बराबर कीमत में कम मूल्यवर्ग के नोटों से बदल दिया जाएगा या जमा कर दिया जाएगा। पनगड़िया ने कहा कि दो हजार रुपये का नोट वर्तमान में जनता के हाथों में कुल नकदी का केवल 10.8 प्रतिशत हैं। इसमें से भी ज्यादातर राशि का उपयोग अवैध लेनदेन में होता है। बता दें कि आरबीआई ने शुक्रवार को दो हजार के नोटों को चलन से बाहर करने की घोषणा की थी। इस नोट को बैंकों में 30 सितंबर तक बदला जा सकेगा।

भारतीय रिजर्व बैंक का कहना है...इन नोटों का लेन-देन में ज्यादा इस्तेमाल नहीं होता है। पिछले चार वर्षों में 2000 रुपये के नोटों की छपाई बंद है। अर्थशास्त्री नित्सुरे ने आम चुनाव से पहले एक समझदारी भरा फैसला बताया। कहा, जो लोग मुद्रा भंडारण कर रहे हैं, उनके लिए मुश्किल हो सकती है। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए लि. में फाइनेंशियल सेक्टर रेटिंग के ग्रुप हेड कार्तिक श्रीनिवासन का कहना है, इस कदम से बैंक जमा में वृद्धि होगी। यह ऐसे समय हो रहा है जब बैंक निकासी की तुलना में जमा के मामले में पिछड़ रहे हैं। वहीं, एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की अर्थशास्त्री माधवी अरोड़ा ने कहा, चूंकि 2000 रुपये के सभी नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ जाएंगे।

बीइंग रियल्टर्स इंदौर रियल्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन व नेशनल एसोसिएशन ऑफ़ रियल्टर्स द्वारा आयोजित

देश का सबसे बड़ा रियल एस्टेट सिटी कन्वेंशन

ब्रिलियंट कन्वेंशन सेन्टर में देश भर से आएंगे रियलिटी सेक्टर से जुड़े प्रोफेशनल्स

टेक्नोलॉजी, लेटेस्ट ट्रेंड्स से लेकर मार्केटिंग स्ट्रेटजी तक पर होगी चर्चा

इंदौर, एजेंसी। तेज रफ्तार से विकास की राह पर चल पड़े भारत में रियल एस्टेट सेक्टर का योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। इंदौर शहर में भी कमर्शियल से लेकर रेसिडेंशियल और इंडस्ट्रियल सेगमेंट तक रियल एस्टेट शानदार ग्रोथ का प्रदर्शन कर रहा है। देशभर की नामी कम्पनियां यहां प्रोजेक्ट्स ला रही हैं। इसी कड़ी में शहर की उपलब्धियों में एक और कड़ी जुड़ने जा रही है बीइंग रियल्टर इवेंट के रूप में। इंदौर रियल्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन एवं नेशनल एसोसिएशन ऑफ़ रियल्टर्स - इंडिया द्वारा 25 मई 2023 को आयोजित यह भारत का सबसे बड़ा सिटी कन्वेंशन होगा जिसमें देशभर के रियल एस्टेट प्रोफेशनल्स शामिल होंगे। कन्वेंशन की थीम एंगेज, एम्पावर, एलिवेट रखी गई है। ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर, इंदौर में आयोजित इस कार्यक्रम में रियल एस्टेट उद्योग से जुड़े लेटेस्ट ट्रेंड्स, टेक्नोलॉजी और नई मार्केटिंग रणनीतियों के बारे में चर्चा होगी। साथ ही विशेषज्ञों के सम्बोधन, पैनल डिस्कशन व वर्कशॉप भी आयोजित होंगी।

इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए कन्वेंशन चेयरमैन श्री भूपेंद्र जोशी ने बताया- रियल एस्टेट उद्योग एक ऐसा क्षेत्र है जो देश के आर्थिक विकास में सक्रिय एवं महत्वपूर्ण भूमिका तो निभाता ही है, देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर प्रदान कर सामाजिक उन्नति की ओर बढ़ने में भी सहयोग करता है। इस क्षेत्र में भी निरंतर अपडेट्स होते हैं और निरंतर

इनोवेशन की भी जरूरत पड़ती है। यही कारण है कि द नेशनल एसोसिएशन ऑफ रियल्टर्स- इंडिया हर तिमाही में एक सिटी कन्वेंशन का आयोजन करता है। इसका उद्देश्य देशभर के रियल एस्टेट प्रोफेशनल्स को एक मंच पर लाकर उनके नेटवर्क को मजबूती देना, इस उद्योग से जुड़े महत्वपूर्ण और नवीनतम आयामों पर चर्चा करना, मौजूदा चुनौतियों को पार करने के मार्ग ढूंढना और इस उद्योग को और आगे बढाने के लिए नई तकनीकों एवं इनोवेशन युक्त कदम उठाना है। इसी कड़ी में हम शहर में यह आयोजन करने जा रहे हैं।

आईआरडब्ल्यूए के वाइस चेयरमैन शैलेन्द्र जैन (दरड़ा) ने जानकारी देते हुए कहा-

इंदौर रियल्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसका गठन वर्ष 2010 में इंदौर शहर के सभी प्रोफेशनल रियल एस्टेट सलाहकारों को एक ही मंच पर लाने के लिए किया गया था। यह संगठन द नेशनल एसोसिएशन ऑफ़ रियल्टर्स-इंडिया का भी सदस्य है। एनएआर-इंडिया, भारत में मौजूद रियाल्टारों की विश्वसनीय आवाज बनकर एकल राष्ट्रीय स्तर के अंब्रेला संगठन के रूप में कार्य करती है। जो कि पूरे देश में सक्रिय हजारों रियल्टर्स के हितों का प्रतिनिधित्व करती है, इसके साथ ही इसका उद्देश्य भारत में रियल एस्टेट ब्रोकिंग के अभ्यास को बढ़ावा देना भी है। यह वैश्विक स्तर का एक मानक संगठन है। उल्लेखनीय है कि एनएआर इंडिया का यूएसए स्थित नेशनल एसोसिएशन ऑफ रियल्टर्स यानी एनएआर के साथ ही इंटरनेशनल कंसोर्टियम ऑफ रियल एस्टेट एसोसिएशन, यूएसए के साथ भी गठजोड़ है।

प्रेसिडेंट श्री अरविंद गुप्ता के अनुसार- यह आयोजन एक संगठन के तौर पर केवल हमारे लिए ही नहीं बल्कि एक शहर और रियल एस्टेट के क्षेत्र में बहुत शानदार संभावनाएं रखने वाले इंदौर के लिए भी गौरवपूर्ण उपलब्धि है। वार्षिक वित्तीय वर्ष के अनुरूप प्रत्येक तिमाही में एनएआर द्वारा आयोजित होने वाले सिटी कन्वेंशन के इस वित्तीय वर्ष (2023-2024) के आगाज़ की मेजबानी आईआरडब्ल्यूए को प्राप्त हुई है। हम पूरे उत्साह के साथ आईआरडब्ल्यूए बीइंग रियल्टर के रूप में भारत का सबसे बड़ा कन्वेंशन आयोजित करने जा रहे हैं।

सेक्रेटरी श्री पीयूष भंडारी ने बताया- प्रॉपर्टी खरीदने या बेचने का काम कई तकनीकी प्रक्रियाओं से जुड़ा होता है। जरूरी होता है कि यह एक ऐसे व्यक्ति की देखरेख में हो जो व्यवस्थित तरीके से, पूरी नैतिकता, जिम्मेदारी के साथ प्रोफेशनली काम कर सके। रियाल्टर ऐसा ही व्यक्ति होता। नेशनल एसोसिएशन ऑफ रियल्टर्स का सदस्य होने से उसकी प्रामाणिकता और भी बढ़ जाती है। बीइंग रियल्टर आयोजन का उद्देश्य इंदौर शहर के रियल एस्टेट सलाहकारों को ऐसा ही रियाल्टर बनने की प्रेरणा देना है ताकि शहर के रियल एस्टेट क्षेत्र में और भी प्रोफेशनल और प्रामाणिक तरीके से काम हो सके।

इस आयोजन के लिए एक टीम के रूप में आईआरडब्ल्यूए ने काम किया है जिसमें संगठन के वाइस प्रेसीडेंट श्री देवेश पाहवा, ट्रेज़रार श्री नीरव शाह, जॉइंट सेक्रेटरी श्री अर्पित जोशी व कन्वेंशन कॉर्डिनेटर श्री सुमित गुप्ता शामिल हैं। विश्वास है कि सभी का साझा प्रयास इस आयोजन को सार्थकता और सफलता प्रदान करेगा।

बीइंग रियल्टर्स में रियल एस्टेट उद्योग में लेटेस्ट ट्रेंड और टेक्नोलॉजी के बारे में, नई मार्केटिंग रणनीतियों के बारे बात की जाएगी। देश भर से आने वाले अन्य रियल एस्टेट क्षेत्र के प्रोफेशनल्स के साथ नेटवर्क बनाने का अवसर मिलेगा। जो रीयल एस्टेट से जुड़े व्यवसाय को बढ़ाने में सहायता कर सकते हैं। उनके अनुभवों से सीखने का व अपने अनुभव साझा करने के साथ ही व्यावसायिक साझेदारी स्थापित करने का भी अवसर यहां प्राप्त होगा।

आईपीओ लिस्टिंग की समयसीमा घटाकर तीन दिन करने का प्रस्ताव, सेबी ने लोगों से मांगी राय

नई दिल्ली, एजेंसी। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने आईपीओ के बंद होने के बाद शेयर बाजार में कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग की समय सीमा मौजूदा छह दिन से घटाकर तीन दिन करने का प्रस्ताव किया है। साथ ही इस प्रस्ताव पर लोगों से तीन जून तक राय मांगी है। लिस्टिंग और ट्रेडिंग की समयसीमा में कटौती से शेयर जारीकर्ता के साथ ही निवेशकों को भी लाभ होगा। सेबी ने अपने परामर्श पत्र में कहा, जारीकर्ता को जल्द से पूंजी मिलेगी जिससे उसे व्यापार करने में आसानी होगी और निवेशकों को अपने निवेश की शुरुआती क्रेडिट का अवसर मिलेगा। इधर, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने शनिवार को एक मीडिया रिपोर्ट का खंडन करते हुए कहा कि टेलीकॉम कंपनियों के सभी पुराने प्रतिस्पर्धी टैरिफ प्लान की कोई जांच नहीं की जा रही है। टैरिफ प्लान वेरिफिकेशन से जुड़े मुद्दे पर दूरसंचार नियामक ने कहा, शिकायतें मिलने पर प्रावधानों के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। एक न्यूज रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अनलिमिटेड 5जी डाटा के ऑफरों को ध्यान में रखकर ट्राई ने सभी पुराने प्रतिस्पर्धी टैरिफ प्लान की जांच का फैसला किया है।

सरकारी बैंकों का मुनाफा बीते वित्त वर्ष में एक लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का मुनाफा बीते वित्त वर्ष (2022-23) में सामूहिक रूप से बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। इसमें लगभग आधी हिस्सेदारी देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की रही। पीएसबी के वित्तीय परिणामों के विश्लेषण से पता चलता है कि पिछले कुछ साल में बैंकों ने लंबा रास्ता तय किया है। पीएसबी ने 2017-18 में 85,390 करोड़ रुपये का कुल शुद्ध घाटा दर्ज करने के बाद 2022-23 में 1,04,649 का मुनाफा कमाया है। इन 12 सरकारी बैंकों का मुनाफा 2021-22 के 66,539.98 करोड़ रुपये की तुलना में 57 प्रतिशत बढ़ा है। प्रतिशत में देखें तो पुणे के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का मुनाफा सबसे अधिक 126 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,602 करोड़ रुपये रहा है। इसके बाद यूको ने 100 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,862 करोड़ रुपये और बैंक ऑफ बड़ौदा ने 94 प्रतिशत के साथ 14,110 करोड़ रुपये मुनाफा कमाया है।

बेहतर कानून व्यवस्था से यूपी में तेजी से बढ़ रहा निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल में गलगोटिया विश्वविद्यालय के चांसलर सुनील गलगोटिया और सीईओ ध्रुव गलगोटिया से हुई एक खास मुलाकात में उत्तर प्रदेश के कर्मठ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वास जताया कि राज्य में निवेशकों द्वारा किए जा रहे 32 लाख करोड़ रुपये के भारी-भरकम निवेश से आने वाले दिनों में यहां करीब एक करोड़ युवाओं को रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। सुनील गलगोटिया ने इसका सारा श्रेय मुख्यमंत्री को देते हुए कहा कि यह सब इसलिए संभव हो पा रहा है, क्योंकि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। यही कारण है कि निवेशक कहीं और जाने के बजाय अब भयमुक्त होकर प्रदेश में काम कर पा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से स्वयं की व्यथा साझा करते कहा कि कानून व्यवस्था बेहद लचर होने के कारण गलगोटिया समूह को भी शुरुआत में बेहद कठिनाई का सामना करना पड़ा था। हर समय भय के माहौल में काम करना पड़ता था पर आज मुख्यमंत्री के सक्षम नेतृत्व के चलते हम बिना किसी डर के प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तायुक्त विश्वस्तरीय शिक्षा उपलब्ध करा पा रहें हैं।

मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की पहल पर बनाए गए प्राइवेट यूनिवर्सिटीज एक्ट 2019 का उल्लेख करते हुए आश्वस्त किया कि इसके जरिए हमारी सरकार ने उच्च शिक्षा में निजी क्षेत्र की हर संभव सहयोग और प्रोत्साहन देने

का मार्ग प्रशस्त किया है। इससे उत्तर प्रदेश देश में तेजी से उत्कृष्ट शिक्षा संस्थानों वाला हब बनने की ओर अग्रसर है। सुनील गलगोटिया ने इस बात से पूर्ण सहमति जताते हुए मुख्यमंत्री को इस दिलचस्प तथ्य से अवगत कराया कि पहले जहां उत्तर भारत के युवा उच्च शिक्षा के लिए दक्षिण भारत का रुख करते थे, वहीं सरकार का सक्रिय सहयोग मिलने के बाद माहौल पूरी तरह बदल - जाने से अब दक्षिण भारत सहित अन्य राज्यों के छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा के लिए बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश के शिक्षण संस्थानों का रुख करने लगे हैं। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान गलगोटियाज यूनिवर्सिटी के सीईओ ध्रुव गलगोटिया ने उत्तर प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी से विश्वस्तरीय बनाने का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहनों में गिरावट, सरसों में मामूली सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशों में खाद्य तेलों के भाव टूटने के बीच दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह सस्ते आयातित तेलों के आगे महंगा बैठने वाले देशी तेल-तिलहनों की कीमतों के टिक नहीं पाने के कारण सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल कीमतों में गिरावट देखने को मिली। दूसरी ओर नीचे भाव में बिकवाली से बचने के लिए किसानों के द्वारा मंडियों में रोक-रोक कर अपनी उपज लाने के कारण सरसों तेल-तिलहन कीमतों में मामूली सुधार रहा।

बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में खाद्य तेलों के दाम में भारी गिरावट आई है और किसान नीचे भाव में बिकवाली से बचने के लिए मंडियों में कम उपज ला रहे हैं। असमंजस के बीच केवल मजबूरी में थोड़ी बहुत मात्रा में जरूरतमंद किसान बिकवाली कर रहे हैं। हालांकि, आयातित तेलों के दाम टूटने की वजह से सरसों किसान भारी दबाव में हैं क्योंकि उनका माल खप नहीं रहा है। इन सभी स्थितियों के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में सरसों

तेल-तिलहन कीमतों में मामूली सुधार है।

सूत्रों ने कहा कि पिछले साल सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 5,050 रुपये क्विंटल था और किसानों को बाजार से अपनी उपज के लिए 7,000 के लगभग दाम मिले थे। लेकिन इस बार सरसों का एमएसपी 5,450 रुपये क्विंटल है लेकिन बाजार में किसानों को हाल ही में 4,600-4,700 रुपये क्विंटल के दाम मिले हैं। सूत्रों ने कहा कि ब्राजील और अमेरिका में इस बार बंपर सोयाबीन फसल की उम्मीद है। पिछले सप्ताह आयातित सोयाबीन तेल का दाम 1,025-1,030 डॉलर प्रति टन था जो अब घटकर 960-970 डॉलर प्रति टन रह गया है।

उन्होंने कहा कि चीन की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी का कांडला पोर्ट पर संयंत्र है जो तयशुदा शुल्क (फिक्स्ड ड्यूटी) पर 30 जून तक थोक में 'नंबर एक' गुणवत्ता वाला रिफाइंड सोयाबीन तेल 82 रुपये लीटर के भाव पर बेच रही है। इसे पैकर खरीदकर ऊंचे भाव पर बेच रहे हैं। विदेशों में खाद्य तेल-तिलहन के बाजार टूट रहे हैं। यह देशी तेल-तिलहन बाजार की धारणा को तो खराब करेगा ही, देशी तेल मिलों विशेषकर देश के सरसों, बिनौला, सूरजमुखी और सोयाबीन किसानों को गंभीर रुप से प्रभावित कर सकता है। इन स्थितियों के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तेल-तिलहन में गिरावट दिखी।

उन्होंने कहा कि खाद्य तेल संगठनों को इस बात की खोज खबर लेनी चाहिये क्योंकि देशी तेल-तिलहन उद्योग के हित में आवाज उठाना उनकी जिम्मेदारी है। ऐसे ही सभी निष्क्रिय रहे तो किसान किस भरोसे आगे तिलहन बुवाई करने की जहमत मोल लेगा? सूत्रों ने कहा कि अगले महीने मूंगफली की गर्मी की फसल आने वाली है। बाकी खाद्य तेलों के मुकाबले मूंगफली तेल के महंगा होने और खुदरा में दाम ऊंचा होने के कारण यह तेल बाजार में खप नहीं रहा है जिसकी वजह से समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट है। सूत्रों ने कहा कि विदेशों में गिरावट की वजह से कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट आई। जबकि तेल मिलों को पैसे की दिक्कत की वजह से घबराहट में बिकवाली करनी पड़ रही है। आगे की परिस्थितियों को लेकर बहुत स्पष्टता नहीं है और इन्हीं कारणों से बिनौला तेल में गिरावट है। इतिहास में संभवतः पहली बार बिनौला तेल, सीपीओ से तीन-चार रुपये किलो नीचे बिक रहा है जो 4-5 महीने पहले 40-45 रुपये लीटर अधिक हुआ करता था। सूत्रों के अनुसार, पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 35 रुपये सुधरकर 4,950-5,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताहांत में सरसों दादरी तेल 290 रुपये बढ़कर 9,540 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव 35-35 रुपये बढ़कर क्रमशः 1,620-1,700 रुपये और 1,620-1,730 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सूत्रों ने कहा कि दूसरी ओर समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का भाव क्रमशः 150-150 रुपये टूटकर क्रमशः 5,150-5,225 रुपये और 4,925-5,005 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताहांत में सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल के भाव क्रमशः 390 रुपये, 490 रुपये और 410 रुपये लुढ़ककर क्रमशः 9,850 रुपये, 9,640 रुपये और 8,140 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

अल-सल्वाडोर में फुटबॉल मैच के दौरान भगदड़, 12 की मौत

90 लोग घायल, 500 को बचाया गया

सल्वाडोर (एजेंसी)। सेंट्रल अमेरिका के अल सल्वाडोर में एक फुटबॉल मैच के दौरान भगदड़ मच गई। हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक 90 से ज्यादा लोग घायल हैं, इनमें दो की हालत गंभीर है। 500 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अल सल्वाडोर में लोकल टीम का मैच था। इसी दौरान यह घटना हुई। मध्य अमेरिकी देश अल सल्वाडोर में एलियांज़ा और सेंटा एना की एफएएस सबसे लोकप्रिय फुटबॉल टीमों में शामिल हैं। इनके मैच को देखने के लिए कस्कटलान स्टेडियम के गेट पर भारी भीड़ जमा हो गई थी। जानकारी के मुताबिक कुछ लोग जबरन स्टेडियम में घुसने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान भगदड़ मची। न्यूयॉर्क टाइम्स ने जांच अधिकारियों के हवाले से भगदड़ मचने की वजह बताते हुए लिखा है कि दक्षिणी गेट पर कंप्यूटराइज्ड टिकट चेकिंग मशीन में खराबी आने की वजह से लोगों की लंबी लाइन लग गई। उसी समय कुछ लोग जर्बदस्ती घुसने की कोशिश करने लगे। इसी दौरान भगदड़ मच गई। जिसकी वजह से कुछ लोग नीचे गिर गए और उनके ऊपर से लोग जाने लगे। नीचे दबे हुए लोगों की दम घुटने की वजह से मौत हो गई। वहीं स्थानीय समाचार संगठनों ने सवाल उठाया है कि मैच के लिए सीटों से ज्यादा टिकट बेचे गए थे।

पुलिस ने घायलों की संख्या 500 से ज्यादा बताई – अमेरिका की नेशनल सिविल पुलिस ने ट्विटर पर पोस्ट कर 12 लोगों के मरने की पुष्टि की है। कई घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। वहीं रेस्क्यू कमांडो कार्लोस फ्यूएंटेस ने कहा कि 12 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, इनमें आठ पुरुष और चार महिलाएं हैं। हमने 500 लोगों को रेस्क्यू किया और 90 से ज्यादा लोगों को अस्पतालों भर्ती किया गया है। उनमें से कुछ गंभीर थे। मैच शुरू होने के लगभग 16 मिनट बाद यह हादसा हुआ, जिसके कारण खेल को रद्द कर दिया गया।अल सल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले ने हादसे के बाद कहा कि इस घटना की पुलिस विस्तृत जांच करेगी। उन्होंने कहा अपराधी जो भी होंगे वे बख्शे नहीं जाएंगे।सल्वाडोर के हेल्थ मिनिस्टर फ्रांसिस्को अलबी ने कहा कि स्टेडियम के बाहर आपातकालीन टीमों को तैनात किया गया है और घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है।

2017 में सेनेगल में भी फुटबॉल मैच के दौरान 8 लोगों की हो गई थी मौत – 2017 में सेनेगल में डकार में फुटबॉल लीग कप के फाइनल मे दौरान स्टेडियम में भगदड़ मचने से 8 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

टीम इंडिया में सिलेक्शन के बारे में नहीं सोच रहे आईपीएल स्टार रिंकू सिंह, कहा

पैर जमीन पर रखना चाहता हूं

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के निराशाजनक इंडियन प्रीमियर लीग अभियान में शानदार प्रदर्शन करने वाले रिंकू सिंह अपने पैर जमीन पर रखना चाहते हैं और अभी भारतीय टीम में चयन के बारे में नहीं सोच रहे। मौजूदा सीजन में गुजरात टाइटंस पर केकेआर की जीत में पांच छक्के जड़कर सुर्खियां बटोरने वाले रिंकू आईपीएल 2023 में अपनी टीम के शीर्ष बल्लेबाज और फिनिशर के रूप में उभरे। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने उन्हें भारत की विश्व कप टीम में जगह बनाने का दावेदार बताया। रिंकू ने शनिवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ केकेआर की एक रन की हार के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा, 'इस तरह के सत्र से किसी को भी बहुत अच्छा लगेगा, लेकिन मैं अभी इतनी दूर तक नहीं सोच रहा हूं कि मुझे भारतीय टीम में चुना जाएगा।' 25 साल के रिंकू ने मौजूदा सत्र का चौथा अर्धशतक जड़ते हुए 33 गेंद में नाबाद 67 रन बनाए और लखनऊ के खिलाफ केकेआर को रोमांचक जीत के करीब ले गए। केकेआर के लिए सत्र में रिंकू ने 59.25 के औसत और 149 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 474 रन बनाए। सुपरजायंट्स के खिलाफ जीत के लिए आखिरी तीन गेंदों पर तीन छक्के लगाने की जरूरत थी और यह गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले जैसी स्थिति थी जब रिंकू ने लगातार पांच छक्के जड़कर टीम को जीत दिलाई थी। उन्होंने कहा, 'मैं पूरी तरह से निश्चिंत था और सोचा कि जो भी होगा देखा जाएग। हां, (गुजरात टाइटंस के खिलाफ) लगातार पांच छक्के मारने का विचार मेरे दिमाग में आया था। मैं सिर्फ एक गेंद (छक्का मारने से) से चूक गया और यह चौका हो गया।

आयरलैंड टेस्ट के लिए स्वदेश लौटे बेन स्टोक्स

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के ऑलराउंडर और इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स आयरलैंड के खिलाफ एक जून से शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट के लिये स्वदेश लौट गये हैं। फ्रेंचाइजी ने रविवार को इसकी पुष्टि की। चेन्नई ने पिछले साल नीलामी में स्टोक्स को 16.25 करोड़ रुपए में खरीदा था। उन्होंने फ्रेंचाइजी के लिये इस सीजन मात्र दो मैच खेलकर 15 रन बनाये और एकमात्र ओवर डालकर 18 रन दिये।

आयरलैंड के विरुद्ध चार-दिवसीय टेस्ट खेलने के बाद स्टोक्स की टीम को 16 जून से पांच मैचों की एशेज़ टेस्ट श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया का सामना भी करना है। इससे पूर्व ऑस्ट्रेलिया और भारत सात जून से लंदन के द ओवल पर होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में आमने-सामने होंगे।

चेन्नई ने ट्वीट किया, ''राष्ट्रीय कर्तव्य के लिये स्वदेश लौटना जरूरी है! हम आपके (स्टोक्स) लिए सीटी बजाते रहेंगे, स्टोक्सी! अगले सीजन इंतजार रहेगा! चेन्नई 14 मैचों में 17 अंक अर्जित करके प्लेऑफ में पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गयी है। पहले क्वालिफायर में उसका सामना 23 मई गत चैंपियन गुजरात टाइटंस से होगा। लखनऊ सुपर जायंट्स प्लेऑफ में पहुंचने वाली तीसरी टीम है।

क्रिस गेल हुए रिंकू के मुरीद, बोले-

इसको अगले सीजन में मोटा पैसा मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज क्रिस गेल का मानना है कि केकेआर के बल्लेबाज रिंकू सिंह के वेतन में अगले साल भारी बढ़ोतरी होगी। लखनऊ सुपर जायंट्स ने शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स पर अपने अंतिम सीजन के मैच में जीत के साथ 2023 आईपीएल प्लेऑफ में अपना स्थान पक्का कर लिया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 176 रन बनाए, जिसमें निकोलस पूरन के 58 रन थे। कोलकाता हालांकि जीत के करीब था, लेकिन वे एक रन से हार गए। रिंकू सिंह ने एक बार फिर मैच को जीतने की कोशिश की। उन्होंने 33 गेंदों में 67 रन बनाए। आखिरी 3 गेंदों में 18 रन चाहिए थे, लेकिन रिंकू ने 16 रन बनाए। भले ही केकेआर मैच हार गया और निराशाजनक सीजन रहा, लेकिन रिंकू सिंह का उभरना टीम के प्रशंसकों के लिए शानदार रहा।

आईपीएल विशेषज्ञ क्रिस गेल को लगता है कि सिंह को 2024 में अपने आईपीएल वेतन में भारी वृद्धि मिलेगी। गेल ने कहा, रिंकू सिंह ने पहले केकेआर के लिए कुछ मौकों पर ऐसा किया है। मुझे यकीन है कि अगले साल उन्हें अपनी सैलरी थोड़ी अधिक मिलेगी क्योंकि वह केकेआर के लिए बल्ले से सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे हैं।

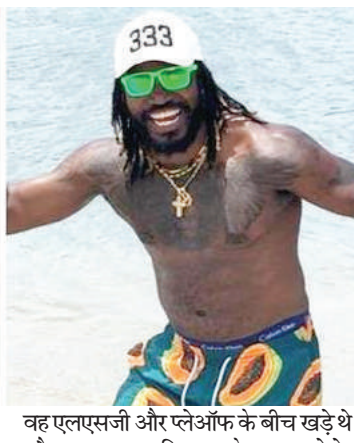

इस बीच, आईपीएल विशेषज्ञ जहीर खान भी इस सीजन में रिंकू सिंह के उभरने से अचंभित हो गए हैं। उन्होंने कहा, अगर आपको इस सीज़न में केकेआर के लिए एक उज्ज्वल स्थान देखना था, तो वह रिंकू सिंह थे। वह एलएसजी और प्लेऑफ के बीच खड़े थे और बहुत आत्मविश्वास के साथ खेले। उन्होंने पूरे सीजन में खुद को और टीम को ऐसे ही आगे बढ़ाया है। जब आपके पास रसेल जैसा कुशल फिनिशर है और फिर भी इस सत्र के दौरान उसकी चर्चा नहीं की जाती है। तो साफ है कि रिंकू सफल रहे हैं, तो यह दिखाता है कि उनका सीजन उनके लिए कितना अच्छा रहा है।

राल्टे ने अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के एआईएफएफ की योजना का समर्थन किया

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मिडफील्डर लालेंगमाविया राल्टे का मानना है अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की योजना से टीम को फायदा होगा लेकिन इससे खिलाड़ियों के चोटिल होने का भी खतरा रहेगा। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने हाल ही में कहा था कि दोहा में जनवरी 2024 में होने वाले एशियाई कप से पहले राष्ट्रीय टीम के 20 से 25 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की उम्मीद है। राल्टे ने कहा, ''यह पहली बार है जब भारतीय टीम एक साल में इतने सारे मैच खेलेगी। इससे हमारे साथियों को मैदान पर बेहतर तालमेल बिठाने में मदद मिलेगी क्योंकि हम आमतौर पर अपने क्लबों की तुलना में राष्ट्रीय टीम के साथ कम मैच खेलते हैं।'' इस 22 साल के युवा खिलाड़ी ने एआईएफएफ से जारी विज्ञप्ति में कहा, '' फुटबॉल एक टीम खेल है, इसलिए साथ रहना महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए अगर मैं छांगटे के साथ खेल रहा हूं तो मुझे यह जानने की जरूरत है कि वह किस तरह से मौका बनाना पसंद करता है और कहां गेंद चाहता है। मैं उसके साथ जितना अधिक खेलूंगा, हमारी समझ उतनी ही बेहतर होगी।'' एशियाई कप के मद्देनजर अगले सात महीने भारतीय टीम के लिए काफी अहम है। टीम भुवनेश्वर में हीरो इंटरकॉन्टिनेंटल कप (नौ से 18 जून) और बेंगलुरु में सैफ चैंपियनशिप (21 जून से चार जुलाई) के बाद इस साल के अंत में थाईलैंड में किंग्स कप और मलेशिया में मर्डेका कप में भी भाग लेगी।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी

बुमराह और पंत होते तो भारत दावेदार होता: चैपल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व दिग्गज क्रिकेटर इयान चैपल का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया का मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण इंग्लैंड की परिस्थितियों में अगले महीने होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारत के खिलाफ उसका पलड़ा भारी करता है। उन्होंने साथ ही कहा कि चोटिल जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में भारतीय टीम 'बुरी तरह प्रभावित' हो सकती है। बुमराह और पंत के अलावा श्रेयस अय्यर और लोकेश राहुल दो अन्य भारतीय खिलाड़ी हैं जो चोटों के कारण सात से 11 जून तक होने वाले फाइनल से बाहर हो गए हैं। चैपल ने यह भी कहा कि बार-बार चोटिल होने वाले हार्दिक पंड्या के लंबे प्रारूप में नहीं खेलने से भी भारत को नुकसान हो सकता है। हार्दिक ने पिछली बार 2018 में प्रथम श्रेणी का मैच खेला था।

इन दोनों के खेलने से वे प्रबल दावेदार होते – चैपल ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' पर अपने कॉलम में लिखा, ''जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत की चोटें भारत को बुरी तरह प्रभावित करेंगी क्योंकि इन दोनों के खेलने से वे प्रबल दावेदार होते। उन्होंने कहा, ''ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की कुछ हद तक आश्चर्यजनक अनुपलब्धता भी भारत को नुकसान पहुंचाती है क्योंकि वह उनके लिए अंतिम कड़ी को जोड़ने का काम कर सकते थे। अधिकांश भारतीय खिलाड़ी दो महीने इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने के बाद डब्ल्यूटीसी फाइनल में उतरेंगे लेकिन चैपल को लगता है कि इसका शायद उन पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़े। चैपल ने कहा, ''जैसा कि होना चाहिए, यह भविष्यवाणी करने के लिए एक कठिन मैच है। ऐसा मुख्य रूप से चोटों की चिंताओं के कारण है और इस साल की शुरुआत में एक कड़ी श्रृंखला खेलने के बाद से दोनों में से किसी ने भी कोई टेस्ट नहीं खेला है।

ऑस्ट्रेलिया का तेज गेंदबाजी आक्रमण भारत से थोड़ा बेहतर – उन्होंने कहा, ''स्थिति और मुश्किल होगी क्योंकि इससे जुड़े अधिकांश खिलाड़ी एकमात्र टेस्ट से पहले सिर्फ आईपीएल में खेले हैं। चैपल ने कहा, ''हालांकि यह आदर्श तैयारी नजर नहीं आती लेकिन इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज रवि बोपारा की राय को याद किया जा सकता है। 2009 में बोपारा आईपीएल में खेलने के बाद वेस्ट इंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए उतरे थे और उनका मानना था कि उनकी तैयारी आदर्श थी क्योंकि टी20 में खेलने के कारण वह पैरों को अच्छी तरह मूव कर रहे थे और उनकी मानसिकता सकारात्मक थी। बोपारा ने कैरेबियाई देशों में लगातार शतक जड़ने के संदर्भ में यह बात कही थी। चैपल का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया का तेज गेंदबाजी आक्रमण भारत से थोड़ा बेहतर है जबकि स्पिन विभाग में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम का पलड़ा भारी है। उन्होंने कहा, ''अगर पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड की ऑस्ट्रेलिया की शीर्ष तेज गेंदबाजी तिकड़ी उपलब्ध है तो यह उन्हें थोड़ा प्रबल दावेदार बनाता है। वे किसी भी समय अच्छे गेंदबाज हैं लेकिन जून की शुरुआत में इंग्लैंड के हालात उनके अनुकूल होने चाहिए।

चैपल ने कहा, ''मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और उमेश यादव की मौजूदगी वाला भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण भी मजबूत है और विकेट लेने की क्षमता में ऑस्ट्रेलियाई तिकड़ी से थोड़ा ही पीछे है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि एकमात्र टेस्ट में मानसिक मजबूती अहम होगी। उन्होंने कहा, ''जो टीम सबसे अधिक लचीलापन प्रदर्शित करती है, उसके जीतने की संभावना तब तक अधिक होगी जब तक प्रतियोगिता खराब मौसम से प्रभावित नहीं होती है। चैपल ने कहा, ''बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि बल्लेबाज प्रतिभाशाली विरोधी तेज गेंदबाजों का सामना कैसे करते हैं। ऑस्ट्रेलिया स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन और उस्मान ख्वाजा की बड़े स्कोर बनाने की क्षमता पर काफी अधिक निर्भर है लेकिन डेविड वार्नर की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए।

इनपर रहेंगी नजरें – इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, ''भारतीय टीम में विराट कोहली, रोहित शर्मा और चेतेश्वर पुजारा पर नजरें रहेंगी क्योंकि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में सफलता हासिल की है। मजबूत ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण के खिलाफ उनका काम कठिन होगा। उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को शुभमन गिल पर भी ध्यान देने की जरूरत है। वह बिना किसी डर के खेलते हैं और उनकी शॉट खेलने की मानसिकता है जो इस महत्वपूर्ण अवसर पर भी नहीं बदलेगी। परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया थोड़ा प्रबल दावेदार है। उन्होंने कहा, ''मैच इंग्लैंड की परिस्थितियों में खेला जा रहा है जो ऑस्ट्रेलियाई के मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण के थोड़ा अनुकूल है। हालांकि जैसा कि बोपारा ने कहा कि आपको बल्लेबाजों के लिए आईपीएल की तैयारी की अहमियत को कभी कम नहीं समझना चाहिए।

अदिति, दीक्षा और अमनदीप ने अरामको टीम सीरीज में कट हासिल किया

फ्लोरिडा (एजेंसी)। अदिति अशोक सहित चार में से तीन भारतीय महिला गोल्फर का यहां अरामको टीम सीरीज फ्लोरिडा में कट हासिल करना तय हो गया है। कट हासिल करने वालों में अदिति (75 और 76) के अलावा दीक्षा (73 और 79) और अमनदीप द्राल (79 और 73) शामिल हैं।

अदिति सात ओवर के कुल स्कोर से संयुक्त 39वें जबकि अमनदीप और दीक्षा आठ ओवर के कुल स्कोर से संयुक्त 50वें स्थान पर हैं। वाणी कपूर (78 और 79) का कुल स्कोर 13 ओवर है और उनका कट चूकना लगभग तय है।

भारतीय महिला टीम दूसरे हॉकी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से 2-3 से हारी

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट में भारतीय महिला हॉकी टीम को 3-2 से हराकर 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने श्रृंखला के पहले मैच की तुलना इस मैच में बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन जीत दर्ज करने में नाकाम रही। भारत के लिए संगीता कुमारी (13वें) और गुरजीत कौर (17वें) ने गोल किए। ऑस्ट्रेलिया के लिए टाटम स्टीवर्ट (12वें और 45वें मिनट) ने दो गोल किये जबकि पिप्पा मोर्गन (38वें) ने भी एक गोल किया। विश्व रैंकिंग में तीसरे नंबर पर काबिज ऑस्ट्रेलिया ने श्रृंखला के पहले मैच को गुरुवार को 4-2 से जीता था। श्रृंखला का तीसरा मैच रविवार को खेला गया। चीन में इस साल होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए इस दौरे पर आयी भारतीय टीम टेस्ट श्रृंखला के बाद ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ भी दो मैच खेलेगी।

श्रृंखला के शुरुआती मैच के विपरीत भारतीय टीम ने काफी बेहतर और प्रभावशाली प्रदर्शन किया। टीम ने एकजुटता से हर विभाग में अच्छा खेल दिखाया। टीम ने शुरुआती दो क्वार्टर में आक्रामक खेल का सहारा लिया जिससे उसे गोल करने का मौका मिला। भारत को आठवें मिनट में पहला पेनल्टी कार्नर मिला लेकिन गुरजीत की जोरदार फ्लिक को ऑस्ट्रेलिया की कप्तान और गोलकीपर जॉकलिन बार्ट्राम ने बचा लिया। स्टीवर्ट ने हालांकि 12वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदल कर ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिला दी। भारत ने हालांकि जल्द ही इस गोल का जवाब दे दिया। सलीमा टेटे ने मिडफील्ड से शुरुआत कर सर्कल के अंदर शर्मिला देवी को गेंद पास की, जिसके पास को संगीता ने गोल में बदल दिया। संगीता का श्रृंखला का यहा दूसरा गोल था।

भारत दूसरे क्वार्टर में भी इसी तरह से खेल जारी रखा। ऑस्ट्रेलिया को भारतीय रक्षापंक्ति को भेदने के लिए काफी जोर लगाना पड़ा। भारत ने दूसरे क्वार्टर के दूसरे मिनट में ही बढ़त बना ली जब गुरजीत ने पेनल्टी को गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की। टीम के बाद 22वें मिनट में बढ़त को और मजबूत करने का मौका था लेकिन लालरेमसियामी की रिवर्स हिट की कोशिश वाइड हो गई। हाफ टाइम से एक मिनट पहले, भारतीय टीम एक और 'सेट पीस को गोल में नहीं बदल सकी। ऑस्ट्रेलिया ने 1-2 से पिछड़ने के बाद दूसरे हाफ में बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने तीसरे क्वार्टर में दो गोल दागे। मैच के 38वें मिनट में भारतीय कप्तान सविता ने दो बार गोल का बचाव किया लेकिन पेनल्टी कॉर्नर पर मोर्गन के शॉट को नहीं रोक सकी। इस क्वार्टर के आखिरी 38 सेकंड में गेंद मोनिका के पैर पर लगी जिससे ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी स्ट्रोक मिला और स्टीवर्ट ने इसे गोल में बदल कर टीम की बढ़त को 3-2 कर दी। बराबरी का गोल करने की कोशिश में भारतीय टीम कड़ा प्रयास किया। टीम को एक पेनल्टी भी मिला था लेकिन वे उसका फायदा नहीं उठा सके।

फार्मूला 1 ड्राइवर युकी सूनोदा ने इटली की बाढ़ ग्रस्त इलाकों में की सफाई

इटली (एजेंसी)। फार्मूला 1 ड्राइवर युकी सूनोदा इटली में विनाशकारी बाढ़ के बीच राहत कार्यों में लगे हुए हैं, जिसकी जमकर प्रशंसा हो रही है। इटली में भारी बारिश के बाद कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई है और हजारों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है।

इस सप्ताह के अंत में एमिलिया रोमाग्ना ग्रैंड प्रिक्स भी इसी कारण रद्द कर दी गई थी। लेकिन जापानी स्टार राहत प्रयासों में अपना योगदान देने से पीछे नहीं हटे। अल्फा टॉरी ड्राइवर युकी को क्षेत्र में बाढ़ के कारण फैली गंदगी को साफ करते हुए देखा गया। 23 वर्षीय युकी और उनकी टीम ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर दुकानों से गंदा पानी और मिट्टी निकाली।

बता दें कि अल्फा टॉरी का मुख्यालय फेंज में स्थित है, जोकि उत्तरी इटली के बाढ़ से प्रभावित शहरों में से एक है। इस हफ्ते की शुरुआत में जापानी रेसर ने ट्विटर पर अपने फॉलोअर्स से अपील की कि वे जितनी भी मदद कर सकते हैं करें। उन्होंने लिखा था- एक भयानक रात के बाद शहर बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। धूल, मिट्टी और हर जगह गैसोलीन की गंध है।

वर्तमान में लोग भोजन खोजने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और विशेष रूप से रहने के लिए जगह के बाद कई लोगों को अपने घरों से निकाल दिया गया है। कृपया मदद के लिए आप जो कुछ भी कर सकते हैं करें। वहीं फार्मूला 1 फैंस ने जागरूकता बढ़ाने और बाढ़ पीड़ितों की मदद करने के युकी के प्रयासों को सराहा।

संक्षिप्त समाचार

सोशल मीडिया पोस्ट पर आपत्ति जताने पर नाबालिग के साथ मारपीट, 12 गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। खडकपाड़ा पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि जब उन्होंने पोस्ट अपलोड करने वालों से उन्हें डिलीट करने के लिए कहा तो तीखी नोकझोंक हुई। ठाणे जिले के कल्याण में सोशल मीडिया पोस्ट का विरोध करने पर 17 वर्षीय एक दलित युवक की पिटाई करने के आरोप में शनिवार को 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया। फूड डिलीवरी फर्म में डिलीवरी बॉय के रूप में काम करने वाले युवक को इंस्टाग्राम पर बुद्ध पूर्णिमा उत्सव के बारे में कुछ पोस्ट मिली थी, जो उसे आपत्तिजनक लगी। खडकपाड़ा पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि जब उन्होंने पोस्ट अपलोड करने वालों से उन्हें डिलीट करने के लिए कहा तो तीखी नोकझोंक हुई। पुलिस ने कहा कि अगले दिन लोगों का एक समूह उस आउटलेट में घुस गया जहां वह काम करता था। उसे वडावली-अटाली इलाके में एक जंगल में ले गया, उसके कपड़े उतारे और उसके साथ मारपीट की और बाद में उसे सड़क पर घुमाया। उन्होंने इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर अपलोड किया। युवक की तहरीर पर पुलिस ने धारा 323, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मारपीट का मामला दर्ज किया और 12 लोगों को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ विशेषज्ञ दया नायक ने शनिवार को मुंबई पुलिस की अपराध शाखा इकाई 9 में निरीक्षक का पदभार संभाल लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। नायक को 28 मार्च को महाराष्ट्र आतंकवाद-रोधी दस्ते (एटीएस) से मुंबई पुलिस में स्थानांतरित किया गया था और वह पोस्टिंग की प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्होंने एटीएस के साथ तीन साल का कार्यकाल पूरा किया था। नायक ने ट्वीट कर कहा, एटीएस महाराष्ट्र के साथ तीन साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद मुंबई अपराध शाखा में नई पोस्टिंग ज्वाइन की है। सभी की उम्मीदों पर खरा उतरने और अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमताओं के साथ मुंबई की सेवा करने की उम्मीद है।

पुलिस कुत्ता-बिल्ली पकड़ने के लिए नहीं, शिकायत लेकर पहुंची महिला से पुलिसकर्मी ने की अभद्रता

गाजियाबाद, एजेंसी। कोतवाली क्षेत्र की एक सोसाइटी में कुत्तों को लेकर हुई मारपीट के मामले में एक महिला देर रात साहिबाबाद कोतवाली में शिकायत लेकर पहुंची। जहां पुलिस कर्मी ने शिकायत लेने के बजाय अभद्रता की। इसका वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से वायरल हुआ। मामले संज्ञान में आने पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। डीसीपी ट्रांस हिंडन ने मामले की जांच एसीपी साहिबाबाद को सौंप दी है। जानकारी के मुताबिक, मोहन नगर की एक सोसाइटी की पशुप्रेमी महिला का आरोप है कि शुक्रवार देर रात करीब एक बजे दो लोग मास्क लगाकर कुत्तों को ले जाने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने विरोध किया तो उनसे मारपीट की गई। उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम से शिकायत की तो पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने उनसे कोतवाली में लिखित शिकायत देने को कहा। वह रात में ही साहिबाबाद कोतवाली पहुंची तो वहां मौजूद एक पुलिसकर्मी ने उनसे अभद्रता की। आरोप है कि गाली-गलौच की। कहा कि पुलिस कुत्ते बिल्ली पकड़ने का काम नहीं करती है। पुलिसकर्मी से रात में हुई बातचीत का शनिवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ। 49 सेकेंड का यह वीडियो है। इसके पुलिस कर्मी मामले को गंभीरता से लेने के बजाय कुर्सी पर आराम फरमाता दिख रहा है। पीएफए समेत अन्य लोगों ने इसे पुलिस के अधिकारियों को टैग कर कार्रवाई करने की मांग की। मामला पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन तक पहुंचा तो उन्होंने मामले की जांच सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद को सौंपी।

2,000 रुपये के नोट चलन से बाहर करने से पहले इसके प्रभाव का अध्ययन जरूरी : मायावती

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने 2,000 रुपये के नोट चलन से बाहर करने की भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की घोषणा को जनहित को सीधे तौर पर प्रभावित करने वाला फैसला बताते हुए रविवार को कहा कि ऐसा करने से पहले इसके प्रभाव एवं परिणाम का समुचित अध्ययन जरूरी है। बसपा प्रमुख ने ट्वीट किय, ''मुद्रा और वैश्विक बाजार में उसकी कीमत का संबंध देश के हित एवं प्रतिष्ठा से जुड़े होने के कारण इसमें जल्दी-जल्दी बदलाव करना जनहित को सीधे तौर पर प्रभावित करता है।'' मायावती ने सलाह देते हुए कहा, ''इसीलिए ऐसा करने से पहले इसके प्रभाव एवं परिणाम पर समुचित अध्ययन जरूरी है। सरकार इस पर जरूर ध्यान दे।'' उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने 2,000 रुपये के नोट को चलन से बाहर करने की शुक्रवार को घोषणा की थी। हालांकि इस मूल्य के नोट बैंकों में जाकर 30 सितंबर तक जमा या बदले जा सकेंगे। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि अभी चलन में मौजूद 2,000 रुपये के नोट 30 सितंबर तक वैध मुद्रा बने रहेंगे।

एफटीआईआई में 'द केरला स्टोरी' दिखाई गई, छात्रों के एक समूह ने विरोध प्रदर्शन किया

पुणे, एजेंसी।
छात्रों के एक समूह के विरोध प्रदर्शन के बीच शनिवार को पुणे स्थित 'भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान' (एफटीआईआई)के मुख्य थिएटर में फिल्म 'द केरल स्टोरी' की विशेष स्क्रीनिंग की गई। कार्यक्रम स्थल पर बड़ी तादाद में पुलिस बल के तैनात होने के बावजूद, एफटीआईआई छात्र संघ ने विरोध प्रदर्शन किया और दावा किया कि छात्र समुदाय को शो के बारे में सूचित नहीं किया गया था। सूत्रों ने कहा कि एमआईटीईई फिल्म सोसाइटी द्वारा आयोजित स्क्रीनिंग सुबह 9.30 बजे शुरू होने वाली थी, लेकिन इसमें एक घंटे की देरी हुई। मुख्य थिएटर के बाहर प्रदर्शन किया गया और ड्रम बजाने के बीच नारेबाजी की गई।

प्रदर्शनकारी छात्रों में से एक ने दावा किया, हम इस स्क्रीनिंग के खिलाफ हैं, क्योंकि संस्थान के छात्र समुदाय को सूचित नहीं किया गया था। 'द केरल स्टोरी' के निर्देशक सुदीप्तो सेन ने परिसर का दौरा किया और प्रदर्शनकारी छात्रों से बातचीत की। सेन ने कहा, कुछ छात्रों को थिएटर में प्रवेश नहीं करने दिया गया। हमने छात्रों से बात की। परिसर में कानून व्यवस्था संबंधी कोई स्थिति नहीं बनी। हमने एफटीआईआई का चयन नहीं किया। हम यहां तब आए, जब हमें आमंत्रित किया गया था। 'द केरल स्टोरी' पांच मई को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में दिखाया गया है कि केरल में किस प्रकार महिलाओं को इस्लाम अपनाने के लिए बाध्य किया गया और किस तरह उन्हें आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएस) के चंगुल में धकेला गया। इस फिल्म में अभिनेत्री अदा शर्मा ने मुख्य भूमिका निभाई है। विपुल शाह की 'सनशाइन पिक्चर्स' ने इस फिल्म का निर्माण किया है।

पश्चिम बंगाल सरकार ने समुदायों के बीच तनाव पैदा हो सकने की आशंका के मद्देनजर आठ मई को फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया था। तमिलनाडु के सिनेमाघरों ने भी कानून-व्यवस्था की स्थिति और दर्शकों की कम संख्या का हवाला देते हुए सात मई से इसकी स्क्रीनिंग बंद करने का फैसला किया था। बहरहाल, उच्चतम न्यायालय ने 'द केरल स्टोरी' के प्रदर्शन पर पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध को बृहस्पतिवार को हुई सुनवाई के दौरान हटाने का आदेश दिया।

हिमाचल प्रदेश भाजपा शुरू करेगी 'बूथ' सशक्तिकरण अभियान

शिमला, एजेंसी। पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी समिति ने एक बैठक में इस अभियान की रणनीति पर चर्चा की। पार्टी नेताओं ने कहा कि अभियान के तहत मोदी सरकार की उपलब्धियों का प्रचार करने के लिए एक जून से 22 जून तक प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में 250 परिवारों और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 60 से 70 परिवारों से संपर्क किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हिमाचल प्रदेश इकाई ने शनिवार को कहा कि वह 'बूथ' स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के लिए 'बूथ सशक्तिकरण अभियान' शुरू करेगी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत केंद्र सरकार की पिछले आठ वर्षों की उपलब्धियों को रेखांकित करेगी।

जयपुर के किशनपोल इलाके में हिंदुओं के पलायन संबंधी पोस्टर लगने से विवाद

जयपुर, एजेंसी।
हाल ही में किशनपोल इलाके में 'पुरोहितों का चौक' के पास एक संपत्ति मुस्लिम परिवार को बेची गई जिसके बाद किसी ने दीवारों पर पोस्टर चिपका दिए। पोस्टर में कहा गया है, किशनपोल क्षेत्र से हिंदुओं का पलायन जारी। जिम्मेदार- कांग्रेस पार्षद फरीद कुरैशी।

जयपुर के किशनपोल इलाके में हिंदुओं के पलायन संबंधी पोस्टर लगने से विवाद खड़ा हो गया जिसके बाद पुलिस बल तैनात किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। इन पोस्टर (पंफलेट) में इलाके से हिंदुओं के कथित पलायन के लिए कांग्रेसी पार्षद फरीद कुरैशी को जिम्मेदार बताया गया है, जिन्होंने पलायन के आरोपों का खंडन किया है। हाल ही में किशनपोल इलाके में 'पुरोहितों का चौक' के पास एक संपत्ति मुस्लिम परिवार को बेची गई जिसके बाद किसी ने दीवारों पर पोस्टर चिपका दिए। पोस्टर में कहा गया है, किशनपोल क्षेत्र से हिंदुओं का पलायन जारी।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राशि डोगरा डूडी ने कहा कि संपत्ति के कागजात की जांच की गई और कुछ भी अवैध नहीं पाया गया। उन्होंने कहा,''हम पोस्टर लगाने वालों के खिलाफ भादंसं की धारा 153ए (धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) के तहत मामला दर्ज करेंगे।

गाजियाबाद पुलिस ने 48 घंटे में किया राहुल हत्याकांड का पर्दाफाश, दोस्तों ने शराब पिलाकर की थी हत्या

मोदीनगर, एजेंसी।
गाजियाबाद के फजलगढ़ गांव में हुए राहुल हत्याकांड का भोजपुर पुलिस ने 48 घंटे में शनिवार को पर्दाफाश कर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुरानी कहासुनी के चलते चार आरोपितों ने मिलकर शराब पीते वक्त ईंट से वार कर व गला दबाकर राहुल की हत्या की थी।

पुलिस ने इलेक्ट्रानिक सर्विलांस व मेनुअल इनपुट की मदद से दो आरोपितों को ट्रेस कर दबोचा है, जबकि दो आरोपित अभी फरार हैं। एसीपी मोदीनगर रितेश त्रिपाठी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव फजलगढ़ का करन उर्फ चीकू व राजेंद्र सिंह हैं। इनके दो साथी प्रवेश गुर्जर व दिनेश फरार हैं। आरोपितों की राहुल से पुरानी रंजिश थी।

मंगलवार रात वे राहुल को शराब पिलाने के बहाने अपने साथ ले गए। वहां खेतों में इन्होंने शराब पी। नशे की हालत में आरोपितों ने राहुल से गाली-गलौज शुरू कर दी। राहुल के विरोध पर आरोपितों ने ईंट से वार कर व गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद राहुल के शव को रजवाहे में फेंक दिया और चारो आरोपित फरार हो गए गए। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपितों ने बताया कि हत्या में प्रयुक्त ईंट को भी रजवाहे में ही फेंक दिया था। एसीपी ने बताया कि फरार दोनों आरोपित को भी जल्द गिरफ्तारी होगी। पूछताछ में सामने आया है कि राहुल फरार आरोपित दिनेश की बेटी पर गलत नजर रखता था। पहले भी इसे लेकर दिनेश का राहुल से विवाद हुआ था।

मंगलवार रात फजलगढ़ गांव से युवक राहुल अपने

साथियों के साथ कलछीना के ईंट भट्ठे पर जाने की बात कहकर गया था। अगले दिन बुधवार को राहुल का शव भदौला गांव के रजवाहे में मिला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया था, पर तब शिनाख्त नहीं हुई थी। बुधवार शाम जब स्वजन भोजपुर थाने में राहुल की गुमशुदगी दर्ज कराने पहुंचे तो उन्हें हत्या की जानकारी हुई। राहुल के पिता की तहरीर पर केस दर्ज हुआ था।

इलेक्ट्रानिक सर्विलांस व मैनुअल इनपुट की मदद से आरोपितों तक पहुंची पुलिस, फरार दो आरोपितों की तलाश में जुटी है पुलिस। सीडीआर बनी मददगार राहुल के मोबाइल नंबर की सीडीआर (काल डिटेल रिकार्ड) पुलिस के लिए मददगार बनी। आरोपितों ने मंगलवार रात काल कर राहुल को घर से बुलाया था। ऐसे में आखिरी काल के नंबर पर ही पुलिस ने जांच शुरू की। ये नंबर वारदात के बाद से ही बंद थे। ऐसे में शक और गहरा गया। जांच में पता चला कि ये नंबर राहुल के साथियों के ही थे।

दिल्ली कांग्रेस को जल्द मिल सकता है नया अध्यक्ष, रेस में हैं कई दावेदार

नई दिल्ली, एजेंसी।
नया अध्यक्ष बनने पर तो किसी भी राजनीतिक पार्टी में विरोध या बगावत के स्वर उठना स्वाभाविक है, लेकिन प्रदेश कांग्रेस में नया अध्यक्ष बनने से पहले ही असहमति सामने आ रही है।

आलम यह है कि लोकसभा चुनाव 2024 के लिए एक साल भी नहीं बचा है, जबकि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व राष्ट्रीय राजधानी के लिए एक योग्य अध्यक्ष तक तय नहीं कर पा रहा है।

यूं तो मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी की स्वीकार्यता कभी नहीं रही। शुरू से ही उनका विरोध होता रहा है, पर एमसीडी चुनाव में पार्टी को मिली करारी शिकस्त के बाद तो इनका जाना लगभग तय था। सूत्रों के मुताबिक चौधरी का इस्तीफा भी हो चुका है, लेकिन पहले 'भारत जोड़ो यात्रा' और फिर कर्नाटक चुनाव के कारण नए अध्यक्ष का निर्णय टलता रहा।

अब जब सबकुछ निपट गया है, पार्टी नेतृत्व तब भी ऊहापोह में ही लग रहा है। पार्टी सूत्र बताते हैं कि शुरू में इस पद के लिए केवल दो ही नाम-

दिल्ली सरकार में मंत्री रह चुके अरविंदर सिंह लवली और दूसरा पार्टी के उत्तराखंड प्रभारी देवेंद्र यादव थे।

बाद में इस दौड़ में पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे व पूर्व सांसद संदीप दीक्षित का नाम उछला, तो कुछ नेता कन्हैया कुमार की पैरवी करने लगे। इनके अलावा भी बहुत सारे नेता ऐसे हैं, जो इधर-उधर से अपने नाम की पैरवी करवा रहे हैं। हर नाम के साथ कुछ समीकरण भी बैठाए जा रहे हैं। उधर, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी जातिगत और वर्ग विशेष के समीकरणों पर भी विचार कर रहे हैं। उनकी सोच है कि दिल्ली से जिस-जिस समुदाय को राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी दी गई है, उस समुदाय के नेता को दिल्ली का अध्यक्ष न बनाया जाए। पार्टी की इस जद्दोजहद में प्रदेश कांग्रेस की स्थिति और कमजोर हो रही है।

पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और पूर्व प्रदेश अध्यक्षों ने भी शीर्ष नेतृत्व की उदासीनता पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि दिल्ली देश की राजधानी है। यहां से सीधा संदेश देशभर में जाता है, लेकिन अगर शीर्ष नेतृत्व पार्टी की दिल्ली इकाई को लेकर ही गंभीर रुख नहीं रखता, तो फिर अन्य इकाइयों के बारे में क्या कहा जाए!

नेपाल के प्रधानमंत्री का आगामी भारत यात्रा के साथ नया इतिहास रचने का लक्ष्य

काठमांडू, एजेंसी।
नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने शनिवार को कहा कि उनका लक्ष्य भारत की अपनी आगामी यात्रा के दौरान एक नया इतिहास रचने का है। प्रचंड 29 मई को भारत की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जाने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा, मैं अपने द्विपक्षीय संबंधों में नई गतिशीलता जोड़ने के लिए भारत जा रहा हूं। हम उम्मीद कर रहे हैं कि इस बार मेरी भारत यात्रा के दौरान हमें कुछ नई चीजें मिलेंगी। प्रचंड ने कहा, यह नेपाल और भारत दोनों के लिए एक अच्छा अवसर है। हम अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ हमारे सहयोग के क्षेत्रों में नए रास्ते तलाशेंगे। मुझे इस समय इसके बारे में ज्यादा नहीं बताना चाहिए, लेकिन मुझे विश्वास है कि हम एक नया इतिहास बना सकते हैं। इसलिए इस विश्वास

के साथ, मैं भारत जा रहा हूं।।

प्रचंड की यात्रा की तैयारियों के बीच नेपाल के विदेश मंत्री एन.पी. सऊद ने पूर्व विदेश मंत्रियों, भारत में राजदूतों और पूर्व विदेश सचिवों के साथ विचार-विमर्श शुरू कर दिया है और उनसे इस बात पर चर्चा की है कि यात्रा के दौरान क्या किया जाना चाहिए। प्रचंड 3 जून को स्वदेश लौटने से पहले मुंबई भी जाएंगे।

25 दिसंबर, 2022 को प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा है। किसी भी नेपाली प्रधान मंत्री के पदभार ग्रहण करने के बाद सबसे पहले भारत आने की एक लंबी परंपरा रही है प्रचंड ने हालांकि कहा कि पहले भारत आने की कोई कानूनी बाध्यता नहीं है। भारत के साथ हमारी खुली सीमा है और हमारे आर्थिक, राजनीतिक संबंधों और लोगों से लोगों के संबंधों के कारण, भारत के साथ हमारा संबंध अद्वितीय है। इस तरह का संबंध दुनिया में कहीं भी नहीं पाया जा सकता है। यही कारण है कि यह एक परंपरा बन गई है। इसलिए सभी पहले भारत का दौरा करते हैं। लेकिन हमेशा ऐसा नहीं हो रहा है, जिसका सबूत मैं खुद हूं।

परंपरा को तोड़ते हुए, प्रचंड ने 2008 में चीन का दौरा किया, जब वह पहली बार प्रधान मंत्री चुने गए और बीजिंग ओलंपिक में भाग लिया। जब मैं पहली बार प्रधान मंत्री था, मैंने अपनी पहली चीन यात्रा की थी। लेकिन अब, मुझे लगता है कि यह उचित है कि मुझे फिर से भारत आना चाहिए, न केवल मजबूरी या परंपरा के कारण, बल्कि हमारी जरूरतों के कारण। उन्होंने कहा, और भारत यात्रा की तैयारी अच्छी है। लेकिन भारत में चुनाव और हमारे अपने व्यस्त कार्यक्रम के कारण यात्रा स्थगित कर दी गई। मैं अब बजट के पीछे जा रहा हूं। 29 मई को सदन में बजट पेश किया जाएगा।

बारिश में छाता नहीं खोल पाए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन

हिरोशिमा, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन जापान दौरे में दूसरी बार उप्स मोमेंट का शिकार हुए हैं। एक दिन पहले वो सीढ़ियों से गिरते हुए बाल-बाल बचे। इस बार उनका एक नया वीडियो सामने आया है। जी-7 शिखर सम्मेलन में मरीन कॉर्प्स एयर स्टेशन इवाकुनी में जापानी प्रतिनिधियों से मिलते हुए बाइडेन अपना छाता नहीं खोल पाए। बारिश के बीच बाइडेन छाता खोलने की कोशिश करते नजर आए। लेकिन, असमर्थ हो जाने के बाद उन्होंने लोगों से मुलाकात जारी रखी। यह घटना कैमरे पर कैद हुई है। सोशल मीडिया लोग अमेरिकी राष्ट्रपति का मजाक बना रहे हैं।

सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे लगभग एक मिनट के वीडियो में दिख रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बारिश में प्लेन से उतरते हुए छाता खोलने की कोशिश कर रहे हैं। उनके हाथ में एक काले रंग का छाता है। वह उसे खोलने की कोशिश करते दिखते हैं, पर नाकाम रहते हैं और फिर छाते को साइड में रखकर लोगों से मिलना जारी रखते हैं।

इसके बाद जो बाइडेन जापान के विदेश मामलों के राज्य मंत्री केंजी यामादा और अन्य गणमान्य व्यक्तियों से हाथ मिलाते हैं। इस दौरान भारी बारिश हो रही है और बाइडेन भीग रहे हैं, न तो कोई सुरक्षाकर्मी उन्हें छाता देता है या वो ही खुद छाता खोल पाते हैं।

बाइडेन के इस वायरल वीडियो पर लोग जमकर मजे ले रहे हैं। लोग बोल रहे हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति छाता भी नहीं खोल पा रहे हैं। एक ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि- जापान में उतरने के बाद बाइडेन छाते से जूझते हुए। एक अन्य ने लिखा- ओह तेरी! छाता द्वार! कितना भयानक है! बता दें कि इससे पहले भी जापान दौरे के दौरान बाइडेन का एक वीडियो वायरल हुआ था।

ओडिशा में भाजपा 2024 के चुनाव से पहले एक करोड़ परिवारों से संपर्क करेगी

भूवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा को 'बीजद-मुक्त' (बीजू जनता दल से मुक्त) बनाने के उद्देश्य को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को कहा कि वह अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में एक करोड़ परिवारों से संपर्क करेगी। यह निर्णय भाजपा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। ओडिशा को 'बीजद-मुक्त' (बीजू जनता दल से मुक्त) बनाने के उद्देश्य को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को कहा कि वह अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में एक करोड़ परिवारों से संपर्क करेगी। यह निर्णय भाजपा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। इस बैठक में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और बिशेश्वर टुडू ने भाग लिया। भाजपा की राज्य महासचिव लेखाश्री सामंतसिंघार ने कहा कि पार्टी का प्राथमिक उद्देश्य ओडिशा के लोगों को 23 साल के ÷बीजद सरकार के कुशासन÷ से मुक्त कराना है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजद सरकार कानून-व्यवस्था सहित सभी क्षेत्रों में विफल रही है, जिसके कारण झारसुगुड़ा में एक मंत्री की हत्या कर दी गई। लेखाश्री ने कहा कि राज्य में एक करोड़ परिवारों से संपर्क साधने और उन्हें नरेन्द्र मोदी सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और बीजद सरकार की ÷विफलताओं÷ से अवगत कराने की योजना बनाई गई है। उन्होंने दावा किया कि बीजद सरकार द्वारा खराब योजनाओं को खराब तरीके से लागू किए जाने के कारण केंद्रीय योजनाओं का लाभ ओडिशा के लोगों तक नहीं पहुंच पाता है।

खूबसूरत सैंबुसा शहर में मिल रहे सस्ते मकान मात्र 270 रुपये में महिला ने खरीद लिए तीन घर

रोम, एजेंसी।
अपने जीवन में सपनों का आशियाना बनाना हर किसी का सपना होता है। कहा जाता है कि आम आदमी को एक घर बनाने में पूरी ज़िंदगी लग जाती है। इससे घर की कीमत भी समझी जा सकती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इटली में एक महिला ने एक कप कॉफी की कीमत में ही तीन घर खरीद लिए। कुछ साल पहले इटली के कई वीरान और सुनसान सुदूर इलाकों में बहुत ही कम कीमत पर घर बेचे जा रहे थे। सैंबुसा शहर में जनसंख्या घटने की वजह से यहां के घरों को बहुत ही कम कीमतों पर बेचने का फैसला किया गया। शहर बेहद खूबसूरत है। यह मेडिटैरैनियन आइलैंड पर है और यहां से बीच का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। बीते कुछ सालों में इसी तरह के कई शहरों में सस्ती दरों पर घर बेचे जा रहे हैं। कीमत इतनी कम होती है कि विश्वास करना भी मुश्किल होता है। दरअसल बेचने वाला शख्स इसकी कोई कीमत लेता ही नहीं है, बस नाम मात्र की फॉर्मैलिटी करता है। बहुत सारे घरों के मालिक घरों की देखभाल करने में सक्षम नहीं थे और घर भी इतने जर्जर हो गए थे कि रेनोवेशन कराने में बड़ा खर्च आने वाला था। इसका उद्देश्य यही है कि किसी तरह से यहां लोग फिर से बसें और शहर आबाद हो जाए।

अमेरिका में आप बहुत फेमस हैं, डिनर में शामिल होने को पैरवी लगा रहे लोग; मोदी से बोले जो बाइडेन

हिरोशिमा, एजेंसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों छह दिवसीय विदेश दौरे पर हैं। जापान के हिरोशिमा में जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के बाद आज वह पापुआ न्यू गिनी के लिए रवाना हुए। इससे पहले यहां क्वाड देश के नेताओं की एक बैठक भी हुई। इस बैठक में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खूब तारीफ की। उन्होंने इससे पहले शनिवार को पीएम मोदी की कुर्सी तक आकर उनसे मिले थे। प्रधानमंत्री मोदी ने भी गले लगाकर गर्मजोशी से उनका अभिनंद किया। आज जब बाइडेन बैठक को संबोधित कर रहे थे तब उन्होंने पीएम मोदी की अमेरिका में लोकप्रियता का जिक्र किया।

सरकारी सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक, जो बाइडेन ने अपने संबोधन में बताया कि कैसे पीएम मोदी के डिनर में शामिल होने के लिए लोग पैरवी लगा रहे हैं। उन्होंने फोन कॉल्स आ रहे हैं। साथ ही इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी का ऑटोग्राफ लेने की भी इच्छा जाहिर की। अपने संबोधन के दौरान जो बाइडेन ने कहा, आप मेरे लिए एक समस्या पैदा कर रहे हैं। अगले महीने हम वाशिंगटन में आपके लिए रात्रि भोज का आजोन करेंगे। पूरे देश में हर कोई इस डिनर में शामिल होना चाहता है। मेरे पास टिकट खत्म हो गए हैं। आपको लगता है कि मैं मजाक कर रहा हूं। आप मेरी टीम से पूछ लें। मुझे ऐसे लोगों के फोन आ रहे हैं जिनके बारे में मैंने पहले कभी नहीं सुना। फिल्म अभिनेता से लेकर रिश्तेदार तक सभी फोन कर रहे हैं। आप बहुत लोकप्रिय हैं। बाइडेन ने आगे कहा, प्रधानमंत्री जी, आपने हर चीज पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। इसमें हम क्वाड में जो कर रहे हैं, वह भी शामिल है। आपने जलवायु में एक मौलिक बदलाव भी किया है। इंडो-पैसिफिक में आपका प्रभाव है। इससे पहले पीएम मोदी ने जी7 सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि सभी देशों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और एक-दूसरे की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129, 9430990555